RAJHIN/2016/70516 Bhilwara/171/2026-2028

सच्चाई से रूबरू

smarthalchal.com

स्मार्ट हलचल

वर्ष-10 अंक-298 जयपुर, बुधवार, 29 अप्रैल 2026 मूल्य-4 रुपये

महिलाओं को आरक्षण जरूर मिलेगा: मोदी

परिवारवादी पार्टियां देश की बेटियों को संसद-विधानसभाओं में नहीं आने देना चाहतीं

वाराणसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को काशी में विपक्ष पर जमकर निशाना साधा। पीएम ने कहा, 40 साल से महिला आरक्षण लटका था। हमने 2023 में नारी शक्ति अभिनंदन पारित किया। ये कानून लागू हो, इसके लिए चर्चा रखी। सपा, कांग्रेस, टीएमसी, डीएमके जैसी पार्टियों को देश की महिलाओं को धोखा दिया।

ऐसे दलों ने 40 साल से महिला आरक्षण पर ब्रेक लगा दिया। सपा ने फिर से इसे लाल झंडी दिखा दी। असली बात यह है कि ये सारे परिवारवादी और तुष्टिकरण में डूबे दल नारी शक्ति से डरे हैं। ये परिवारवादी डर, देश की बेटियों को विधानसभा ससंद नहीं आने देना चाहता है। पीएम मोदी ने कहा, मैं आप सभी बहनों को फिर से भरोसा देता हूं कि आपके आरक्षण का हक लागू हो, इसमें कोई कोर कसर बाकी नहीं छोड़ूंगा।

पीएम दो दिवसीय दौरे पर काशी पहुंचे हैं। यहां BLW (बनारस लोकोमोटिव वर्क्स) ग्राउंड में आयोजित नारी शक्ति वंदन सम्मेलन में करीब 50 हजार महिलाएं आई थीं। पीएम मोदी खुली जीप में सवार होकर उनके बीच पहुंचे। राजनीति, स्वयं सहायता समूह, चिकित्सा आदि वर्गों की 44 महिलाएं मंच पर बैठाई गई थीं।

पीएम ने 2 अमृत भारत ट्रेनों को हरी झंडी दिखाई

मोदी ने 6,350 करोड़ रुपए की 163 परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण किया। इनमें सिग्नेचर ब्रिज और कबीरचौरा मंडलीय अस्पताल में सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल शामिल हैं। पीएम ने दो नई ट्रेनों को हरी झंडी दिखाई। एक ट्रेन वाराणसी से पुणे के बीच चलेगी। दूसरी ट्रेन अयोध्या से मुंबई के लिए शुरू हुई।

पीएम मोदी ने कहा, बेटियों के लिए थल-वायु और नभ सेना में नए अवसर मिले हैं। डिफेंस के दरवाजे भी बेटियों के लिए खोले हैं। भाजपा सरकार का मतलब ही यही है नारी का उत्थान। हर मोर्चे पर भारत की बेटियां अच्छा काम कर रही हैं। बेटियों की भूमिका बढ़नी चाहिए। देश को इसकी जरूरत है। देश की नई संसद बनाने के पीछे भी बहनों की भागीदारी का विचार था। 40 साल से महिला का आरक्षण लटका था। हमने 2023 में नारी शक्ति अभिनंदन पारित किया। ये कानून लागू हो, इसके लिए चर्चा रखी।

सपा, कांग्रेस, टीएमसी, डीएमके जैसी पार्टियों को देश की महिलाओं को धोखा दिया। ऐसे दलों ने 40 साल से महिला आरक्षण पर ब्रेक लगाया था। सपा ने फिर से इसे लाल झंडी दिखा दी है। असली बात यह है कि ये सारे परिवारवादी और तुष्टिकरण में डूबे दल नारी शक्ति से डरे हैं। आप सभी से डरे हैं। ये परिवारवादी डर, देश की बेटियों को विधानसभा-ससंद नहीं आने देना चाहते हैं।

मोदी ने सिक्किम में बच्चों के साथ फुटबॉल खेली

4000 करोड़ की परियोजनाओं का शिलान्यास किया

गंगटोक। पीएम नरेंद्र मोदी 2 दिन के सिक्किम दौरे पर हैं। उन्होंने मंगलवार सुबह गंगटोक में बच्चों के साथ फुटबॉल खेली। पीएम ने सोशल मीडिया पर फुटबॉल खेलते हुए तस्वीरें शेयर कीं। पीएम ने एक्स पर लिखा, 'इन बच्चों के साथ फुटबॉल खेलकर ऊर्जा से भर गया।' आज मोदी राज्य के 50वें स्थापना दिवस समारोह के समापन कार्यक्रम में शामिल हुए। इसके अलावा उन्होंने 4000 करोड़ से ज्यादा की परियोजनाओं का शिलान्यास भी किया। पीएम मोदी ने कहा कि जब देश में राजनीतिक स्वार्थ के चलते भाषावाद, प्रांतवाद, ऊंच-नीच और भेदभाव की लगातार कोशिश हो रही है। तब आज सिक्किम ने 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' का दर्शन करा दिए।

ट्रम्प बोले- ईरान ढहने की कगार पर पहुंचा जल्द होर्मुज स्ट्रेट खुलवाना चाहता है

ईरान ने कहा- ट्रम्प का दबाव नहीं सहेंगे

तेहरान/वॉशिंगटन डीसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने दावा किया कि ईरान ढहने की कगार पर पहुंच चुका है और जल्द से जल्द होर्मुज स्ट्रेट खुलवाना चाहता है।

ट्रम्प ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि ईरान ने अमेरिका को बताया है कि वह 'स्टेट ऑफ कोलैप्स' यानी बुरी स्थिति में पहुंच चुका है। उन्होंने कहा कि ईरान जल्द से जल्द होर्मुज स्ट्रेट खुलवाना चाहता है, ताकि समुद्री आवाजाही सामान्य हो सके।

ट्रम्प ने यह भी कहा कि ईरान इस समय अपनी नेतृत्व स्थिति को संभालने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने लिखा कि उन्हें भरोसा है कि ईरान इससे बाहर निकल जाएगा।

वहीं दूसरी तरफ ईरान के कहा है कि वह ट्रम्प का दबाव नहीं सहेगा। रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता रेजा तलाएई-निक ने कहा कि अमेरिका अब उस स्थिति में नहीं है कि दूसरे देशों को बताए कि उन्हें क्या करना चाहिए। साथ ही अमेरिका को अपनी गलत मांगें छोड़नी होंगी।

अमेरिका, ईरान और इजराइल के बीच फिलहाल सीजफायर लागू है, लेकिन संघर्ष खत्म करने की बातचीत अब तक किसी ठोस नतीजे पर नहीं पहुंची है।

होर्मुज स्ट्रेट दुनिया के सबसे अहम समुद्री मार्गों में शामिल है। यहां से बड़ी मात्रा में तेल और गैस सप्लाई गुजरती है, इसलिए इस रास्ते पर तनाव का असर वैश्विक बाजार पर पड़ता है।

इस बीच ईरान पहली बार होर्मुज खोलने को तैयार हो गया है। ईरान ने अमेरिका से समुद्री नाकेबंदी हटाने की भी अपील की है। न्यूयॉर्क टाइम्स ने तीन ईरानी अधिकारियों के हवाले से यह जानकारी दी है। रिपोर्ट के मुताबिक ईरान ने अमेरिका को बातचीत के लिए रविवार को एक नया प्रस्ताव दिया था।

ट्रम्प ने दो दिन में दूसरी बार ईरान का प्रस्ताव ठुकराया है। दरअसल, पिछले कई हफ्तों से ईरान और अमेरिका के बीच पाकिस्तान के जरिए प्रस्तावों का आदान-प्रदान हो रहा है, लेकिन परमाणु कार्यक्रम से जुड़े अहम मुद्दों पर अब तक सहमति नहीं बन सकी है।

अमेरिका की मांग थी कि ईरान 20 साल तक अपना परमाणु कार्यक्रम रोक दे और अपने पास मौजूद 440 किलो समृद्ध यूरेनियम सौंप दे। ईरान ने इन मांगों को बहुत ज्यादा और अनुचित बताते हुए मानने से इनकार कर दिया था।

धर्म पूछा, कलमा पढ़ने को कहा, फिर चाकुओं से गोदा

एटीएस ने कहा- आरोपी के घर धार्मिक दस्तावेज मिले

मुंबई

मुंबई के मीरा रोड स्थित नया नगर इलाके में एक युवक ने दो सिक्योरिटी गार्ड्स से उनका धर्म पूछने के बाद चाकू से हमला कर दिया। आरोपी की पहचान 31 साल के जैब जुबेर अंसारी के रूप में की गई है। घटना सोमवार सुबह करीब 4 बजे हुई।

पुलिस के अनुसार, एक अंडर कंस्ट्रक्शन बिल्डिंग के पास दो सिक्योरिटी गार्ड, राजकुमार मिश्रा और सुब्रतो रमेश सेन ड्यूटी पर तैनात थे। आरोपी पहले इलाके में आया और मस्जिद का रास्ता पूछा। कुछ समय बाद वह दोबारा लौटा।

उसने एक गार्ड से धर्म पूछने के बाद अचानक चाकू से हमला कर दिया। इसके बाद वह केबिन में घुसा और दूसरे गार्ड से कलमा पढ़ने को कहा। जब गार्ड ऐसा नहीं कर पाया, तो उस पर भी हमला कर दिया गया। दोनों घायल गार्डों को तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है।

आरोपी को भी गिरफ्तार कर लिया गया है। महाराष्ट्र सीएम देवेंद्र फडणवीस ने कहा है कि आरोपी जिहाद के नाम पर हिंदुओं को निशाना बनाना चाहता था। मामले की जांच कर रही महाराष्ट्र एटीएस इसे आतंकी हमला मान रही है।

भीषण गर्मी और लू की चपेट में राजस्थान

जैसलमेर में 40 साल में दूसरी बार पारा 46.4 डिग्री, सड़कों पर पानी का छिड़काव

जयपुर

राजस्थान इन दिनों भीषण गर्मी और लू की चपेट में है। जैसलमेर में 40 साल में दूसरी बार अधिकतम तापमान 46.4 डिग्री रिकॉर्ड हुआ।

इससे पहले पिछले साल अप्रैल में ही इतना तापमान दर्ज हुआ था। वहीं, जयपुर में दिन का पारा 43.5 डिग्री पर पहुंच गया। मौसम केंद्र के अनुसार ये सामान्य से 3.5 डिग्री ज्यादा है। वेस्टर्न डिस्टर्बेंस के कारण दोपहर बाद हनुमानगढ़, श्रीगंगानगर, बीकानेर सहित कई शहरों आंधी-बारिश के साथ ओले भी गिरे। चूरू, झुंझुनूं, सीकर, जयपुर, अलवर समेत इनके आसपास के एरिया में घने बादल छाने के साथ धूलभरी आंधी चली। इधर, मौसम विज्ञान केंद्र जयपुर ने राज्य में 11 जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट जारी किया है। 2 जिलों में हीटवेव का अलर्ट है। डूंगरपुर और उदयपुर में 8वीं क्लास तक के बच्चों का टाइम सुबह 7:30 से 11:30 बजे तक किया गया।

एक पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने व बंगाल की खाड़ी से आने वाली पूर्वी हवाओं के प्रभावी होने से दोपहर बाद आगामी 3-4 दिन मेघगर्जन के साथ आंधी (40-50 किलोमीटर प्रतिघंटा) व कहीं-कहीं हल्की बारिश होने की संभावना है। मई के प्रथम सप्ताह में भी राज्य में कहीं-कहीं हीट वेव की परिस्थितियां दर्ज होने व दोपहर बाद मेघगर्जन, आंधी की गतिविधियां दर्ज होने की संभावना है। पश्चिम विक्षोभ के प्रभाव से सोमवार को आए आंधी-बारिश से आमजन को भीषण गर्मी से थोडी राहत मिली है। मंगलवार को प्रदेश के अधिकांश शहरों के तापमान में दो से 6 डिग्री की गिरावट दर्ज की गई। इससे आमजन को हीटवेव से राहत मिली है।

मौसम विभाग के अनुसार मंगलवार को 22 शहरों का दिन का तापमान 40 और 18 शहरों का रात का पारा 25 डिग्री से ज्यादा दर्ज किया गया। फलौदी प्रदेश में सबसे गर्म रहा।

शंभू रेलवे ट्रैक बम धमाके में चार गिरफ्तार, गोला बारूद बरामद

चंडीगढ़। पंजाब के शंभू में बीती रात रेलवे ट्रैक पर हुए बम धमाका मामले में पुलिस ने चार लोगों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किया गया है। इसके साथ ही सीमा पार पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी (आईएसआई) के इशारे पर पंजाब में संचालित आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया गया है। डीआईजी ने बताया कि मानसा निवासी परदीप सिंह खालसा, जिला मानसा के बप्पियाना निवासी कुलविंदर सिंह बग्गा, पंजवड़ जिला तरनतारन निवासी सतनाम सिंह सत्ता तथा जिला तरनतारन निवासी गुरप्रीत सिंह उर्फ गोपी को गिरफ्तार किया गया है। इनसे प्रारंभिक पूछताछ में यह भी सामने आया है कि 27 अप्रैल की रात करीब 8.55 बजे इनके साथियों ने शंभू-अंबाला रेलवे मार्ग पर बम विस्फोट कर रेलवे ट्रैक को नुकसान पहुंचाया। इस संबंध में थाना जीआरपी पटियाला में मामला दर्ज किया गया था। डीआईजी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपितों के कब्जे से भारी मात्रा में युद्धक हथियार और गोला-बारूद बरामद किया गया है, जो उन्होंने सीमा पार बैठे अपने आतंकी हैंडलरों की मदद से हासिल किया था। बरामद सामग्री में एक बम, 2 पिस्तौल सहित जिंदा कारतूस, आईईडी बनाने में प्रयुक्त सामग्री तथा मलेशिया में बैठे हैंडलरों से संपर्क के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला लैपटॉप और अन्य तकनीकी उपकरण शामिल हैं।

गुजरात की सभी महानगरपालिकाओं में भाजपा का परचम

अहमदाबाद

गुजरात की सभी 15 महानगरपालिकाओं के चुनाव में इस बार भी भाजपा का दबदबा कायम रहा। सूरत महानगरपालिका में भाजपा ने एक बार फिर प्रचंड जीत दर्ज करते हुए 120 में से 115 सीटों पर कब्जा कर लिया है। पिछले 30 वर्षों से जारी भाजपा का एकछत्र शासन अगले पांच वर्षों तक भी बरकरार रहेगा। वर्ष 2021 में 27 सीटें जीतने वाली आम आदमी पार्टी इस बार मात्र 4 सीटों पर सिमट गई है। कांग्रेस, जो पिछली बार खाता भी नहीं खोल सकी थी, इस बार केवल 01 सीट जीतने में सफल रही है। इन चुनावों का आयोजन एसआईआर (स्पेशल इंटेंसिव रिविजन) प्रक्रिया और 27 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण लागू होने के बाद हुआ। हालांकि, इन बदलावों के बावजूद मतदान प्रतिशत में अपेक्षित बढ़ोतरी नहीं हुई। राज्यभर में 49 लाख से अधिक मतदाता मतदान के लिए बाहर ही नहीं निकले।

मतदान प्रतिशत की बात करें तो वापी महानगरपालिका में पहली बार हुए चुनाव में सबसे अधिक 72.29 फीसद मतदान दर्ज किया गया, जबकि गांधीधाम में सबसे कम 46.03 फीसद मतदान हुआ।

अनिल समूह की 3,034 करोड़ की संपत्ति कुर्क

नई दिल्ली

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने रिलायंस अनिल अंबानी समूह (आरएएजी) की कंपनियों के खिलाफ जारी धनशोधन जांच के अंतर्गत 3,034.90 करोड़ रुपये की नई संपत्तियां जब्त की हैं। केंद्रीय जांच एजेंसी ने मंगलवार को जारी बयान में बताया कि ईडी ने मेसर्स रिलायंस कम्युनिकेशंस लिमिटेड बैंक धोखाधड़ी मामले में पीएमएलए, 2002 के तहत 3,034.90 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क की है।

डिजिटल अरेस्ट पर एक्शन में सरकार

सिम कार्ड के लिए बायोमेट्रिक पहचान होगी जरूरी

व्हाट्सऐप तक निगरानी कड़ी करने की तैयारी

नई दिल्ली

देश में तेजी से बढ़ रहे डिजिटल अरेस्ट स्कैम पर लगाम लगाने के लिए केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में बड़ा एक्शन प्लान पेश किया है। गृह मंत्रालय के तहत काम करने वाले भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र ने अपनी विस्तृत रिपोर्ट में बताया कि इस साइबर अपराध से निपटने के लिए टेलीकॉम विभाग, आरबीआई, टेक कंपनियों और जांच एजेंसियों के साथ मिलकर बहु-स्तरीय कार्रवाई की जा रही है।

सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर दायर इस रिपोर्ट में बताया गया कि वाट्सएप ने पिछले 12 हफ्तों में डिजिटल अरेस्ट स्कैम से जुड़े 9,400 अकाउंट्स बैन किए हैं। इसके अलावा प्लेटफॉर्म अब ऐसे अकाउंट्स की पहचान कर रहा है जो पुलिस या सरकारी लोगो का दुरुपयोग करते हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, वॉट्सएप जल्द ही ऐसे फीचर्स लाने जा रहा है जिससे यूजर्स को चेतावनी मिलेगी अगर कॉल किसी नए या संदिग्ध अकाउंट से आ रही हो। साथ ही, संदिग्ध कॉलर्स की प्रोफाइल फोटो को ऑटोमैटिक छिपाने की योजना भी है ताकि ठग अधिकार का झूठा प्रभाव न बना सकें।

दूरसंचार विभाग और टेलीकॉम कंपनियों ने मिलकर फर्जी स्थ्रूरू कार्ड्स पर तेजी से कार्रवाई करने का प्लान तैयार किया है। अब लक्ष्य है कि किसी भी संदिग्ध स्थ्रूरू को पहचान के दो से तीन घंटे के भीतर ब्लॉक किया जाए।

सरकार एक नया बायोमेट्रिक पहचान सत्यापन प्रणाली (बीआईवीएस) लागू करने की योजना बना रही है, जिससे देशभर में स्थ्रूरू जारी होने की रियल-टाइम निगरानी हो सके। इसे दिसंबर 2026 तक लागू करने का लक्ष्य रखा गया है।

एससीओ की बैठक में सीमा पार आतंकवाद पर राजनाथ का रुख सख्त

आतंकवाद दुनिया के लिए सबसे बड़ा खतरा, दोहरे मानदंड अस्वीकार्य

बिश्केक

शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के रक्षा मंत्रियों की बैठक में भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आतंकवाद के मुद्दे पर बेहद स्पष्ट और सख्त रुख अपनाया। उन्होंने कहा कि राज्य-प्रायोजित सीमा-पार आतंकवाद किसी भी देश की संप्रभुता पर सीधा हमला है और इसे किसी भी परिस्थिति में नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। राजनाथ सिंह ने साफ शब्दों में कहा कि आतंकवाद के मामले में किसी भी तरह के दोहरे मानदंडों के लिए कोई जगह नहीं होनी चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि एससीओ को ऐसे देशों के खिलाफ ठोस कदम उठाने चाहिए जो आतंकवादियों को समर्थन, संरक्षण या सुरक्षित पनाह देते हैं।

आतंक के केंद्र अब सुरक्षित नहीं'

अपने संबोधन में रक्षा मंत्री ने ऑपरेशन सिंदूर का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत ने यह स्पष्ट संदेश दे दिया है कि आतंकवाद के अड्डे अब दंड से बच नहीं सकते। उन्होंने कहा कि भारत आतंकवाद के खिलाफ 'जीरो टॉलरेंस' की नीति पर मजबूती से कायम है। उन्होंने पिछले वर्ष पहलगाम में हुए आतंकी हमले को याद करते हुए कहा कि ऐसी घटनाएं पूरी मानवता को झकझोर देती हैं और वैश्विक समुदाय को एकजुट होकर इसके खिलाफ खड़ा होना चाहिए।

राजनाथ सिंह ने अपने संबोधन में बदलते वैश्विक परिदृश्य पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि दुनिया इस समय बढ़ते टकराव और एकतरफावाद के दौर से गुजर रही है, जिससे वैश्विक सहमति कमजोर हो रही है। महात्मा गांधी का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि 'आंख के बदले आंख' की नीति पूरी दुनिया को अंधकार की ओर ले जाती है। उन्होंने जोर दिया कि हर निर्णय का असर गरीब और जरूरतमंद लोगों पर भी पड़ता है, इसलिए शांति और करुणा को प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

आतंकवाद किसी धर्म या राष्ट्र से नहीं जुड़ा

रक्षा मंत्री ने स्पष्ट किया कि आतंकवाद का कोई धर्म या राष्ट्रीयता नहीं होती। किसी भी शिकायत या मतभेद को हिंसा और निर्दोष लोगों की हत्या का आधार नहीं बनाया जा सकता। उन्होंने कहा कि कट्टरता, उग्रवाद और अलगाववाद से निपटने के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग बेहद जरूरी है। इसके साथ ही आतंकवादियों के सुरक्षित ठिकानों को खत्म करना और उन्हें राजनीतिक संरक्षण देने की प्रवृत्ति को रोकना समय की मांग है।

राजनाथ सिंह ने एससीओ के क्षेत्रीय आतंकवाद विरोधी ढांचे की सराहना करते हुए कहा कि यह मंच आतंकवाद, उग्रवाद और अलगाववाद के खिलाफ महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि भारत एससीओ के उद्देश्यों को आगे बढ़ाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और सहयोग, समानता तथा पारस्परिक विश्वास के आधार पर संगठन को शांति और स्थिरता का प्रतीक बनाया जा सकता है।

बंगाल में दूसरे चरण की 142 सीटों पर वोटिंग आज

ममता की सीट पर CRPF का फ्लैग मार्च, कोलकाता में बूथ कर्मचारी गर्मी में बेहोश

कोलकाता

पश्चिम बंगाल में बुधवार को 142 सीटों पर वोटिंग होनी है। इसको लेकर राज्य में सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। ममता की भवानीपुर सीट पर मंगलवार को CRPF ने फ्लैग मार्च निकाला। ममता के खिलाफ भाजपा ने सुवेंदु अधिकारी को मैदान में उतारा है।

इधर चुनाव कर्मचारी श्क्कूरू मशीन लेकर पोलिंग बूथ पर पहुंच चुके हैं। कोलकाता में एक महिला कर्मचारी गर्मी के चलते बेहोश हो गई। सेकेंड फेज में कुल 1448 उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं। 23 अप्रैल को पहले चरण में 92.72% मतदान हुआ था। 4 मई को नतीजे आएंगे।

तृणमूल पार्षद समेत 1,543 गिरफ्तार

मतदान को शांतिपूर्ण बनाने के लिए चुनाव आयोग के निर्देश पर पुलिस ने राज्य भर में 1,543 लोगों को गिरफ्तार किया है। इनमें पूर्व बर्धमान के टीएमसी पार्षद नारु गोपाल भक्त भी शामिल हैं, जिन पर भाजपा नेता के घर हमले और डराने-धमकने का आरोप है।

दूसरे चरण की वोटिंग के लिए प्रचार सोमवार शाम को खत्म हो गया। बुधवार को होने वाला मतदान चुनाव की दिशा और सत्ता का रास्ता तय करेगा। इधर, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बेहाला में एक जनसभा में कहा कि बंगाल में विधानसभा चुनाव के बाद भी केंद्रीय बल कम से कम सात दिन तक तैनात रहेंगे। उन्होंने कहा, '29 अप्रैल को मतदान करें, गुंडों से डरने की जरूरत नहीं है। चुनाव आयोग ने व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की है।

पति ने पत्नी की हत्या कर लकड़ी के बॉक्स में छिपा सीमेंट से कर दिया पैक

-परिवार-पुलिस को किया गुमराह, एक पत्र ने खोला राज, आरोपी फरार

अहमदाबाद (एजेंसी)। सूरत शहर के सलाबतपुरा इलाके में मेरठ में हुए हत्याकांड की तरह एक कांड हुआ जिसमें पत्नी ने नहीं बल्कि पति ने घटना को अंजाम दिया और नीले ड्रम की जगह लकड़ी के बॉक्स में पत्नी की लाश को छुपा दिया। इस हत्याकांड ने पूरे इलाके में सनसनी फैला दी है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पति विशाल सालवी ने अपनी पत्नी की निर्मम हत्या कर अपराध को छिपाने के लिए बेहद शातिर तरीका अपनाया। उसने 20 अप्रैल को अपनी पत्नी और पेशे से डायटीशियन शिल्पा की हत्या कर दी। हत्या के बाद आरोपी ने शव को छिपाने के लिए एक लकड़ी का बॉक्स तैयार किया और उसमें शव रखकर ऊपर से मोटी सीमेंट की परत चढ़ा दी, ताकि बदबू बाहर न आए और किसी को शक न हो। पुलिस के मुताबिक 20 अप्रैल को घरेलू झगड़े में विशाल ने शिल्पा की हत्या कर दी। इसके बाद उसने शव को गोदादरा स्थित अपने घर से सलाबतपुरा के पुराने मकान में ले जाकर पहले मंजिल पर लकड़ी के बक्से में रखा और उस पर सीमेंट डालकर छिपा दिया। रिपोर्ट के मुताबिक आरोपी ने अपराध छिपाने के लिए परिवार और पुलिस को गुमराह करने की कोशिश की और उसने रिश्तेदारों को बताया कि वह शिल्पा को एसएमआईएमईआर अस्पताल छोड़कर आया था और वह घर नहीं लौटी। उसने पुलिस में मिसिंग रिपोर्ट भी दर्ज कराई है। शिल्पा के पिता प्रदीप कोस्टा, जो छत्तीसगढ़ से सूरत आए थे, कई बार दोनों के बीच मध्यस्थता कर चुके थे। जब शिल्पा का फोन स्विच ऑफ मिला तो शक बढ़ गया। हालांकि मामले का सबसे ड्रामेटिक मोड़ शनिवार को आया, जब दंपति के बेटे ने व्हाट्सएप पर एक रिश्तेदार को पत्र भेजा। इस पत्र में विशाल ने खुद कबूल किया कि शुरुआती सालों में वैवाहिक जीवन शांतिपूर्ण था लेकिन लगातार घरेलू कलह ने उसे अपराध करने पर मजबूर कर दिया। पुलिस ने इसी पत्र के आधार पर पुराने मकान की तलाशी ली और शव बरामद किया। शव पांच दिन पुराना होने के कारण काफी सड़ चुका था। फिलहाल पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है। बता दें शिल्पा सालवी एमएससी की डिग्रीधारी थीं और सूरत के सरकारी एसएमआईएमईआर मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में डाइटिशियन के रूप में काम करती थीं। दंपति की शादी नवंबर 2010 में हुई थी और उनके दो बच्चे हैं। इनमें 13 साल का बेटा और 8 साल की बेटी है। विशाल पहले डायमंड इंडस्ट्री में काम करता था, लेकिन पिछले कुछ सालों से बेरोजगार था, जिसके चलते परिवार में अवसर विवाद होता रहता था। इस घटना ने सूरत में घरेलू हिंसा और मानसिक तनाव को लेकर फिर से सवाल खड़े कर दिए हैं। शिल्पा एक शिक्षित और कामकाजी महिला थीं, जिनका परिवार अब दो नाबालिग बच्चों के भविष्य को लेकर चिंतित है।

तोता जंगली पक्षी, फसल नुकसान पर मुआवजा दे सरकार: हाईकोर्ट

-किसानों को प्रति पेड़ 200 रुपये देने के निर्देश

नागपुर (एजेंसी)। महाराष्ट्र हाईकोर्ट की नागपुर खंडपीठ ने एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा है कि तोता जंगली पक्षी की श्रेणी में आता है, इसलिए उसके द्वारा फसलों को पहुंचाए गए नुकसान की भरपाई राज्य सरकार को करनी होगी। यह मामला किसानों की फसलों, खासकर अनार के पेड़ों को हुए नुकसान से जुड़ा था। अदालत ने स्पष्ट किया कि वन्यजीव संरक्षण कानून के तहत जंगली जीव राज्य की संपत्ति माने जाते हैं, ऐसे में उनके कारण हुए नुकसान की जिम्मेदारी भी राज्य सरकार की होती है। कोर्ट ने संबंधित मामले में प्रति पेड़ 200 रुपये मुआवजा देने का निर्देश दिया है। इस फैसले को किसानों के लिए राहत के रूप में देखा जा रहा है, क्योंकि लंबे समय से जंगली पक्षियों और जानवरों द्वारा फसलों को नुकसान पहुंचाने की शिकायतें सामने आती रही हैं। अब इस निर्णय के बाद किसानों को आर्थिक सहायता मिलने की उम्मीद बढ़ गई है।

जगन्नाथ रथ यात्रा में भीड़ नियंत्रण के लिए सख्ती, कॉर्डन पास होंगे सीमित

भुवनेश्वर (एजेंसी)। पुरी में आयोजित होने वाली प्रसिद्ध जगन्नाथ रथ यात्रा को लेकर इस वर्ष प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था को और कड़ा करने का निर्णय लिया है। ओडिशा सरकार ने भीड़ नियंत्रण के लिए रथों के पास जारी किए जाने वाले कॉर्डन पास की संख्या कम करने का फैसला किया है। ये पास भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और देवी सुभद्रा के रथों के आसपास बनाए गए सुरक्षा घेरे में प्रवेश के लिए दिए जाते हैं। प्रशासन का यह कदम पिछले वर्ष हुई दुखद घटना के मद्देनजर उठाया गया है, जब भारी भीड़ के कारण दबने से तीन श्रद्धालुओं की जान चली गई थी। इस हादसे ने सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े किए थे। अधिकारियों का कहना है कि सीमित पास जारी करने से रथों के आसपास भीड़ कम होगी और आपात स्थिति में राहत एवं बचाव कार्य बेहतर तरीके से किए जा सकेंगे। इसके साथ ही अतिरिक्त पुलिस बल, बैरिकेडिंग और निगरानी के लिए आधुनिक तकनीक का भी उपयोग किया जाएगा, ताकि लाखों श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

आज से राष्ट्रपति मुर्मू पांच दिन के हिमाचल दौरे पर, प्रदेश में सुरक्षा इंतजाम पुख्ता

शिमला (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू सोमवार से पांच दिन के हिमाचल प्रदेश दौरे पर रहेंगी। मुर्मू मंगलवार को शिमला के लोक भवन में राज्यपाल द्वारा आयोजित भोज में शामिल होंगी। बुधवार को राष्ट्रपति मुर्मू अटल सुरंग जाएंगी। वह गुरुवार को पालमपुर स्थित चौधरी सरवन कुमार हिमाचल प्रदेश कृषि विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में भी शामिल होंगी। राष्ट्रपति मुर्मू अगले महीने की पहली तारीख को अपनी यात्रा के अंतिम दिन शिमला स्थित सेना प्रशिक्षण कमान का भी दौरा करेंगी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू सोमवार हिमाचल प्रदेश के छह दिन के दौरे पर शिमला पहुंचीं। वह शिमला से 13 किलोमीटर दूर छराबड़ा स्थित राष्ट्रपति भवन रिट्रीट में ठहरेंगी। शिमला पुलिस ने राष्ट्रपति के दौरे को देखते हुए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए हैं। शिमला शहर से लेकर छराबड़ा तक 1000 पुलिस जवान तैनात किए गए हैं। राष्ट्रपति की सुरक्षा में किसी तरह की चूक न हो, इसके लिए दो दिन से शिमला में रिहर्सल भी की जा रही थी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू अगले छह दिन हिमाचल में ही रुकेंगी। राष्ट्रपति सचिवालय द्वारा जारी कार्यक्रम के मुताबिक वे शिमला, अटल टनल और पालमपुर विश्वविद्यालय जाएंगी। 28 अप्रैल की सुबह वे राष्ट्रपति निवास में आयोजित उद्यान समारोह में शामिल होंगी।

लू का अंत, तूफान की दस्तक: देशभर में बदलेगा मौसम, 9 राज्यों में बारिश-आंधी का अलर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। देशभर में पिछले कई दिनों से जारी भीषण गर्मी और लू के प्रकोप से अब राहत मिलने की उम्मीद है। कई राज्यों में पारा 45 डिग्री सेल्सियस के आसपास पहुंचने के बाद, मौसम विभाग ने आगामी 12 घंटों में तेजी से बदलाव की भविष्यवाणी की है। मौसम विभाग के ताजा अनुमानों के अनुसार, सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ, हवा के रुख में बदलाव और बढ़ती नमी के कारण अगले कुछ दिनों में आंधी, बारिश और तूफान का दौर शुरू होगा। यह मौसमी बदलाव जहां एक ओर तपिश से राहत दिलाएगा, वहीं दूसरी ओर इसके साथ कुछ प्राकृतिक चुनौतियां भी आ सकती हैं, जिनके प्रति लोगों को सतर्क रहने की आवश्यकता है।

भूमध्य सागर से आने वाले वेस्टर्न डिस्टर्बेंस (पश्चिमी विक्षोभ) अब उत्तर भारत में सक्रिय हो चुके हैं। ये मौसमी प्रणालियाँ आमतौर पर गर्मी की लंबी लहरों को तोड़ने में सहायक होती हैं। 27 अप्रैल की शाम से ही इन विक्षोभों का असर दिखना शुरू हो जाएगा और 28 से 30 अप्रैल के बीच इनका प्रभाव और अधिक तीव्र होगा। इस दौरान देश के कई हिस्सों में तेज गर्जना के साथ बारिश, बिजली गिरने और कुछ स्थानों पर ओलावृष्टि की भी संभावना है। हालांकि यह बदलाव गर्मी से राहत देगा, लेकिन तेज हवाएं, ओले और बिजली गिरने की घटनाएं फसलों और जनजीवन को नुकसान पहुंचा सकती हैं। पूर्वी उत्तर प्रदेश और झारखंड के ऊपर बन रहे साइक्लोनिक सर्कुलेशन भी निचले क्षोभमंडल में नमी को बढ़ा रहे हैं, जिससे इन गतिविधियों को बल मिल रहा है। यह पैटर्न प्री-मानसून गतिविधियों का भी संकेत दे रहा है।

दिल्ली-एनसीआर का हाल

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में मौसम का मिजाज दो चरणों में बदलेगा। दिन के समय भीषण गर्मी और लू का प्रकोप जारी रहेगा, अधिकतम तापमान 43 से 45 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। लेकिन शाम होते-होते आसमान में बादल छा जाएंगे और कुछ इलाकों में हल्की बारिश या बूंदाबांदी देखने को मिल सकती है। गरज-चमक के साथ 30 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं और धूल भरी आंधी चलने की भी संभावना है, जिससे दृश्यता कम हो सकती है। लोगों को शाम के समय विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी गई है।

उत्तर प्रदेश और बिहार बदलेगा मौसम

उत्तर प्रदेश में 28 अप्रैल से मौसम पूरी तरह बदलने के संकेत हैं। लखनऊ, कानपुर, वाराणसी और प्रयागराज जैसे बड़े शहरों में आंधी और बारिश की संभावना है। हवाओं की रफ्तार 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंच सकती है, जिससे बिजली आपूर्ति बाधित होने और पेड़ गिरने का खतरा रहेगा। तापमान में 2-3 डिग्री की गिरावट से थोड़ी राहत मिलेगी, लेकिन आकाशीय बिजली का खतरा बना रहेगा। बिहार में भी दोहरी स्थिति देखने को मिलेगी, कुछ हिस्सों में लू जारी रहेगी, जबकि पूर्वी चंपारण, सीतामढ़ी जैसे जिलों में 50-60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाओं के साथ बारिश और ओलावृष्टि का अलर्ट है।

राजस्थान और मध्य प्रदेश में हल्की बारिश

राजस्थान में 27 से 29 अप्रैल के बीच हल्की से मध्यम बारिश और तेज हवाएं चल सकती हैं, जिससे गर्मी से कुछ राहत मिलेगी। हालांकि, पश्चिमी राजस्थान के कुछ इलाकों में लू का असर बना रह सकता है। मध्य प्रदेश में भी इसी अवधि में भोपाल, इंदौर और जबलपुर सहित कई शहरों में आंधी और बारिश का अलर्ट है, जहां गरज-चमक और बिजली गिरने की घटनाएं हो सकती हैं।

पहाड़ी और पूर्वोत्तर राज्यों का मौसम

जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में तेज बारिश, हवाओं और गरज-चमक के साथ बर्फबारी की भी संभावना है, खासकर ऊंचाई वाले इलाकों में। इससे भूस्खलन और यात्रा में बाधा आ सकती है। पूर्वोत्तर भारत, विशेषकर असम, मेघालय और अरुणाचल प्रदेश में 60-70 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाओं के साथ भारी बारिश का अलर्ट है, जिससे बाढ़ जैसी स्थिति और बिजली बाधित होने की आशंका है। दक्षिण भारत में भी केरल, कर्नाटक और तमिलनाडु के कुछ हिस्सों में प्री-मानसून बारिश की उम्मीद है। लोगों को मौसम विभाग की चेतावनी पर ध्यान देने और सुरक्षित रहने की सलाह दी गई है।

राघव चड्ढा बोले- पार्टी बन गई 'टॉक्सिक', भाजपा में शामिल होने के बाद आप पर हमलावर हुए

चंडीगढ़, (एजेंसी)। राघव चड्ढा ने आम आदमी पार्टी छोड़कर भारतीय जनता पार्टी में शामिल होने के बाद पार्टी नेतृत्व पर तीखा हमला बोला है। राज्यसभा सांसद चड्ढा ने अपने पहले वीडियो संदेश में आप को ऊटॉक्सिक वर्क एन्वॉयरमेंटऊ वाली पार्टी बताते हुए आरोप लगाया कि अब यह चंद भ्रष्ट और समझौता करने वाले लोगों के हाथों में सिमट गई है। आप छोड़ भाजपा में शामिल हुए चड्ढा ने कहा कि पार्टी में काम करने और अपनी बात रखने की स्वतंत्रता नहीं रह गई थी। उनके अनुसार, कुछ लोग व्यक्तिगत फायदे के लिए फैसले ले रहे हैं, जिससे पार्टी अपने मूल उद्देश्यों से भटक गई है। उन्होंने यह भी कहा कि वह पार्टी के संस्थापक सदस्यों में से एक रहे हैं, लेकिन अब आप वैसी नहीं रही, जैसी इसे शुरू किया गया था। उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि अगर कुल सात सांसदों ने पार्टी छोड़ी है, तो क्या सभी गलत हो सकते हैं। चड्ढा ने कहा कि उनके सामने तीन विकल्प थे, लेकिन मौजूदा परिस्थितियों को देखते हुए उन्होंने पार्टी छोड़ना ही उचित समझा। इस बीच सोमवार को राज्यसभा ने आप के सात सांसदों के बीजेपी में विलय को मंजूरी दे दी है। इसके साथ ही राघव चड्ढा, अशोक मित्तल, विक्रमजीत साहनी, हरभजन सिंह, डॉ. संदीप पाठक, स्वाति मालीवाल और राजिंदर गुप्ता अब आधिकारिक रूप से भाजपा के सांसद बन गए हैं। इस घटनाक्रम के बाद राज्यसभा में भाजपा की ताकत बढ़कर 113 सांसदों तक पहुंच गई है, जो संसद के उच्च सदन में पार्टी की स्थिति को और मजबूत करता है।

ट्रंप पर हमले की कोशिश पर भारत में सियासी उबाल, कांग्रेस विधायक ने कहा- ये तो होना ही था

मुंबई (एजेंसी)। अमेरिका की राजधानी वॉशिंगटन में आयोजित व्हाइट हाउस संवाददाताओं के वार्षिक रात्रिभोज के दौरान पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर हुई गोलीबारी की घटना ने दुनिया भर को चौंका दिया है। इस अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रम के बीच भारत में महाराष्ट्र से कांग्रेस विधायक विजय वडेट्टीवार के एक विवादित बयान ने राजनीतिक गलियारों में हलचल तेज कर दी है। वडेट्टीवार ने ट्रंप पर हुए हमले को जैसी करनी वैसी भरनी करार देते हुए कहा कि उन पर गोलियां चलनी ही थीं।

कांग्रेस विधायक ने मीडिया से बात करते हुए आरोप लगाया कि ट्रंप दुनिया में अपना दबदबा बनाना चाहते थे और दूसरे देशों को अस्थिर करने की कोशिश कर रहे थे। उन्होंने भारत की स्थिति की तुलना करते हुए कहा कि यहां भी लोगों की भावनाएं कुछ ऐसी ही हैं। वडेट्टीवार के मुताबिक, चूंकि भारत में लोग अभी बाहर नहीं आ रहे हैं, इसलिए यह भ्रम बना हुआ है कि सब ठीक है, लेकिन जनता के मन में यह भावना घर कर गई है कि देश को तबाह किया जा रहा है। हालांकि, उन्होंने अपने बयान में किसी का नाम नहीं लिया, लेकिन घटना की निंदा करते हुए यह भी जोड़ दिया कि उच्च पद पर बैठे व्यक्ति के साथ ऐसा नहीं होना चाहिए था।

उधर, अमेरिका में हुई इस घटना के विस्तृत ब्योरे सामने आए हैं। शनिवार रात करीब 8ः34 बजे जब वॉशिंगटन हिल्टन में मेहमानों को रात्रिभोज परोसा जा रहा था, तभी अचानक गोलीबारी की आवाज सुनाई दी। उस वक्त ट्रंप एसोसिएशन की अध्यक्ष वेइजिया जियांग और मेंटलिस्ट ओज पर्लमैन के साथ बातचीत कर रहे थे। स्थिति भांपते ही खुफिया सेवा (सीक्रेट सर्विस) के जवानों ने तुरंत सुरक्षा घेरा बनाया और राष्ट्रपति ट्रंप, प्रथम महिला मेलानिया ट्रंप, उपराष्ट्रपति जे.डी. वेंस और उषा वेंस को सुरक्षित बाहर निकाला। बाद में एक संवाददाता सम्मेलन में ट्रंप ने बताया कि सुरक्षाकर्मियों ने कैलिफोर्निया के एक संदिग्ध को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की पहचान 31 वर्षीय कोल टॉमस एलन के रूप में हुई है। जांच में सामने आया है कि एलन ट्रेन से कैलिफोर्निया से वॉशिंगटन आया था और समारोह वाले होटल में ही ठहरा था। ट्रंप ने कहा कि आरोपी प्रशासन के अधिकारियों को निशाना बनाना चाहता था और उसके परिवार ने पहले ही सुरक्षा एजेंसियों को उसकी संदिग्ध गतिविधियों के बारे में सूचित किया था। आरोपी को सोमवार को अमेरिकी न्याय विभाग के समक्ष आपराधिक आरोपों का सामना करना पड़ेगा।

न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता पर नहीं रहा केजरीवाल को भरोसा कहा- अब सत्याग्रह के मार्ग पर चलूंगा

बेंगलुरु (एजेंसी)। नई दिल्ली,(ईएमएस)। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली हाई कोर्ट की न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा को एक बेहद भावुक और कड़ा पत्र लिखकर न्यायिक प्रक्रिया से खुद को अलग करने का ऐलान किया है। केजरीवाल ने अपने पत्र में स्पष्ट रूप से कहा है कि जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा की अदालत से अब उन्हें न्याय मिलने की कोई उम्मीद नहीं बची है, इसलिए उन्होंने अपनी अंतरात्मा की आवाज सुनते हुए राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के सत्याग्रह के मार्ग पर चलने का निर्णय लिया है।

केजरीवाल ने अपने पत्र में एक बड़ा कदम उठाते हुए घोषणा की है कि वह अब इस मामले में न तो व्यक्तिगत रूप से अदालत के समक्ष पेश होंगे और न ही अपने वकीलों के माध्यम से कोई पेशी कराएंगे। हालांकि, उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि वह अदालत की कार्यवाही का हिस्सा नहीं बनेंगे, लेकिन जस्टिस स्वर्ण कांता के किसी भी फैसले के खिलाफ ऊपरी अदालत में अपील करने का अपना कानूनी अधिकार सुरक्षित रखेंगे। उन्होंने कहा कि आवश्यकता पड़ने पर वह न्याय के लिए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा अवश्य खटखटाएंगे।

बता दें कि बीते 20 अप्रैल को जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा की अदालत ने आबकारी नीति मामले की सुनवाई से खुद को अलग करने से इनकार करते हुए आम आदमी पार्टी के प्रमुख अरविंद केजरीवाल और अन्य लोगों की ओर से दायर याचिका को खारिज कर दिया। एक घंटे से अधिक समय तक हुई सुनवाई में न्यायमूर्ति शर्मा ने कहा कि किसी भी वादी को बिना किसी सबूत के न्यायाधीश पर फैसला करने की अनुमति नहीं दी जा सकती है, और न्यायाधीश किसी वादी के पूर्वाग्रह के निराधार डर को दूर करने के लिए खुद को मामले से अलग नहीं कर सकते हैं। इससे पहले, केजरीवाल ने अदालत में स्वयं जिरह करते हुए न्यायाधीश पर गंभीर आरोप लगाए थे। उन्होंने दावा किया था कि न्यायाधीश कथित तौर पर एक विशेष विचारधारा से जुड़े कार्यक्रमों में शामिल रही हैं, जिससे उन्हें डर है कि उनके साथ निष्पक्ष न्याय नहीं होगा। इसके अलावा, अदालत ने केजरीवाल की जिरह से जुड़े एक वायरल वीडियो को भी सोशल मीडिया से तुरंत हटाने के निर्देश दिए हैं। इस मामले में केजरीवाल के साथ-साथ कुछ अन्य नेताओं और पत्रकारों के खिलाफ भी जनहित याचिका दायर की गई थी, जिस पर हाई कोर्ट ने कड़ा रुख अपनाया है। केजरीवाल के इस सत्याग्रह वाले फैसले ने अब कानूनी और राजनीतिक गलियारों में एक नई बहस छेड़ दी है।

मायावती ने तीन बड़े नेताओं को पार्टी से निकाला, बसपा में मची हलचल

लखनऊ(एजेंसी)। यूपी विधानसभा चुनाव से पहले बसपा सुप्रीमो मायावती के एक फैसले से पार्टी में उथल-पुथल मची दी है। मायावती ने पार्टी के तीन वरिष्ठ नेताओं को बाहर का रास्ता दिखा दिया है। ऐसे में जब फरवरी 2027 में चुनाव होने है मायावती के इस फैसले से बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं में असंतोष है। मायावती ने जिन तीन नेताओं को पार्टी से बाहर किया है, उनका पश्चिम यूपी में अच्छा दबदबा है। जानकारों का कहना है कि इस फैसले से विशेष रूप से पश्चिमी यूपी में बसपा की पकड़ कमजोर हो सकती है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मायावती ने जिन तीन नेताओं को बाहर किया है, उसमें धर्मवीर अशोक, जयप्रकाश और सरफराज रैन शामिल हैं। धर्मवीर अशोक बहुजन समाज पार्टी के संस्थापक कांशी राम के करीबी साथियों में गिने जाते थे। मायावती ने उन्हें कई राज्यों में जिम्मेदारी दी थी। पश्चिमी यूपी सहित कई इलाकों में उनकी अच्छी पकड़ और लोकप्रियता थी। कहा जा रहा है कि उनका अचानक पार्टी से निकाला जाना कार्यकर्ताओं को रास नहीं आ रहा है। उसी तरह जयप्रकाश काफी समय बाद बसपा में वापस लौटे थे और पश्चिमी यूपी में युवाओं को पार्टी से जोड़ने का काम कर रहे थे। एक वरिष्ठ पार्टी पदाधिकारी को पश्चिमी यूपी के मंडल का अतिरिक्त प्रभार दिए जाने से जुड़े विवाद के चलते उन पर कार्रवाई हुई। वहीं सरफराज रैन भी टिकट वितरण और संगठन से जुड़े कामों में सक्रिय थे। इन तीनों नेताओं की बर्खास्तगी से पार्टी की चुनावी तैयारियों पर असर डाल सकती है।

सात सांसदों के आने से बढ़ेगी राज्यसभा में एनडीए की ताकत, लेकिन संवैधानिक संशोधनों के लिए अभी भी संख्या कम

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी के 7 राज्यसभा सांसदों के बीजेपी में शामिल होने के बाद विपक्ष के लिए मुश्किलें खड़ी होती नजर आ रही हैं। राघव चड्ढा और संदीप पाठक के नेतृत्व में इन सांसदों ने अयोग्यता का सामना किए बिना बीजेपी में विलय के लिए आवश्यक जादुई दो-तिहाई बहुमत पा लिया। इस बीच अब इस उलटफेर से राज्यसभा में एनडीए और बीजेपी का समीकरण मजबूत होता दिख रहा है।

बड़े पैमाने पर सांसदों के इस्तीफे से पहले, राज्यसभा में भाजपा की संख्या करीब 106 थी, जबकि एनडीए के पास करीब 121 सदस्य थे। राघव चड्ढा, संदीप पाठक, स्वाति मालीवाल, हरभजन सिंह, अशोक मित्तल, विक्रम साहनी और राजेंद्र गुप्ता सहित आप सेवन के शामिल होने से भाजपा की व्यक्तिगत संख्या बढ़कर 113 हो गई है। इसमें महत्वपूर्ण बात यह है कि एनडीए की कुल सीटों की संख्या बढ़कर 128 हो गई है। 243 सदस्यों वाली सदन में बहुमत के लिए 122 सीटों की जरुरत है। 128 सीटों के साथ एनडीए को साधारण बहुमत आसानी से मिल जाएगा। यह एक ऐतिहासिक बदलाव है; कांग्रेस के एकदलीय वर्चस्व के युग के बाद पहली बार सत्ताधारी गठबंधन को विवादास्पद सामान्य कानूनों को पारित करने के लिए तटस्थ क्षेत्रीय दलों पर निर्भर रहने की आवश्यकता नहीं है।

हालांकि साधारण बहुमत रोजमर्रा के शासन के लिए बड़ी जीत है, लेकिन भारतीय संसदीय शक्ति का सबसे महत्वपूर्ण लक्ष्य संवैधानिक संशोधनों के लिए आवश्यक दो-तिहाई बहुमत है। 245 सदस्यों वाले पूर्ण सदन के लिए, यह अति-बहुमत 164 वोटों का है। आम आदमी पार्टी के सांसदों के दल-बदल से मिली अप्रत्याशित जीत के बावजूद, एनडीए को इस लक्ष्य से 36 सीटें कम रहेगी। इस अंतर का अर्थ यह है कि जहां सरकार अब सामान्य विधेयकों को आसानी से पारित कर सकती है, वहीं एक राष्ट्र, एक चुनाव ढांचा या परिसीमन प्रक्रिया में औपचारिक बदलाव जैसे बड़े संरचनात्मक परिवर्तनों के लिए भाजपा को अभी भी गुटनिरपेक्ष दलों के साथ संबंध सुधारने होगा या भविष्य के द्विवार्षिक चुनावों का इंतजार करना होगा।

आंध्र प्रदेश में ईंधन संकट को लेकर मुख्यमंत्री नायडू ने की समीक्षा बैठक

-अफरा-तफरी में की जा रही खरीदारी से बढ़ी मांग, स्थिति चिंताजनक

अमरावती (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने राज्य में पेट्रोल और डीजल की उपलब्धता को लेकर उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। हाल के दिनों में ईंधन की भारी मांग और अफरा-तफरी में की जा रही खरीदारी के चलते राज्य के कई पेट्रोल पंपों पर आपूर्ति बाधित हुई है, जिससे स्थिति चिंताजनक बन गई है। अधिकारियों के अनुसार, ईंधन की आपूर्ति में लगभग 10 प्रतिशत की वृद्धि की गई है, लेकिन इसके बावजूद अचानक बढ़ी मांग के कारण बिक्री में असामान्य उछाल दर्ज किया गया है। इस वजह से कई बिक्री केंद्रों पर पेट्रोल और डीजल का स्टॉक तेजी से खत्म हो रहा है और कुछ पंपों को अस्थायी रूप से बंद करना पड़ा है। बैठक में अधिकारियों ने बताया कि अफवाहों और संभावित कमी की आशंका के चलते लोग बड़ी मात्रा में ईंधन खरीद रहे हैं, जिससे स्थिति और बिगड़ रही है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि आपूर्ति व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए तत्काल प्रभाव से अतिरिक्त कदम उठाए जाएं और आम जनता में किसी भी प्रकार की घबराहट न फैलने दी जाए।

मछुआरों को डीजल उपलब्ध कराने में आई कठिनाई

समीक्षा के दौरान मत्स्य पालन क्षेत्र में ईंधन आपूर्ति को लेकर भी विशेष चिंता जताई गई। इस क्षेत्र में डीजल की खपत अधिक होती है और आमतौर पर इसे ड्रमों में खरीदा जाता है। वर्तमान स्थिति के कारण मछुआरों को डीजल उपलब्ध कराने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है, जिससे उनकी आजीविका प्रभावित हो सकती है।

ईंधन आपूर्ति सुनिश्चित करने दिए निर्देश

मुख्यमंत्री नायडू ने संबंधित विभागों को निर्देश दिया कि वे मत्स्य पालन और अन्य आवश्यक सेवाओं को प्राथमिकता देते हुए ईंधन की आपूर्ति सुनिश्चित करें। साथ ही, उन्होंने कहा कि राज्य सरकार स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है और आवश्यकतानुसार अतिरिक्त आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं, ताकि आम जनता और प्रमुख क्षेत्रों को किसी प्रकार की परेशानी न हो।

क्या पूर्व पीएम शेख हसीना के प्रत्यर्पण पर विचार कर रही भारत सरकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश की पूर्व पीएम शेख हसीना ने अगस्त 2024 से भारत में शरण ली हुई है, जब बांग्लादेश में विरोध प्रदर्शनों के चलते उनकी सरकार गिर गई थी। इसके बाद बांग्लादेश और भारत के रिश्ते तनावपूर्ण हुए, जिसकी एक अहम वजह शेख हसीना थी। बांग्लादेश ने भारत से शेख हसीना के प्रत्यर्पण की मांग की, लेकिन दिल्ली ने उस मांग को अनसुना कर दिया। बांग्लादेश में इस साल तारिक रहमान के नेतृत्व में बीएनपी की सरकार बनने के बाद भारत ने 17 अप्रैल को माना है कि शेख हसीना के प्रत्यर्पण के अनुरोध पर विचार हो रहा है।

रिपोर्ट कहती है कि शेख हसीना के प्रत्यर्पण के लिए ढाका के अनुरोध की समीक्षा करने पर भारत की सहमति लचीलेपन का संकेत दे रही है। जानकारों का कहना है कि इसका मतलब यह नहीं है कि नई दिल्ली ने शेख हसीना को ढाका को सौंपने की तैयारी कर ली है। हालांकि यह घोषणा भारत के पहले के टालमटोल वाले रवैये से बड़ा बदलाव है। इसमें दिल्ली की ढाका से बेहतर रिश्ते की कोशिश दिखती है।

जानकार कहते हैं, भारत का शेख हसीना के प्रत्यर्पण अनुरोध की समीक्षा अभी केवल प्रक्रियात्मक भाषा है। सरकारें अक्सर बिना पक्का वादा किए अपनी खुलेपन की भावना को दिखाने के लिए भाषा का इस्तेमाल करती हैं। यह लचीला रुख दिखाता है लेकिन इसका यह मतलब बिल्कुल नहीं है कि भारत उन्हें सौंपने के लिए तैयार है। एक अन्य जानकार ने कहा कि हसीना का प्रत्यर्पण कानूनी नहीं बल्कि राजनीतिक मुद्दा है। इसलिए इस द्विपक्षीय बातचीत के माध्यम से ही सुलझाया जाना चाहिए। भारत ने यह संकेत दिया है कि वह दोनों देशों के बीच मौजूद कुछ राजनीतिक मुद्दों को राजनीतिक तरीके से ही सुलझाना चाहता है।

बांग्लादेश प्रत्यर्पण अधिनियम 1962 के तहत भारत को औपचारिक अनुरोध भेजेगा। दिल्ली के इस अनुरोध की समीक्षा करने के बाद अदालत यह जांच करेगी कि क्या इस मामले में कोई वैध कानूनी आधार है। हसीना अदालत में इस अनुरोध को चुनौती भी दे सकती हैं। भारत का लंबे समय का लक्ष्य हसीना की अवामी लीग को फिर से मजबूत करना था और इस कोशिश में पार्टी की नेता ने अहम भूमिका निभाई। हसीना को ढाका के हवाले कर दिया जाता है, तब इसका सीधा मतलब अवामी लीग का खात्मा होगा। हसीना दिल्ली के लिए एक रणनीतिक संपत्ति बनी रह सकती हैं। हसीनी खासतौर से तब भारत के लिए अहम होंगी, जब बीएनपी सरकार के भारत-विरोधी रवैया अपनाने की कोशिश करेगी। शेख हसीना 1981 से अवामी लीग की अध्यक्ष रही हैं। उनके नेतृत्व में पार्टी ने 2009 से लेकर 2024 में उन्हें सत्ता से हटाए जाने तक लगातार शासन किया।

14 किलो से अधिक अवैध डोडा चूरा जब्त, एक गिरफ्तार

नाकाबंदी देख तस्कर ने कार को यू-टर्न लेकर भगाने का किया प्रयास, पीछा कर पुलिस ने दबोचा

स्मार्ट हलचल|मांडलगढ़

भीलवाड़ा पुलिस ने अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ अपना अभियान तेज कर दिया है। इसी क्रम में मंगलवार (28 अप्रैल) को जिला विशेष टीम और मांडलगढ़ थाना पुलिस ने एक संयुक्त कार्रवाई को अंजाम देते हुए एक स्विफ्ट कार से 14.720 किलोग्राम अवैध डोडा चूरा बरामद किया है। पुलिस ने तस्करी के आरोप में चित्तौड़गढ़ जिले के एक युवक को गिरफ्तार कर परिवहन में प्रयुक्त कार को जब्त कर लिया है।

पेट्रोल पंप के पास नाकाबंदी,

पुलिस को देख भागने लगा तस्कर

जिला पुलिस अधीक्षक धर्मेन्द्र सिंह के निर्देशानुसार नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। जानकारी के अनुसार, डीएसटी प्रभारी अशोक कड़वा को सूचना मिली कि एक ग्रे रंग की स्विफ्ट कार काटून्दा मोड़ से लाडपुरा की तरफ आ रही है, जिसमें संदिग्ध सामग्री हो सकती है। इस सूचना पर मांडलगढ़ थानाधिकारी घनश्याम मीणा ने जाब्ते के साथ श्रीजी पेट्रोल पंप, रात्याखेड़ा के पास नाकाबंदी शुरू की।

नाकाबंदी के दौरान जब संदिग्ध स्विफ्ट कार वहां पहुंची, तो थानाधिकारी ने उसे रुकने का इशारा किया। पुलिस को सामने देख चालक ने कार को यू-टर्न लेकर वापस भगाने का प्रयास किया। पुलिस टीम ने मुस्तैदी दिखाते हुए कार का पीछा किया और सरहद रामपुरिया धाकड़खेड़ी रोड पर उसे घेरकर रोक लिया।

कार रोकने के बाद जब चालक से पूछताछ की गई, तो उसने अपना नाम रतन लाल मीणा (33) पुत्र गोपी लाल मीणा, निवासी शिवपुरा (थाना पारसोली, जिला चित्तौड़गढ़) बताया। चालक द्वारा संतोषजनक जवाब नहीं देने पर पुलिस ने कार की सघन तलाशी ली। तलाशी के दौरान कार में काले रंग का एक कट्टा मिला, जिसमें 14.720 किलोग्राम अवैध डोडा चूरा भरा हुआ था।

पुलिस ने अवैध मादक पदार्थ और स्विफ्ट कार को जब्त कर लिया है। मांडलगढ़ थाने में आरोपी रतन लाल मीणा के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/15 के तहत प्रकरण संख्या 102/2026 दर्ज किया गया है। पुलिस अब इस तस्करी के पीछे के मुख्य नेटवर्क और माल की आपूर्ति के बारे में जांच कर रही है।

इस टीम का नेतृत्व थानाधिकारी घनश्याम मीणा ने किया। टीम में मांडलगढ़ थाने से सउनि रामसिंह, कांस्टेबल हाकिम सिंह, महेंद्र, चालक गोपाल लाल व अनिल कुमार शामिल रहे। वहीं, डीएसटी से सउनि अशोक कड़वा, कांस्टेबल गोपाल राम, शंकरलाल, कन्हैयालाल और कमल कुमार का विशेष योगदान रहा।

उद्घाटन से पहले ही 'पिंक टॉयलेट' पर अतिक्रमण? निगम की लापरवाही या सिस्टम फेल?

महिलाओं की सुविधा बना मजाक? जिम्मेदार कब जागेंगे, अतिक्रमण पर कब लगेगी रोक?

स्मार्ट हलचल|भीलवाड़ा

नगर निगम द्वारा महिलाओं की सुविधा के लिए प्राइवेट बस स्टैंड पर बनाया गया 'पिंक टॉयलेट' उद्घाटन से पहले ही अतिक्रमण की चपेट में आ गया है–आखिर जिम्मेदार कौन?

टॉयलेट के आसपास केबिन, बसे, ठेले-खोमचे और अस्थायी कब्जों के कारण वहां पहुंचना मुश्किल हो गया है। सवाल उठता है कि जब उपयोग ही नहीं हो पाएगा तो इस सुविधा का औचित्य क्या रह जाएगा?

निगम की निगरानी कहां गई?

क्या नगर निगम को अतिक्रमण दिख नहीं रहा या फिर जानबूझकर अनदेखी की जा रही है? लाखो करोड़ों की योजनाओं का यही हश्र होना था?

क्षेत्रवासियों का कहना है कि अगर जल्द अतिक्रमण नहीं हटाया गया तो यह सुविधा सिर्फ कागजों में ही रह जाएगी। अब बड़ा सवाल–क्या निगम समय रहते जागेगा या महिलाओं की यह जरूरी सुविधा यूं ही अतिक्रमण में घुटती रहेगी?

4 करोड़ का गबन: सबूत होने के बावजूद आरोपी आजाद?

कपड़ा कारोबारियों का फूटा गुस्सा—पुलिस पर ढिलाई के आरोप, कार्रवाई नहीं तो आंदोलन की चेतावनी

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। प्रतापनगर थाना क्षेत्र में सामने आए करीब 4 करोड़ रुपये के गबन मामले ने पुलिस कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। कपड़ा कारोबारी फर्म मान्यवर सिल्क मिल और फैशन क्यू टेक्स प्रा. लि. के संचालकों ने प्रेस वार्ता कर आरोप लगाया कि पुख्ता सबूत होने के बावजूद आरोपी अब तक खुले घूम रहे हैं।

फर्म संचालक मुकेश जागेटिया, पंकज पारीक और विकास राठी ने बताया कि वर्ष 2024 में दर्ज रिपोर्ट के अनुसार, फर्म में कार्यरत कर्मचारियों ने नकली बिल बुक, रसीदें और फर्जी दस्तावेज तैयार कर कपड़े बेच दिए और रकम अपने निजी खातों में जमा कर ली। इस सुनियोजित धोखाधड़ी से करीब 4 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ।

थानों से लेकर आईजी तक—फिर भी खाली हाथ

पीड़ित पक्ष का कहना है कि वे सैकड़ों बार

थाने, पुलिस अधीक्षक और आईजी कार्यालय के चक्कर लगा चुके हैं, लेकिन अब तक न तो आरोपियों की गिरफ्तारी हुई और न ही एक रुपया बरामद हो पाया।

6 इंस्पेक्टर बदले, कार्रवाई फिर भी ठंडी:-

मामले की जांच अब तक 6 पुलिस निरीक्षकों और 2 उपाधीक्षकों के हाथों से गुजर चुकी है, लेकिन नतीजा शून्य रहा। पीड़ितों ने आरोप लगाया कि तीन दर्जन से अधिक संदिग्ध बैंक खातों को भी अब तक फ्रीज नहीं किया गया।

कई नाम सामने, फिर भी कार्रवाई नहीं

प्रेस वार्ता में अशोक बोहरा, सहित आधा दर्जन लोगों पर इस घोटाले में शामिल होने के आरोप लगाए गए हैं।

कोर्ट की फटकार भी बेअसर?

पीड़ितों का दावा है कि न्यायालय द्वारा कई बार फटकार लगाए जाने के बावजूद पुलिस ने प्रभावी कदम नहीं उठाए, जिससे मामले में देरी और बढ़ गई है।

गिरफ्तारी नहीं तो आंदोलन तय:-

पीड़ित पक्ष ने आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी, संदिग्ध बैंक खातों की जांच, बेनामी संपत्तियों को सीज करने और जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग की है। साथ ही चेतावनी दी है कि जल्द कार्रवाई नहीं होने पर बड़ा आंदोलन किया जाएगा।

यूएनजीए अध्यक्ष की नई दिल्ली यात्रा से मिलेगी भारत-यूएन संबंधों को मजबूती

स्मार्ट हलचल|नई दिल्ली

संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) के 80वें सत्र की अध्यक्ष एनालेना बेयरबॉक से विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने मुलाकात की। यह मुलाकात बेयरबॉक की भारत की आधिकारिक यात्रा के दौरान हुई, जिसमें वैश्विक मुद्दों और बहुपक्षीय सहयोग पर चर्चा की गई।

भारतीय विदेश मंत्री के साथ बेयरबॉक की चर्चा मुख्य तौर पर संयुक्त राष्ट्र सुधार (यूएन80), सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी), आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के प्रभावों और पश्चिम एशिया संघर्ष पर केंद्रित रही। यह बैठक भारत-संयुक्त राष्ट्र संबंधों को मजबूत करने पर केंद्रित थी। इस दौरान डॉ. जयशंकर ने समकालीन वास्तविकताओं को प्रतिबिंबित करने के लिए सुधारित बहुपक्षवाद और ग्लोबल साउथ की

आवाज पर जोर दिया।

विदेश मंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर बैठक की कुछ तस्वीरें साझा करते हुए लिखा आज दोपहर नई दिल्ली में संयुक्त राष्ट्र महासभा के 80वें सत्र की अध्यक्ष एनालेना बेयरबॉक की मेजबानी करना मेरे लिए अत्यंत हर्ष का विषय रहा। हमने यूएन80, एसडीजी, एआई के प्रभावों और पश्चिम एशिया संघर्ष पर चर्चा की। उन्होंने आगे कहा हमने एक ऐसे सुधारित बहुपक्षवाद की आवश्यकता पर जोर दिया, जो आज की वास्तविकताओं, विशेष रूप से 'ग्लोबल साउथ' की वास्तविकताओं, को परिलक्षित करता हो। उनके नेतृत्व और योगदान के लिए हमने उनका आभार व्यक्त किया।

बेयरबॉक विदेश मंत्री डॉ. जयशंकर के निमंत्रण पर नई दिल्ली पहुंची थीं। उनके आगमन पर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा बेयरबॉक का भारत की अपनी आधिकारिक यात्रा पर हार्दिक स्वागत है। यह यात्रा संयुक्त राष्ट्र के साथ भारत की अटूट प्रतिबद्धता की पुनः पुष्टि करती है।

विदेश मंत्री से मुलाकात से पहले बेयरबॉक ने सुबह राजघाट पर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद उन्होंने इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के प्रतिनिधियों के साथ एआई के संचालन और विनियमन पर आयोजित एक संवाद सत्र में भी हिस्सा लिया। इस दौरान बेयरबॉक ने भारत के एआई गवर्नेंस मॉडल और रेगुलेशन फ्रेमवर्क को समझने में रुचि दिखाई।

इस अवसर डॉ. जयशंकर ने एक बार फिर ग्लोबल साउथ (गरीब एवं विकासशील देश) के प्रति भारत की मजबूत प्रतिबद्धता की पुष्टि की। उन्होंने रेखांकित किया कि एआई तकनीक का लाभ सभी देशों, विशेष रूप से ग्लोबल साउथ को मिलना चाहिए, ताकि कोई भी पीछे न रहे।

30 अप्रैल से प्रथम सनाढ्य आदिगौड़ सामूहिक विवाह महोत्सव

स्मार्ट हलचल| कोटा

सामाजिक सरोकारों को सशक्त दिशा देते हुए आध्या सेवार्थ सोसायटी के तत्वावधान में प्रथम सनाढ्य आदिगौड़ सामूहिक निःशुल्क कन्या विवाह महोत्सव का आयोजन 30 अप्रैल एवं 1 मई को किया जाएगा। दो दिवसीय इस महोत्सव में विवाह से जुड़ी सभी रस्में पारंपरिक विधि-विधान के साथ संपन्न होंगी।

उर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने विवाह महोत्सव के आमंत्रण पत्र स्वीकार करते हुए नवदंपतियों को शुभकामनाएं दीं और सामूहिक विवाह जैसे आयोजनों को समाज की वर्तमान आवश्यकता बताया।

महोत्सव संयोजक लोकेश शर्मा ने बताया कि आयोजन के तहत आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की कन्याओं का विवाह पूर्णतः निःशुल्क कराया जाएगा, जिससे सामाजिक समरसता को भी मजबूती मिलेगी। सोसायटी की अध्यक्ष शालू शर्मा ने कहा कि सभी वैवाहिक कार्यक्रम परंपरागत रीति-रिवाजों के अनुरूप आयोजित किए जाएंगे।

कोषाध्यक्ष प्रियांशु शर्मा के अनुसार 30 अप्रैल को प्रातः 8 बजे गणेश पूजन, 11 बजे हल्दी-मेहंदी तथा सायं 5 बजे संगीत कार्यक्रम होगा। वहीं 1 मई को प्रातः 8 बजे निकासी, 10 बजे तोरण, 11 बजे आशीर्वाद समारोह, दोपहर 1 बजे पाणिग्रहण संस्कार एवं 3 बजे विदाई समारोह आयोजित किया जाएगा।

यह आयोजन समाज में सहयोग, समरसता और सेवा की भावना को प्रोत्साहित करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है।

भीलवाड़ा में 4747 गैंग का सरगना और 10 हजार का इनामी पूरण गुर्जर गिरफ्तार, 23 मुकदमों का है आरोपी

अवैध हथियारों के खिलाफ पुलिस की बड़ी चोट: एक अन्य कार्रवाई में 19 वर्षीय युवक भी पिस्टल सहित धराया

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

जिले में अवैध हथियारों की तस्करी और अपराधों पर नकेल कसने के लिए पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस अधीक्षक धर्मेन्द्र सिंह के निर्देशन में चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत पुर थाना पुलिस और डीएसटी (छ्रस्ट) ने संयुक्त रूप से दो अलग-अलग कार्रवाइयों को अंजाम दिया। पुलिस ने हथियारों की सप्लाई करने वाले '4747 गैंग' के सरगना और 10 हजार रुपये के इनामी बदमाश पूरण गुर्जर को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं, एक अन्य मामले में पिस्टल लेकर घूम रहे 19 वर्षीय एक युवक को भी दबोचा गया है।

पहली कार्रवाई: 10 हजार का इनामी सरगना पूरण गुर्जर गिरफ्तार

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (सहाड़ा) बुद्धराज खटीक और वृत्ताधिकारी (मांडल) राहुल जोशी के सुपरविजन में पुर थानाधिकारी कन्हैया लाल के नेतृत्व में टीम ने इस बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया।

क्या था पूरा मामला: दिनांक 22 मार्च 2026 को डीएसटी के कांस्टेबल राकेश भंडारी की सूचना पर पुलिस ने एक अल्टो कार से कैलाश चंद्र जाट (निवासी गाडरी मोहल्ला रुपाहेली) को 2 पिस्टल और 4 जिंदा कारतूस के साथ पकड़ा था। पूछताछ में कैलाश ने बताया कि उसे ये हथियार भैरू लाल उर्फ भैरू झोपड़ा ने दिए थे। पुलिस ने भैरू झोपड़ा को गिरफ्तार किया, तो उसने खुलासा किया कि हथियारों की यह सप्लाई उसे पूरण गुर्जर ने की थी।

23 मुकदमों का है हार्डकोर अपराधी: आरोपी पूरण (32) पुत्र लादू लाल गुर्जर (निवासी नागा का बाडिया, थाना करेड़ा) करेड़ा थाने का हार्डकोर अपराधी है और उस पर पूर्व में 23 गंभीर प्रकरण दर्ज हैं। वह 4747 गैंग का सरगना है और शातिर प्रवृत्ति का होकर पुलिस से छिपकर फरारी काट रहा था। पुलिस अधीक्षक ने उसकी गिरफ्तारी पर 10,000 रुपये का इनाम घोषित किया था। आखिरकार डीएसटी और पुर पुलिस ने मानवीय आसूचना और तकनीकी मदद से उसे गिरफ्तार कर लिया।

दूसरी कार्रवाई: कच्ची बस्ती के पास युवक पिस्टल सहित गिरफ्तार

हथियारों के खिलाफ दूसरी कार्रवाई पुर थाने के सउनि शिवराज सिंह ने की। 27 अप्रैल 2026 को गश्त के दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि कच्ची बस्ती के पास बोरड़ा गांव जाने वाले रास्ते पर एक युवक बैठा है, जिसके पास हथियार हो सकता है। पुलिस ने तुरंत मौके पर पहुंचकर संदिग्ध युवक शाहिद खान पठान उर्फ चिन्टु (19) पुत्र गुलाम मोहम्मद पठान (निवासी पानी की टंकी के पास नई आबादी, पुर) को पकड़ लिया। तलाशी में उसके पास से एक अवैध पिस्टल बरामद हुई। पुलिस ने आर्म्स एक्ट की धारा 9/25 के तहत मुकदमा दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

ऊपरमाल मे धाकड़ समाज का सामूहिक विवाह सम्मेलन संपन्न

स्मार्ट हलचल

बिजौलियाँ। आदर्श धाकड़ विद्यापीठ सीनियर सेकंडरी स्कूल प्रांगण में आयोजित धाकड़ समाज के 27 वें सामूहिक विवाह सम्मेलन में 52 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे। इस अवसर पर आयोजित प्रतिभा एवं भामाशाह सम्मान समारोह में 44 प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। पूर्व जिला प्रमुख इंजी. कन्हैया लाल धाकड़ तथा विवेक सुषमा धाकड़ स्मृति चैरेटीबल ट्रस्ट की चेयरमैन दीपशिखा धाकड़ द्वारा प्रात 7.30 बजे भूमि पूजन तथा 9.15 बजे ध्वजा रोहण के साथ सम्मेलन की शुरूआत हुई। आशीर्वाद समारोह के दौरान मुख्य अतिथि पूर्व जिला प्रमुख इंजी. कन्हैयालाल धाकड़ ने कहा कि जिस समाज ने अपने बच्चों को क्वालिटी की शिक्षा देने के साथ ही समाज के विवाह समारोहों में होने वाले फिजूल खर्च को रोक कर सामूहिक विवाह सम्मेलन शुरू करने के साथ ही समाज में व्याप्त कुरीतियों को खत्म कर दिया हैं उस समाज का आर्थिक, सामाजिक, शैक्षणिक तथा राजनीतिक विकास को कोई रोक नहीं सकता। इस अवसर पर श्रीधाकड़ महासभा के राजस्थान प्रदेशाध्यक्ष इन्द्र सिंह मंडलोई, श्री धाकड़ महासभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष भूपेन्द्र नागर के साथ ही अनेक जनप्रतिनिधि, समाज के पदाधिकारि व बड़ी संख्या समाजजन मौजूद रहे।

सुवाणा ग्राम विकास अधिकारी संघ के अध्यक्ष बने विनोद कुमार

अशोक सामतानी उपाध्यक्ष चुने गए, कार्यकारिणी का हुआ गठन

स्मार्ट हलचल

गुरला। राजस्थान ग्राम विकास अधिकारी संघ, जयपुर की उपशाखा सुवाणा, भीलवाड़ा के चुनाव संपन्न हुए। इसमें विनोद कुमार तोषनीवाल को अध्यक्ष चुना गया। चुनाव निर्वाचन अधिकारी पारसमल कुमावत, निवर्तमान जिलाध्यक्ष सूर्यवीर सिंह और पर्यवेक्षक राजेंद्र बैरवा की उपस्थिति में हुए।कार्यकारिणी में अन्य पदाधिकारियों का भी चुनाव किया गया। रामभंवर सिंह राणावत को संरक्षक, अशोक सामतानी को उपाध्यक्ष, विजेंद्र जाटोलिया को मंत्री, गौरव नागवानी को आईटी मंत्री और सुनील शर्मा को कोषाध्यक्ष चुना गया।

इसके अलावा, हीना अंसारी संयुक्त मंत्री, मुकेश लुहार संगठन मंत्री, श्याम लाल सालवी मीडिया प्रभारी और विनोद कुमार सोनी जिला प्रतिनिधि बनाए गए।

इस मौके पर गोपाल पुरी गोस्वामी, सीमा गहलोत, भगवान सिंह चुंडावत, भैरूलाल धोबी, राजेश रामावत, अंकित शर्मा, गिरधारी लाल मीणा, रामनिवास सैनी, श्याम लाल बलाई, मोनू सोनी, विजेंद्र कुमार जाटोलिया, वीरेंद्र स्वामी, शंकर लाल गुर्जर, पंकज शर्मा, विपिन शर्मा, मुकेश लुहार, सोगत हुसैन डायर, ममता तेली और ममता जाट सहित कई सदस्य उपस्थत थे।

जहाजपुर विकास को मिली रफ्तार: 15 करोड़ की पुलिया शिलान्यास, रेलवे ट्रैक व बड़े प्रोजेक्ट्स की घोषणा

स्मार्ट हलचल

जहाजपुर। क्षेत्र के विकास को नई दिशा देते हुए चावंडिया चौराहा से महाराणा प्रताप चौक नौ चौक तक 15 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाली हाई लेवल पुलिया का शिलान्यास किया गया। साथ ही महाराणा प्रताप सीनियर सेकंडरी विद्यालय में कक्षा कक्ष एवं डोम निर्माण का भूमि पूजन भी सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम प्रातः 11 बजे विद्यालय परिसर में आयोजित हुआ, जिसमें महामंडलेश्वर जगदीश पुरी महाराज, सांसद दामोदर अग्रवाल एवं विधायक गोपीचंद मीणा ने भूमि पूजन कर कार्य का शुभारंभ किया। इस पुलिया के निर्माण से शहर में जलभराव और आवागमन की समस्या से राहत मिलने की उम्मीद है। सांसद दामोदर अग्रवाल ने अपने संबोधन में कहा कि वर्तमान समय जहाजपुर के विकास का 'स्वर्णिम काल' है। उन्होंने बताया कि नागदी बांध में पानी की समस्या को दूर करने के लिए भुंवार से फीडर बनाकर भराव का कार्य जल्द शुरू किया जाएगा। इसके अलावा जहाजपुर विधानसभा क्षेत्र को नसीराबाद-जिलेंद्री वाया शक्करगढ़ तथा नाथद्वारा-टोडारायसिंह वाया मांडल शाहपुरा नई रेलवे लाइन की सौगात भी मिलेगी।

अपने भाषण के दौरान सांसद ने कई बार जहाजपुर को 'यज्ञपुर' कहकर संबोधित किया और बताया कि उन्होंने इसी विद्यालय में 6 वर्ष तक शिक्षा ग्रहण की है। उन्होंने कहा कि अब 80 लाख रुपये की लागत से बनने वाले डोम के नीचे 700 से 800 विद्यार्थियों के बैठने की व्यवस्था होगी।

वहीं विधायक गोपीचंद मीणा ने कहा कि क्षेत्र में जल्द ही उप जिला चिकित्सालय का भूमि पूजन, 13.50 करोड़ रुपये की लागत से आधुनिक फल-सब्जी मंडी, एडीजे कोर्ट और बिजली विभाग के एक्सईएन कार्यालय का लोकार्पण किया जाएगा। साथ ही खेल स्टेडियम का उद्घाटन भी शीघ्र होगा। इस अवसर पर नगर पालिका चेयरमैन नरेश मीणा, नगर के गणमान्य नागरिक, जनप्रतिनिधि एवं विद्यालय के छात्र-छात्राएं बड़ी संख्या में उपस्थत रहे।

भारत ने यूएन के मंच से होर्मुज में जहाजों पर हुए हमलों की निंदा की

स्मार्ट हलचल

न्यूयॉर्क। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में भारत की उप स्थायी प्रतिनिधि, राजदूत योजना पटेल ने 'समुद्री क्षेत्र में जलमार्गों की सुरक्षा और संरक्षण' पर आयोजित खुली बहस के दौरान होर्मुज जलडमरूमध्य में वाणिज्यिक जहाजों पर हाल ही में हुए हमलों की कड़े शब्दों में निंदा की है।

उन्होंने वाणिज्यिक नौवहन को निशाना बनाने वाली कार्रवाइयों को अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन बताया और कहा कि जलमार्गों में किसी भी प्रकार का व्यवधान वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए हानिकारक है। राजदूत ने 'मुक्त, खुले और नियम-आधारित' समुद्री आदेश के प्रति भारत की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि जलमार्ग वैश्विक वाणिज्य की जीवन रेखा हैं और इन्हें किसी

भी देश द्वारा हथियार के रूप में इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए।

न्यूयॉर्क स्थित संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में भारत के स्थायी मिशन ने भारतीय राजनयिक के बयान की वीडियो क्लिप सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर साझा की है, जिसमें समुद्री सुरक्षा को एक साझा वैश्विक चुनौती बताते हुए राजनयिक पटेल ने स्पष्ट किया पायरेसी, आतंकवाद और समुद्री विवादों से निपटने के लिए वास्तविक अंतरराष्ट्रीय सहयोग अनिवार्य है।

उन्होंने रेखांकित किया कि भारत हिंद महासागर क्षेत्र में एक 'नेट सिक्योरिटी प्रोवाइडर' (शुद्ध सुरक्षा प्रदाता) के रूप में कार्य कर रहा है और आपदा राहत (एचएडीआर) व खोज एवं बचाव कार्यों में अग्रणी भूमिका निभाता है। पटेल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा पूर्व में दिए गए पांच सिद्धांतों पर भी जोर दिया, जिनमें बाधा रहित समुद्री व्यापार, विवादों का शांतिपूर्ण समाधान और समुद्री पर्यावरण का संरक्षण शामिल है।

इससे पहले भी भारत ने कई अंतरराष्ट्रीय मंचों से यूएनसीएलओएस (समुद्र के कानून पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन) के अनुरूप 'मुक्त, खुले और नियम-आधारित' समुद्री व्यवस्था का आह्वान किया है। भारत का मानना है कि समुद्र में सुरक्षित मार्ग वैश्विक समृद्धि के लिए रीढ़ की हड्डी हैं। हाल ही में यूएन की एक अन्य उच्च स्तरीय चर्चा के दौरान भी भारत ने पश्चिमी एशिया में बढ़ते तनाव के बीच वाणिज्यिक जहाजों की सुरक्षा पर जोर दिया था।

गृह रक्षा प्रशिक्षण भर्ती 2022 में भीलवाड़ा जिलें के चयनित अभ्यर्थियों की सूची जारी

स्मार्ट हलचल|भीलवाड़ा

गृह रक्षा प्रशिक्षण केन्द्र, भीलवाड़ा के कमाण्डेन्ट श्री ललित बिहारी व्यास ने जानकारी दी कि वर्ष 2022 की नामांकन प्रक्रिया 19 मार्च से 21 मार्च 2026 तक आयोजित की गई थी। यह नामांकन प्रक्रिया गृह रक्षा राजस्थान, जयपुर के निदेशालय द्वारा गठित चयन समिति (बोर्ड) के सदस्यों की उपस्थिति में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई। चयन प्रक्रिया पूर्ण होने के उपरांत 64 रिक्त पदों के लिए पात्र अभ्यर्थियों की बोर्ड प्रोसिडिंग एवं चयन सूची, अनुमोदन पश्चात गृह रक्षा प्रशिक्षण केन्द्र, भीलवाड़ा को प्राप्त हो चुकी है। समस्त चयनित अभ्यर्थियों को सूचित किया जाता है कि वे कार्यालय समय में उपस्थित होकर कार्यालय के नोटिस बोर्ड पर चस्पा चयन सूची में अपने नाम का अवलोकन कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त अभ्यर्थी विभागीय वेबसाइट के माध्यम से भी चयन सूची की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। अधिक जानकारी हेतु अभ्यर्थी कार्यालय के दूरभाष नम्बर 01482-230118 पर संपर्क कर सकते हैं

काशीपुरी धाम में एकादशी पर भव्य श्री श्याम संकीर्तन का आयोजन, भक्तगण हो उठे भाव-विभोर

प्रसिद्ध भजन गायिका अद्विती तापड़िया इंदौर ने दी मधुर श्याम भजनों की प्रस्तुतियां, श्रद्धालुओं की उमड़ी भीड़

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। काशीपुरी धाम स्थित श्री श्याम मंदिर में एकादशी के पावन अवसर पर भव्य श्री श्याम संकीर्तन महोत्सव का आयोजन अत्यंत श्रद्धा और उत्साह के साथ सम्पन्न हुआ। इस दिव्य कार्यक्रम में सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भाग लेकर बाबा श्याम के चरणों में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई और भक्ति रस में सराबोर हो गए। मंदिर परिसर को आकर्षक सजावट, रंग-बिरंगी रोशनी और पुष्पों से सुसज्जित किया गया था। विशेष रूप से बाबा श्याम का अद्भुत एवं मनमोहक श्रृंगार श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र रहा। यह अलौकिक श्रृंगार पुजारी रूपेंद्र शुक्ला एवं रवि पंडित द्वारा अत्यंत भक्ति भाव से किया गया, जिसे देखकर भक्तगण भाव-विभोर हो उठे। कार्यक्रम की शुरुआत सायं 7.15 बजे भजन संध्या से हुई, जिसमें प्रसिद्ध भजन गायिका अद्विती तापड़िया (इंदौर) द्वारा मधुर श्याम भजनों की प्रस्तुति दी गई। 'हारे के सहारे ', 'श्याम तेरी बंशी पुकारे' जैसे भजनों पर श्रद्धालु झूम उठे और पूरा वातावरण श्याममय हो गया। श्री श्याम सेवा समिति के अध्यक्ष सुरेश पोद्धार ने बताया कि एकादशी के अवसर पर हर माह विशेष आयोजन किया जाता है, लेकिन इस बार का संकीर्तन बैशाख माह होने से विशेष रूप से भव्य रहा। उन्होंने कहा कि 'बाबा श्याम की कृपा से आज का कार्यक्रम अत्यंत सफल रहा और इतनी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं का आना हमारे लिए सौभाग्य की बात है।' वहीं मीडिया प्रभारी पंकज अग्रवाल ने बताया कि इस तरह के धार्मिक आयोजनों का उद्देश्य समाज में आध्यात्मिक चेतना जागृत करना और लोगों को भक्ति मार्ग से जोड़ना है। उन्होंने सभी सहयोगकर्ताओं, भजन मंडली एवं श्रद्धालुओं का आभार व्यक्त किया। एकादशी का महत्व बताते हुए विद्वानों ने कहा कि ग्यारस का दिन भगवान विष्णु एवं उनके अवतारों की आराधना के लिए अत्यंत शुभ माना जाता है। इस दिन व्रत, भजन-कीर्तन और दान-पुण्य करने से विशेष पुण्य फल की प्राप्ति होती है तथा मन की शांति एवं आध्यात्मिक उन्नति होती है। कार्यक्रम के अंत में प्रसाद का वितरण किया गया, जिसमें सभी श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। पूरे आयोजन ने काशीपुरी धाम को भक्ति और उल्लास के रंगों से सराबोर कर दिया। इस भव्य आयोजन ने एक बार फिर यह सिद्ध कर दिया कि बाबा श्याम के प्रति श्रद्धा और आस्था दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही है।

सोने री चमकती रे, धरा राजस्थान री

अखिल भारतीय साहित्य परिषद की मासिक काव्य गोष्ठी का हुआ आयोजन

स्मार्ट हलचल

शाहपुरा। अखिल भारतीय साहित्य परिषद की मासिक काव्य गोष्ठी केशव प्रन्यास भवन गांधीपुरी में आयोजित हुई। गोष्ठी में मुख्य अतिथि प्रज्ञा प्रवाह के राजस्थान क्षेत्र सहसंयोजक डॉ सत्यनारायण कुमावत थे। अध्यक्षता परिषद अध्यक्ष तेजपाल उपाध्याय ने की। विशिष्ट अतिथि बालकृष्ण बीरा रहे। काव्य गोष्ठी का प्रारंभ 'तू शब्द सजा दे मां, मैं गीत सुनाता हूं। टूटे हुए शब्दों से, मैं स्वर को सजाता हूं। रचना के माध्यम से डॉक्टर परमेश्वर कुमावत 'परम' ने की । गोष्ठी में जयदेव जोशी ने 'रंग रंग के फुलां जेहड़ा शब्दां रो गलहार'। सोमेश्वर व्यास ने 'त्याग प्रेम सौंदर्य शौर्य की, इसके कण-कण की गाथाएं' सुनाकर राजस्थान की धरती के सौंदर्य का वर्णन किया। प्रसिद्ध राष्ट्रीय गीतकार बालकृष्ण वीरा ने 'रणबंका रण बांकुरा की धरती राजस्थान।', डॉक्टर कमलेश पाराशर में 'राम की भक्ति तुम मन से करो, सभी काज सहज ही कर पाओगे।' दीपक पारीक ने 'तलवार की चमक में शौर्य झलकता है।' डॉ सत्यनारायण कुमावत ने कसो लंगोटो ले ल्यो सोटो, हमें अयोध्या जाणों है।'

सी ए अशोक बोहरा ने 'जहां सूरज भी तपकर निखरता है वो धारा हूं मैं।' डॉक्टर परमेश्वर कुमावत 'परम' ने 'सोने री चमकती रे धरा राजस्थान री। अठै वीरां रो इतिहास जगती जाणती।'

सुनाकर राजस्थान की धरती के अदम्य साहस, शौर्य, त्याग, तपस्या और बलिदान का वर्णन किया। ओम माली 'अंगारा' ने भाषा बिन यूं तड़पत राजस्थान, पानी बिन ज्यूं प्यासे हैं प्राण।' तेजपाल उपाध्याय ने 'मेरे पथ कब आओगे राम। बाट जोहत उमरिया बीती रटती रहती हूं नाम।' कैलाश सिंह जाड़ावत ने 'गोरा धोरा मखमल सोना जेड़ी रेत अठै।' आशुतोष सिंह सोदा ने राममयी हर वेश, देश राममयी है । हर मन में उत्साह प्रभाती उदित नई है।' सुन कर गोष्ठी का वातावरण राममयी कर दिया।

आनंद मठ अमर उपन्यास - कुमावत

काव्य गोष्ठी में वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने पर 'आनंद मठ' उपन्यास पर चर्चा की गई। गोष्ठी में डॉक्टर सत्यनारायण कुमावत ने बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय के जीवन में आनंदमठ की प्रेरणा आनन्द मठ की विषय वस्तु पर विशेष प्रकाश डाला गया। कुमावत ने कहा कि आनंद मठ एक ऐसा अमर उपन्यास है जिसने लाखों क्रांतिकारियों को प्रेरणा दी। वंदे मातरम् जैसे पंचाक्षरी मंत्र ने देश की आजादी में बिल्कुल फूंक दिया। आनंद मठ की प्रासंगिकता आज भी उतनी है जितनी 19वीं शताब्दी में।

आज देश के प्रत्येक युवा को आनंद मठ उपन्यास को एक बार जरूर पढ़ना चाहिए। आनंद मठ उन सन्यासियों की कहानी है जिन्होंने इस देश की रक्षा के लिए सर्वस्व समर्पित कर दिया। आनंद मठ में लिखा गया वंदे मातरम् गीत आज राष्ट्रीय गीत के रूप में पूरे विश्व में भारतीय श्रद्धा और विश्वास के साथ गाते हैं।

दो दिवसीय आयुर्वेद अग्निकर्म-विद्धकर्म चिकित्सा शिविर का शुभारंभ

स्मार्ट हलचल | बिजौलिया

आयुर्वेद विभाग बिजौलिया एवं विश्व आयुर्वेद परिषद, चित्तौड़ प्रांत (जिला भीलवाड़ा) के संयुक्त तत्वावधान में दो दिवसीय आयुर्वेद अग्निकर्म एवं विद्धकर्म चिकित्सा शिविर का आयोजन 28 एवं 29 अप्रैल को राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, बिजौलिया में किया जा रहा है।

शिविर का शुभारंभ प्राचार्य श्री दिलीप सिंह द्वारा भगवान धन्वंतरि के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर विधिवत किया गया। इस अवसर पर उपस्थित सभी ने आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति के महत्व पर प्रकाश डालते हुए स्वस्थ जीवन अपनाने का संदेश दिया।

ब्लॉक प्रभारी डॉ. संजय नागर ने जानकारी देते हुए बताया कि शिविर में स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. सीमा नागर एवं डॉ. रिजवाना ख़ान द्वारा विशेष सेवाएं प्रदान की जा रही हैं, वहीं विद्धकर्म विशेषज्ञ डॉ. अजय यादव एवं अग्निकर्म विशेषज्ञ डॉ संजय नागर द्वारा भी मरीजों का उपचार किया जा रहा है।

इसके साथ ही शिविर में हीमोग्लोबिन, ब्लड शुगर, टाइफाइड एवं ब्लड प्रेशर (बीपी) की जाँच सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जा रही हैं, जिससे मरीजों को समग्र स्वास्थ्य लाभ मिल सके।

शिविर के सफल संचालन में कंपाउंडर रतनलाल, बंशीलाल, सीमा जाट, संजू गुर्जर एवं परिचारक सूर्यभान का सराहनीय सहयोग रहा।

शिविर के प्रथम दिन कुल 71 मरीजों का परीक्षण कर उन्हें निःशुल्क दवाइयाँ एवं परामर्श प्रदान किया गया। ऐसे दो दिवसीय विशेष शिविर प्रत्येक माह में आयोजित किए जाएँगे

आयोजकों द्वारा क्षेत्रवासियों से अपील की गई है कि वे अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर शिविर का लाभ उठाएं और आयुर्वेद के माध्यम से स्वस्थ जीवन की ओर कदम बढ़ाएं।

अकीदत और कौमी एकता के रंग में रंगा उर्स का आगाज़

चादर शरीफ़ के जुलूस से गूंजा निंबाहेड़ा

स्मार्ट हलचल | निंबाहेड़ा

सूफी परंपरा, भाईचारे और कौमी एकता के प्रतीक हज़रत रोशन अली बाबा साहब रहमतुल्लाह अलैहे का 65 वां सद्भावना उर्स मंगलवार को पूरे अकीदत और श्रद्धा के साथ प्रारंभ हुआ। उर्स का शुभारंभ पारंपरिक चादर शरीफ़ के भव्य जुलूस के साथ हुआ, जिसने पूरे नगर को आध्यात्मिक माहौल में सराबोर कर दिया। चादर शरीफ़ का जुलूस जब दरगाह परिसर की ओर बढ़ा, तो रास्ते भर अकीदतमंदों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। इस दौरान हजरत केली वाले मियां साहब उर्स कमेटी के सदर भूरू जागीरदार, सचिव इमरान खान, राजा उस्ताद, हाजी कल्लू बा मंसूरी,शेर खान, सद्दाम खान, इरफान खान, हैदर मेव सहित अन्य सदस्यों ने जुलूस का भव्य इस्तकबाल करते हुए जायरीनों का स्वागत किया।

इस पावन अवसर पर उर्स कमेटी के संयोजक मोहम्मद फारूख छीपा, अध्यक्ष सादिक हुसैन, सेक्रेट्री मतलूब अजमेरी, कोषाध्यक्ष अयाज़ अहमद खान, उपाध्यक्ष ज़ाकिर हुसैन खान सहित अनेक पदाधिकारी एवं सदस्यगण मौजूद रहे। इनके साथ ही अब्दुल हक, अब्दुल हामिद उर्फ़ भूरू मेव, अनीस गोरी, मोहम्मद सलीम छीपा, इकराम छीपा, मोहसिन खान, सलाउद्दीन निलगर, महबूब खान, साबिर मंसूरी, जुल्फिकार मेव, तालिब अहमद, अनीस खान, ज़ाकिर मौलाना, शादाब मंसूरी, तन्नू मेव, नदीम खान, यूसुफ मंसूरी, असलम नियारगर, भूरू शेख, शहज़ाद मेवाफरोश, ज़ाकिर सेठजी, अनवर मेव, तनवीर खान, साहिल खान, अखलाख मंसूरी, अमीरउल्लाह खान, आज़ाद गौरी, अनवर पेंटर, मोइन खान, जावेद सिद्दिकी, फिरोज़ गौरी, हाफिज नाहिद खान, रईस गौरी, अकबर खान, अयान खान, शानू हुसैन, मीजान खान, रिज़वान टक्कू सहित रोशन अली बाबा सेवा संस्थान के समस्त कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। उर्स के प्रथम दिन चादर पेशी, फातिहा और दुआओं का दौर चला, जिसमें मुल्क की अमन-चैन, तरक्की और भाईचारे के लिए विशेष दुआएं मांगी गईं। पूरा आयोजन श्रद्धा, अनुशासन और आध्यात्मिक ऊर्जा से परिपूर्ण रहा। बुधवार 29 अप्रैल को हिंदुस्तान के मशहूर कव्वाल हाजी मुकर्रम वारसी भोपाल अपना कलाम पेश करेंगे।

उल्लेखनीय है कि यह उर्स न केवल धार्मिक आस्था का केंद्र है, बल्कि सामाजिक समरसता और कौमी एकता का भी प्रतीक बनकर हर वर्ष बड़ी संख्या में जायरीनों को अपनी ओर आकर्षित करता है। आगामी दिनों में कव्वाली, तकरीर और विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा, जिससे उर्स की रौनक और भी बढ़ेगी।

दोलजी खेड़ाः कल्लाजी राठौड़ धार्मिक स्थल पर पांच कुण्डीय महायज्ञ

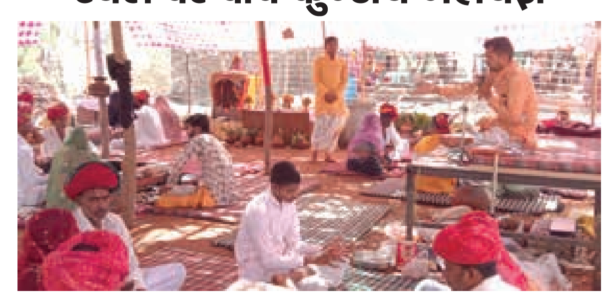

चौथे दिन 20 जोड़ों ने दी आहुतियां

स्मार्ट हलचल

मांडलगढ़। उपखंड के दोलजी खेड़ा गांव स्थित श्री श्री 1008 कल्लाजी राठौड़ धार्मिक स्थल पर आयोजित किए जा रहे धार्मिक अनुष्ठान में श्रद्धालुओं का उत्साह देखते ही बन रहा है। मंगलवार को कार्यक्रम के चौथे दिन पांच कुण्डीय महायज्ञ में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पूर्णाहूति की आहुतियां दी गईं।

यज्ञ आचार्य बनवारी लाल शर्मा और गुरुजी नंदलाल नाथ के पावन सानिध्य में यह धार्मिक कार्यक्रम संपन्न हुआ। महायज्ञ के दौरान 20 यजमान जोड़ों ने यज्ञ वेदी पर बैठकर विधि-विधान से आहुतियां अर्पित कीं और क्षेत्र में खुशहाली व सुख-शांति की कामना की।

इस भक्तिमय व पावन अवसर पर कल्लाजी राठौड़ मंदिर के पुजारी कैलाश चंद्र, उदय लाल, सूरजमल, जगदीश चन्द्र और मदन लाल सहित स्थानीय ग्रामीण व श्रद्धालु बड़ी संख्या में मौजूद रहे। महायज्ञ में दी गई आहुतियों और वैदिक मंत्रों की गूंज से पूरा दोलजी खेड़ा गांव और आसपास का वातावरण पूरी तरह से धर्ममय हो गया।

ब्यावर पुलिस की बड़ी कार्रवाईः अवैध पिस्टल के साथ हिस्ट्रीशीटर गिरफ्तार, हथियार सप्लाई करने वाला साथी भी दबोचा

स्मार्ट हलचल

ब्यावर। जिला पुलिस अधीक्षक रतन सिंह के निर्देशन में अवैध हथियारों के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत साकेतनगर थाना पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने एक स्कॉर्पियो सवार युवक को अवैध पिस्टल और मैगजीन के साथ गिरफ्तार किया है, साथ ही हथियार बेचने वाले उसके मुख्य साथी को भी सलाखों के पीछे पहुँचा दिया है।

26 अप्रैल 2026 को साकेतनगर थाना पुलिस की टीम गश्त पर थी, तभी मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर हैमेन्द्र सिंह (27) पुत्र शैतान सिंह निवासी मसूदा को घेराबंदी कर पकड़ा गया। तलाशी के दौरान आरोपी के कब्जे से एक अवैध पिस्टल और मैगजीन बरामद हुई। पुलिस ने वारदात में प्रयुक्त स्कॉर्पियो गाड़ी को भी जब्त कर लिया है।

गिरफ्तारी के बाद हुई गहन पूछताछ में आरोपी हैमेन्द्र सिंह ने खुलासा किया कि उसने यह हथियार मनोहर गणपत (27) पुत्र गणपत सिंह निवासी ब्यावर सिटी से खरीदा था। इस पर त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस ने दबिश देकर मनोहर गणपत को भी गिरफ्तार कर लिया।

आदतन अपराधी हैं दोनों आरोपी

पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, गिरफ्तार किए गए दोनों आरोपी शातिर किस्म के अपराधी हैं: हैमेन्द्र सिंहः इसके विरुद्ध ब्यावर सिटी, मसूदा, सदर और माण्डलगढ़ थानों में 07 गंभीर मामले (चोरी, डकैती, जानलेवा हमला और आर्म्स एक्ट) दर्ज हैं। मनोहर गणपतः इसके खिलाफ भी माण्डलगढ़ थाने में डकैती और चोरी का आपराधिक मामला दर्ज है।

इस सफल कार्रवाई को अंजाम देने वाली टीम में साकेतनगर थाना प्रभारी गणपतराम, सहायक उप निरीक्षक प्रकाश राम, हेड कांस्टेबल भीमसिंह, और कांस्टेबल दिनेश डांगा, जालाराम, सुरेश कुमार, अनिल कुमार, नेहरू लाल व ओमप्रकाश शामिल रहे। प्रकरण विवरणः थाना साकेतनगर में आर्म्स एक्ट की धारा 03/25 के तहत मुकदमा संख्या 141/2026 दर्ज कर अनुसंधान शुरू कर दिया गया है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि इन हथियारों का उपयोग किस बड़ी वारदात को अंजाम देने के लिए किया जाना था।

महिला सुरक्षा रक्तदान समुह का रक्तदान शिविर संपन्न

स्मार्ट हलचल | हिंडौन

सामाजिक कार्यकर्ता डॉ केशव तोमर ने बताया कि महिला सुरक्षा रक्तदान समुह के तत्वावधान में 36 वां रक्तदान शिविर का आयोजन स्व. पप्पू डागुर उर्फ पुष्पेन्द्र डागुर की पांचवी पुण्यतिथि पर आयोजित किया गया जिसका शुभारंभ विधायिका अनीता जाटव ने पप्पू की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर प्रारंभ किया जिसमें युवाओ ने बढ़- चढ़ कर भाग लिया इस मौके पर विधायिका का साफा व माला पहना कर स्वागत किया गया इस मौके पर रक्तवीर डॉ केशव तोमर ने 57 वां, गुमान डागुर ने 16 वां, शिव सिंह तोमर ने 8 वां, मनोज डागुर (सरपंच प्रतिनिधि) ने 6 वां, उमेश ने 4 वां, नरेंद्र डागुर ने 4 वां, हेतराम ने 3 वां, रवि चौधरी ने 2 वां, दीपक चौधरी 2 वां, वाहिद खान ने 6 वां, विजय सिंह ने पहला व अन्य दर्जनों रक्तवीरों ने अपने जीवन का पहला रक्तदान किया टीम ने सभी रक्तवीरों को प्रशस्ति पत्र व गिफ्ट देकर सम्मानित किया गया।

भीलवाड़ा मजदूर महासंघ द्वारा मजदूर दिवस पर होगा विशाल रक्तदान शिविर 1 को

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। भीलवाड़ा मजदूर महासंघ के नेतृत्व में 01 मई मजदूर दिवस पर में विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया जा रहा है। अध्यक्ष पन्नालाल चौधरी ने बताया कि संघ द्वारा 01 मई 2026 को रिको एरिया, 4 फेज, मंगलम यार्न गोडाउन (पुरानी रोलेक्स) सूरज सिन्थेटिक्स (गोमुर) के पीछे रक्तदान शिविर का आयोजन प्रातः 7 बजे से सांय 7 बजे तक किया जा रहा है। जिसमें मजदूर भाईयों के सहयोग से लगभग 1100 यूनिट रक्त संग्रहण का लक्ष्य रहेगा। इस अवसर पर शिविर में कई समाजसेवी एवं प्रबुद्धजन सम्मलित होकर मजदूरों का उत्साह बढ़ायेगें।

भीलवाड़ा में पर्यटन विकास हेतु राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण का विशेष अभियान 27 अप्रैल से प्रारंभ

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण के 80वें दौर के अंतर्गत भीलवाड़ा शहर में पर्यटन गतिविधियों तथा उनके आर्थिक एवं सामाजिक प्रभावों के आकलन के लिए एक विशेष सर्वेक्षण अभियान 27 अप्रैल से 8 मई 2026 तक संचालित रहेगा।

आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग के उपनिदेशक डॉ. सोनल राज कोठारी ने बताया कि जिले में पर्यटन क्षेत्र की संभावनाओं की पहचान, विकास एवं सुदृढ़ नीति निर्माण के लिए यह डेटा संग्रहण अत्यंत महत्वपूर्ण है।

उन्होंने बताया कि विभाग के प्रशिक्षित प्रगणकों द्वारा शहर के चार चयनित ब्लॉकों में सर्वेक्षण कार्य किया जाएगा, जिनमें- स्टेशन रोड, झूलेलाल मंदिर के आसपास का क्षेत्र बड़ा मंदिर, भीमगंज स्कूल के पीछे का क्षेत्र एफसीआई गोदाम के पास का क्षेत्र बापू नगर, लेबर कॉलोनी के सामने का क्षेत्र। उपनिदेशक ने इन क्षेत्रों के निवासियों, व्यवसायियों एवं प्रबुद्ध नागरिकों से अपील की है कि जब विभाग के अधिकृत प्रगणक पहचान-पत्र के साथ उनके द्वार पर पहुंचें, तो वे अपने प्रवास, यात्रा एवं पर्यटन से संबंधित सटीक एवं पूर्ण जानकारी उपलब्ध कराएं।

तेरापंथ धर्मसंघ के मुनि प्रसन्न कुमार जी की पार्थिव देह पंचतत्व में विलीन

दशकों तक महकती रहेगी मुनि प्रसन्न कुमार जी की यश-सौरभ : मुनि यशवंत कुमार

तेरापंथ नगर से निकली बैकुंठी, श्रद्धा से उमड़ा श्रावक समाज

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

तेरापंथ धर्मसंघ के वरिष्ठ संत, आचार्य महाश्रमण जी के सुशिष्य एवं तप, त्याग, अनुशासन और साधना की प्रतिमूर्ति मुनि प्रसन्न कुमार जी की पार्थिव देह मंगलवार को पंचतत्व में विलीन हो गई। उनके देवलोकगमन से तेरापंथ धर्मसंघ सहित समस्त श्रावक-श्राविकाओं में शोक की लहर व्याप्त है। सभाध्यक्ष जसराज चोरड़िया ने बताया कि मुनि प्रसन्न कुमार जी ने लगभग 24 वर्ष की आयु में दीक्षा ग्रहण कर 50 वर्षों तक संयम, साधना और त्यागमय जीवन जिया। उनका संपूर्ण जीवन अनुशासन, तपस्या, समर्पण और साधु मर्यादा का अनुपम उदाहरण रहा। उन्होंने कन्याकुमारी से पंजाब तक देश के अनेक प्रांतों में पदयात्राएं कर धर्मप्रभावना, नैतिक जागरण और आध्यात्मिक चेतना का संदेश दिया। तेरापंथ धर्मसंघ के आचार्य श्री तुलसी, आचार्य श्री महाप्रज्ञ एवं आचार्य श्री महाश्रमण जी की विशेष कृपा उन पर रही। वे दृढ़ संकल्प के धनी संत थे, जिन्होंने शारीरिक कष्टों के बावजूद साधना का मार्ग कभी नहीं छोड़ा।

मीडिया प्रभारी धर्मेन्द्र कोठारी ने बताया कि मंगलवार प्रातः 9 बजे तेरापंथ नगर से उनकी महाप्रयाण यात्रा श्रद्धाभाव से प्रारंभ हुई।

बैकुंठी यात्रा में भीलवाड़ा सहित समस्त मेवाड़ क्षेत्र से बड़ी संख्या में जैन समाज के श्रद्धालु एवं गणमान्य नागरिक शामिल हुए। यात्रा मुख्य मार्गों से होती हुई शास्त्रीनगर मोक्षधाम पहुंची, जहां अंतिम दर्शन के बाद पार्थिव देह पंचतत्व में विलीन की गई।

इस अवसर पर मुनि यशवंत कुमार जी ने श्रद्धांजलि व्यक्त करते हुए कहा कि मुनि प्रसन्न कुमार जी का यश, तप और साधना की सुगंध दशकों तक समाज को प्रेरित करती रहेगी।

महाप्रयाण यात्रा में सभाध्यक्ष जसराज चोरड़िया, निर्मल गोखरू, योगेश चंडालिया, दिलीप मेहता, अमिता बाबेल, अमित मेडतवाल, सपना कोठारी, अभिषेक कोठारी, गौतम दुगड़, शैलेन्द्र बोरदिया, अनिल सिंघवी, अनिल चोरड़िया सहित बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे। समस्त वातावरण नम आंखों, शांत श्रद्धा और आध्यात्मिक भावनाओं से ओतप्रोत रहा। मुनि प्रसन्न कुमार जी का प्रेरणादायी जीवन समाज के लिए सदैव मार्गदर्शक बना रहेगा।

विधायक आक्या ने शिव महापुराण कथा में भाग ले लिया आशीर्वाद

स्मार्ट हलचल

चित्तौडगढ़। विधायक चंद्रभान सिंह आक्या ने सांवरिया कॉलोनी, कुंभानगर में आयोजित हो रहे श्री शिव महापुराण कथा में सम्मिलित होकर कथा का लाभ लिया। इस दौरान उन्होंने कथा वाचक मुंगाना धाम के महंत रामपाल दास महाराज को नमन कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया व सर्वत्र खुशहाली की कामना की। पार्षद शांतिलाल जाट ने जानकारी देते हुए बताया की मुंगाना धाम के महंत रामपाल दास महाराज के मुखारविंद से सांवरिया कॉलोनी, कुंभा नगर में गत 24 अप्रेल से 30 अप्रेल सायंकाल 8 बजे से रात्री 11 बजे तक श्री शिव पुराण कथा का आयोजन किया जा रहा है।

कोतवाली गंगापुर सिटी पर सवालों की बौछारः कंप्यूटर रिकॉर्ड सही या थानाधिकारी की रिपोर्ट झूठी? कोर्ट में पेश गलत रिपोर्ट पर उठे गंभीर सवाल

एडवोकेट राजेन्द्र सिंह तोमर का आरोपः शिकायत दर्ज होने के बावजूद थाना प्रभारी ने कोर्ट को किया गुमराह-एफआईआर की उठी मांग

स्मार्ट हलचल

सवाई माधोपुर। गंगापुर सिटी कोतवाली थाना एक बार फिर विवादों के घेरे में है। इस बार मामला सीधे अदालत में पेश की गई पुलिस रिपोर्ट की सत्यता से जुड़ा है, जिसने पूरे पुलिस तंत्र की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। दिल्ली हाईकोर्ट के अधिवक्ता एवं हिन्दुस्तान शिवसेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेन्द्र सिंह तोमर (राजा भैया) ने आरोप लगाया है कि उनकी विधिवत दर्ज शिकायत के बावजूद कोतवाली थाना प्रभारी (एसएचओ) ने कोर्ट में यह रिपोर्ट पेश कर दी कि 'ऐसी कोई शिकायत प्राप्त ही नहीं हुई।

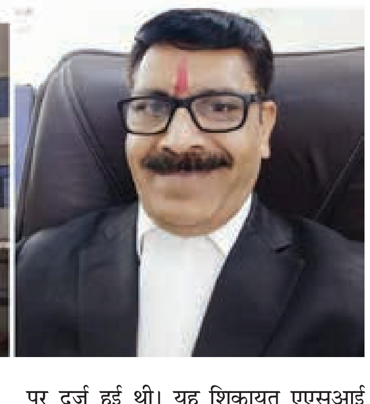

क्या है पूरा मामला?

एडवोकेट राजेन्द्र सिंह तोमर के अनुसार, उन्होंने 03 अक्टूबर 2025 को कोतवाली थाने में एक लिखित शिकायत दी थी, जो थाने के कंप्यूटरीकृत रोजनामचे में ऑनलाइन नंबर 275670102500362 पर दर्ज हुई थी। यह शिकायत एएसआई भरत सिंह को जांच हेतु सौंपी गई थी, जिसकी पावती और रिकॉर्ड उनके पास मौजूद है। इसके बाद भी जब कार्रवाई नहीं हुई तो उन्होंने 22 नवंबर 2025 को जिला पुलिस अधीक्षक सवाईमाधोपुर को ईमेल के माध्यम से शिकायत भेजी हैं। बावजूद इसके कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई।

बड़ा सवालः सिस्टम फेल या जिम्मेदारी से बचाव?

अब इस पूरे मामले में सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या थाने का कंप्यूटर रिकॉर्ड गलत है? या फिर एसएचओ ने जानबूझकर कोर्ट में गलत जानकारी दी?अगर शिकायत दर्ज थी, तो कार्रवाई क्यों नहीं हुई? और अगर नहीं थी, तो रोजनामचे व परिवाद जांच में एएसआई भरत सिंह के नाम की एंट्री कैसे हुई?

कोर्ट में क्या हुआ?

कार्रवाई नहीं होने पर मामला एसीजेएम न्यायालय गंगापुर सिटी की अदालत में इस्तगासा के रूप में पेश किया गया।अदालत ने जब एसएचओ से रिपोर्ट मांगी, तो थाना प्रभारी ने कोर्ट को लिखित में जवाब दिया कि 'थाने में ऐसी कोई शिकायत प्राप्त ही नहीं हुई' यहीं से विवाद गहरा गया, क्योंकि शिकायतकर्ता के पास कंप्यूटर रोजनामचा परिवाद रिकॉर्ड और पावती मौजूद है, जो थानाधिकारी के दावे के विपरीत है।

कोर्ट ने लिया संज्ञान

अदालत ने मामले को गंभीरता से लेते हुए सम्बंधित एसएचओ को आगामी तारीख 9 जून 2026 को तथ्यों सहित विस्तृत रिपोर्ट पेश करने के निर्देश दिए हैं।

'यह सिर्फ लापरवाही नहीं,अदालत को गुमराह करना है '

एडवोकेट तोमर का कहना है कि यह मामला केवल लापरवाही का नहीं बल्कि गंभीर अपराध का है। उनका आरोप है कि एसएचओ ने आरोपियों को बचाने के लिए जानबूझकर झूठी और तथ्यहीन रिपोर्ट अदालत में पेश की हैं। उन्होंने राज्य के पुलिस महानिदेशक, एडीजीपी विजिलेंस, आईजी भरतपुर रेंज और एसपी सवाई माधोपुर सहित अन्य अधिकारियों को शिकायत भेजकर सम्बंधित एसएचओ के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने और विभागीय कार्रवाई की मांग की है।

कानूनी परिणाम क्या हो सकते हैं?

कानूनी विशेषज्ञों के अनुसार, यदि कोर्ट में झूठी रिपोर्ट देना साबित होता है, तो संबंधित अधिकारी के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज हो सकता है। विभागीय कार्रवाई तय है और सजा भी हो सकती है। यह मामला केवल एक शिकायत का नहीं, बल्कि पुलिस की पारदर्शिता और जवाबदेही का है। अब सबकी नजरें इस पर टिकी हैं कि जांच में सच्चाई क्या सामने आती है और दोषी पर कब तक कार्रवाई होती है।

नाबालिग का अपहरण कर दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार, 8 दिन में खुलासा

स्मार्ट हलचल

टोंक/उनियारा। जिले की उनियारा थाना पुलिस ने नाबालिग लड़की के अपहरण व दुष्कर्म के सनसनीखेज मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने वारदात में प्रयुक्त मोटरसाइकिल भी जब्त कर ली है।

जिला पुलिस अधीक्षक, राजेश कुमार मीणा (आईपीएस) के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक टोंक रतनलाल भार्गव व पुलिस वृताधिकारी उनियारा आकांक्षा चौधरी के निकटतम सुपरविजन में थाना प्रभारी उनियारा कप्तान सिंह चौधरी (पुलिस निरीक्षक) के नेतृत्व में गठित टीम ने इस कार्रवाई को अंजाम दिया। जानकारी के अनुसार 19 अप्रैल 2026 को नाबालिग पीड़िता के पिता ने पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई थी कि उसकी नाबालिग बेटी का अज्ञात युवक द्वारा अपहरण कर लिया गया है।मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल अनुसंधान शुरू किया। जांच के दौरान पीड़िता को दस्तयाब कर बयान लिए गए, जिसमें अपहरण के साथ दुष्कर्म की पुष्टि हुई। इसके बाद पुलिस ने तकनीकी व मुखबिर तंत्र की मदद से आरोपी की तलाश शुरू की। पुलिस ने आरोपी अनिल उर्फ गोलू मीणा (19) निवासी चैनपुरा, थाना उनियारा जिला टोंक को 27 अप्रैल 2026 को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपी ने वारदात स्वीकार की, जिसके बाद घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल भी जब्त कर ली गई। गिरफ्तार आरोपी को मंगलवार, 28 अप्रैल 2026 को न्यायालय में पेश कर न्यायिक अभिरक्षा में जिला कारागृह टोंक भेज दिया गया है। वहीं पुलिस अधिकारियों ने कहा कि सर्किल क्षेत्र में महिला एवं बाल अपराधों के मामलों में सख्त कार्रवाई जारी रहेगी और दोषियों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा।

निशुल्क वाल्मीकी सामूहिक विवाह सम्मेलन सम्पन्न

स्मार्ट हलचल|कोटा

श्री महावीर सेवा संस्था नाचन बावड़ी के तत्वाधान में भाण्डाहेडा मे 11 जोड़ों का प्रानी ग्रहण संस्कार संपन्न हुआ वाल्मीकि विवाह सम्मेलन के कोषाध्यक्ष सत्यनारायण पवार ने बताया कि भाण्डाहेड़ा में श्री महावीर सेवा संस्थान नाचन बावड़ी के तत्वाधान में वाल्मीकि समाज का सामूहिक विवाह सम्मेलन धूमधाम से संपन्न हुआ जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में पंचायत सदस्य विजयालक्ष्मी तिवारी जाने-माने समाजसेवी लोकेश तिवारी ने वर वधु को आशीर्वाद प्रधान किया और बिछ्यिा भेठ की अध्यक्ष कन्हैयालाल गोयल ने सभी अतिथियों का माला पहनकर साफाबना कर शाल उड़ाकर सम्मान किया।

समाज सेवी लोकेश तिवारी ने सम्बोधित करते हुए कहा कि विवाह केवल एक संस्कार नहीं, बल्कि दो परिवारों को जोड़ने का पवित्र बंधन है। उन्होंने कहा कि बेटियों के माध्यम से दो घर एक-दूसरे से जुड़ते हैं और यही भारतीय संस्कृति की सबसे बड़ी खूबसूरती है। 'तिवारी ने कहा कि समाज को विवाह जैसे आयोजनों में दिखावे और फिजूल खर्च से बचना चाहिए। उन्होंने कहा कि कर्ज लेकर भव्य आयोजन करने की बजाय सादगी से विवाह करना अधिक उचित है। उन्होंने यह भी बताया कि उन्होंने स्वयं ने परिवार में सामूहिक विवाह जैसे आयोजनों को अपनाया है, जिससे समाज में एक सकारात्मक संदेश जाता है। ' सभी अतिथियो ने वर वधु को आशीर्वाद दिया एव पंचायत सिमिती सदस्य विजयालक्ष्मी तिवारी द्वारा सभी दुल्हनो को बिछीया भेट की। कार्यक्रम मे भाजपा मंडल अध्यक्ष प्रतिनिधि भिमराज मीणा हंसराज नागर, सरपंच घनश्याम यादव, पूर्व सरपंच शिव शंकर नागर, कहीं गणमान्य लोग उपस्थित थे।

टोंक कांग्रेस जिलाध्यक्ष सऊद सईदी के नेतृत्व में प्रदेश प्रभारी राधा मोहन अग्रवाल का पुतला दहन किया

स्मार्ट हलचल|टोंक

भारतीय जनता पार्टी के कार्यालय उद्घाटन के अवसर पर आयोजित जनसभा में भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रभारी डॉ राधामोहन दास अग्रवाल द्वारा टोक विधायक व कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव सचिन पायलट के ऊपर अशोभनीय टिप्पणी करने के विरोध में टोंक जिला कांग्रेस कमेटी के जिलाध्यक्ष सऊद सईदी के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा गांधी पार्क में इक्कठे होकर राधा मोहन के पुतले की अर्थी का जुलूस निकाल कर घंटाघर पर प्रदेश प्रभारी डॉ राधामोहन दास अग्रवाल के पुतले का दहन करके विरोध प्रदर्शन किया गया।

इस अवसर पर टोंक जिला कांग्रेस कमेटी के जिलाध्यक्ष सऊद सईदी ने कहा है कि भाजपा के नेता देश के लोकप्रिय नेता सचिन पायलट की लोकप्रियता से बोखला गए हैं तथा टोंक में लगातार हार से हतास हो गये हैं जिसके कारण ऐसे अशोभनीय भाषा का प्रयोग करके बयान दिया है जिसकी हम सब कार्यकर्ता कड़े शब्दों में निंदा करते हैं और प्रदेश प्रभारी को सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी चाहिए तथा मीडिया में सुर्खियों में बने रहने के लिए भी ऐसे मनगढ़ंत बयान देते हैं

पुतला दहन के अवसर पर प्रदेश उपाध्यक्ष रामबिलास चौधरी, पूर्व विधायक कमल बैरवा, टोंक प्रधान हंसराज फागना, एसटी विभाग के जिलाध्यक्ष फोजूराम मीणा, पूर्व प्रधान अलका बैरवा, पूर्व प्रधान चन्द्रकला मांगीलाल गुर्जर, पूर्व उप सभापति सलामुदीन खान,पूर्व जिलाध्यक्ष हरिभाई, कोषाध्यक्ष सी पी श्रीवास्तव, शिवजीलाल मीणा, प्रवक्ता जर्रार खान, डी आर हंसराज गुंजल, सलीम नकवी, टोंक बार अध्यक्ष विकास लोदी, महावीर तोगडा, देवकरण गुर्जर, दिनेश चौरासिया, नरेन्द्र मेहरा, कैलाशी मीणा, अरशद चिश्ती, राजेश गुर्जर, यूसुफ यूनिवर्सल,राजेश चौधरी, श्रीराम चौधरी, राम राय मीणा, विजय पारीक, पंकज साहू, विजय सिंह, मूल चंद बैरवा, इम्तियाज खान, राम लक्ष्मण साहू, सहित सैकड़ों श्रेष्ठ व वरिष्ठ पदाधिकारी मौजूद थे।

देवली-उनियारा में विकास की रफ्तार तेज

नासिरदा-राजमहल में अटल प्रगति पथ के लिए 4 करोड़ मंजूर

स्मार्ट हलचल

टोंक। देवली-उनियारा विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्यों को नई गति मिली है। क्षेत्र के नासिरदा और राजमहल कस्बों में अटल प्रगति पथ के निर्माण के लिए 4 करोड़ रुपए की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति जारी की गई है। यह स्वीकृति सार्वजनिक निर्माण विभाग जयपुर द्वारा विधायक राजेंद्र गुर्जर की अनुशंसा पर दी गई है। विधायक राजेंद्र गुर्जर ने इस महत्वपूर्ण स्वीकृति के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और डिप्टी सीएम दिया कुमारी का आभार व्यक्त किया है।

जानकारी के अनुसार, नासिरदा कस्बे में पुलिस थाने से बस स्टैंड तक मुख्य मार्ग पर करीब 1 किलोमीटर लंबाई में 2 करोड़ रुपए की लागत से एमडीआर सीसी सड़क का निर्माण किया जाएगा। वहीं राजमहल गांव में भी मुख्य मार्ग पर 2 करोड़ रुपए की लागत से 1 किलोमीटर लंबा अटल प्रगति पथ बनाया जाएगा। इन सड़कों के निर्माण के बाद क्षेत्रवासियों को कीचड़, खराब रास्तों और आवागमन में आने वाली परेशानियों से राहत मिलेगी। साथ ही ग्रामीणों, राहगीरों और वाहन चालकों को बेहतर सुविधा मिल सकेगी।

टेंडर प्रक्रिया पूर्ण होते ही दोनों स्थानों पर निर्माण कार्य शुरू होने की संभावना है। इस स्वीकृति से क्षेत्र में खुशी का माहौल है और स्थानीय लोगों ने विधायक राजेंद्र गुर्जर का आभार जताया है।

जनसेवा की नई पहलः विधायक और कलेक्टर ने दिखाई विकास रथों को हरी झंडी

स्मार्ट हलचल

ब्यावर। प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक सुनिश्चित करने के लिए ब्यावर जिले में 'ग्राम रथ अभियान' का भव्य शुभारंभ किया गया। मंगलवार को जिला कलेक्ट्रेट परिसर में आयोजित एक समारोह के दौरान विधायक शंकर सिंह रावत और जिला कलेक्टर कमल राम मीना ने संयुक्त रूप से रथों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

प्रशासन और जनप्रतिनिधि एक साथ

विधायक श्री रावत ने इस अवसर पर जनसेवा का संकल्प दोहराते हुए कहा कि यह रथ केवल सूचना का माध्यम नहीं, बल्कि सरकार और जनता के बीच की कड़ी हैं। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि वे अपनी समस्याएं बिना किसी झिझक के प्रशासन के सामने रखें। वहीं, जिला कलेक्टर कमल राम मीना ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे संवेदनशीलता के साथ ग्रामीणों की समस्याओं का मौके पर ही निस्तारण करें।

अभियान की 5 बड़ी बातेंः

15 दिवसीय दौराः आगामी 15 दिनों तक जिले की पांचों विधानसभा क्षेत्रों में यह रथ घूमेंगे। 13 विभागों का संगमः एक साथ 13 सरकारी विभागों की महत्वपूर्ण योजनाओं की जानकारी दी जाएगी। डिजिटल और कला का मिश्रणः एलईडी वैन के जरिए योजनाओं का प्रदर्शन होगा और कला जत्थों के माध्यम से मनोरंजन के साथ जागरूकता फैलाई जाएगी।

लाइव ट्रैकिंगः पारदर्शिता के लिए रथों की लाइव लोकेशन और फोटो-वीडियो विभागीय ऐप पर अपलोड किए जाएंगे। सुझाव पेटीः गांव के लोग सीधे अपने सुझाव और शिकायतें रथ में रखी पेटियों में डाल सकेंगे।

अभियान के पहले दिन मंगलवार को रथ टाडगढ़, माथुवाड़ा, पिपलाज और देवपुरा-खरवा जैसे क्षेत्रों में पहुंचे। वहीं, बुधवार को रथों का काफिला मलतों की बेर, निमाज, सांगवास और मानपुरा सहित कई ग्राम पंचायतों का भ्रमण करेगा।

समारोह में अतिरिक्त जिला कलेक्टर ब्रह्मलाल जाट, एसीईओ गोपाल लाल मीणा सहित कई प्रशासनिक अधिकारी और जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

5 मई तक करें छात्रवृत्ति आवेदन में आक्षेप पूर्ति

स्मार्ट हलचल|उदयपुर

शैक्षणिक सत्र 2023-24 एवं 2024-25 में राजस्थान राज्य के मूल निवासियों के लिए सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा संचालित विभिन्न छात्रवृति योजनाओं में यथा अनुसूचित जनजाति/अनु. जनजाति/अति. पिछड़ा वर्ग/अन्य पिछड़ा वर्ग/आर्थिक पिछड़ा वर्ग/विमुक्त, घुमन्तु एवं अर्द्धघुमन्तु समुदाय/मिरासी एवं भिश्ती समुदाय तथा मुख्यमंत्री सर्वजन उच्च शिक्षा उत्तर मैट्रिक छात्रवृति योजनाओं में राज्य की राजकीय/निजी मान्यता प्राप्त शिक्षण संस्थाओं में अध्ययनरत छात्र/छात्राओं के छात्रवृति आवेदन पत्र में आक्षेप पूर्ति कराने/महाविद्यालय स्तर पर लम्बित/छात्रों के स्तर पर आक्षेपित/लम्बित आवेदन पत्रों की अन्तिम तिथि 5 मई 2026 निर्धारित की गई है। संयुक्त निदेशक गिरीश भट्नागर ने बताया कि उत्तर मैट्रिक छात्रवृति हेतु वर्ष 2023-24 एवं 2024-25 में छात्रवृति पोर्टल पर राजकीय एवं गैर राजकीय शिक्षण संस्थाओं /छात्र/छात्राओं के स्तर पर लम्बित छात्रवृति के आवेदन पत्रों की आक्षेप पूर्ति की अन्तिम तिथि 5 मई 2026 तक निर्धारित की गई है। सम्बन्धित शिक्षण संस्थान निर्धारित तिथि तक बच्चों से आक्षेप पूर्ति करा आवेदन इस कार्यालय को अग्रेषित करें ताकि छात्र/छात्राओं को छात्रवृति की स्वीकृति सम्बन्धी कार्यवाही की जा सकें।

सरकारी विद्यालयों में धन की कमी नही आने दूंगा - मोहन कुड़ी

स्मार्ट हलचल

मनोहरपुर। राजकीय उच्च माध्यमिक विधालय टोडी मनोहरपूर में कार्यरत वरिष्ठ अध्यापक बोदी लाल जाट व सीताराम यादव शारीरिक शिक्षक राजकीय वरिष्ठ उपाध्याय संस्कृत विद्यालय भिखावाला शाहपुरा का सेवानिवृत्त समारोह राजकीय उच्च माध्यमिक विधालय टोडी के प्रांगण आयोजित किया गया! यह कार्यक्रम मशहूर भामाशाह व एडवोकेट मोहन कुड़ी के मुख्य आतिथ्य व श्रीमती लीला कुड़ी की अध्यक्षता में मनाया गया

वरिष्ठ अध्यापक बोदी लाल जाट व शारीरिक शिक्षक सीताराम यादव के सम्मान में विचार व्यक्त करते हुए मशहूर भामाशाह मोहन कुड़ी ने कहा कि उत्कृष्ट कार्य करने वाले अपनी विशिष्ट पहचान बनाते हैं,व्यक्ति कभी सेवानिवृत्त नहीं होते हैं। विद्यालय में भले ही सेवाकाल पूरा हो जाए,मगर एक शिक्षक आजीवन अपने चारों ओर ज्ञान का प्रकाश फैलाया करते हैं। वे हमेशा समाज के लोगों को एक नई दिशा प्रदान करते रहते हैं। सेवानिवृत्ति के बाद समाज के प्रति एक नई जिम्मेदारी और बढ़ जाती है। कुड़ी ने कहा सरकारी विद्यालयों में धन की कमी नही आने दूंगा इसके अलावा मुझसे कोई उम्मीद नही रखे! श्रीमती लीला कुड़ी ने कहा कि अच्छे अध्यापक हमेशा याद आते हैं! उन्होंने कहा कि शिक्षा ही सर्वांगीण विकास का मूलमंत्र हैं इसलिए एक रोटी कम खालो परन्तु पढ़ाई करो। कुड़ी के द्वारा विद्यालय स्टाफ व सभी विद्यार्थियों को भोजन करवाया गया इस पहल पर अध्यापकों ने कुड़ी का आभार व्यक्त किया। समारोह मे सेवानिवृत दोनों अध्यापकों का कुड़ी परिवार व साथी अध्यापकों व ग्रामीणों ने माला साफ़ा पहनाकर व स्मृति चिन्ह भेट कर सम्मान किया। विधालय के प्रधानाचार्य, अध्यापकों ने बोदी लाल जाट के कार्यकाल की सराहना की!

कार्यक्रम में सेवानिवृत्त बोदी लाल जाट व सीताराम यादव ने सेवानिवृत्ति के पश्चात भी शिक्षा एवं समाज सेवा क्षेत्र में सदैव कार्यशील रहने की अवधारणा प्रकट करते हुए सभी अतिथियों का आभार एवं धन्यवाद प्रकट किया। सम्मान समारोह कार्यक्रम में प्रधानाचार्य मदन लाल रैगर, व्याख्याता श्रीमती सोनू अग्रवाल, श्रीमती जयंती सोगरा वरिष्ठ अध्यापक श्री देवी साई जाट जलालुद्दीन महेश चंद्र यादव राम गोपाल बुनकर राम किशोर यादव मनीष शर्मा महेंद्र मीणा श्रवण लाल गुर्जर समस्त स्टाफ साथी उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि कुड़ी साहब द्वारा राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय टोडी में पिछले 3 साल में 16,50,000 का योगदान किया है जिसमें विद्यालय का में गेट 35×35 का चबूतरा 5 कंप्यूटर सेट एक प्रिंटर सीसीटीवी कैमरे विद्यालय में बैल इनवर्टर दो बैटरी सहित वाटर कूलर रो कुर्सियां फर्नीचर आदि और विद्यालय के भौतिक विकास में आर्थिक सहयोग करने के हमेशा ततपर रहते है और आगे भी उनका कहना है कि विद्यालय की समस्त आवश्यकताएं पुरी की जाएगी विद्यालय में अधिक से अधिक नामांकन वृद्धि के लिए श्री कुडी साहब ने ग्राम वासियों से निवेदन किया और विद्यालय में नामांकन बढ़ाने के लिए सभी को प्रयास करना चाहिए।

भक्ति, संस्कृति और सनातन परंपरा का संगमः निंबाहेड़ा में 1 से 9 मई तक संगीतमय श्रीराम कथा

स्मार्ट हलचल| निंबाहेड़ा

सनातन धर्म की गौरवशाली परंपराओं को जीवंत करते हुए निंबाहेड़ा क्षेत्र एक बार फिर भक्ति, श्रद्धा और आध्यात्मिक ऊर्जा से सराबोर होने जा रहा है। श्री पंच दश नाम जूना अखाड़ा, 13 मड़ी कपूर थला परिवार के तत्वावधान में पूज्य गुरुदेव महंत श्री हरि ओम गिरी जी महाराज के सानिध्य में 9 दिवसीय संगीतमय श्रीराम कथा का भव्य आयोजन किया जा रहा है। यह पुण्य आयोजन स्वर्गीय श्री नानूरामजी, स्वर्गीय श्रीमती मोहनी बाई तथा स्वर्गीय श्री नारायणजी एवं श्रीमती रतनी बाई की पावन स्मृति को समर्पित है। कथा का आयोजन 1 मई से 9 मई 2026 तक श्री मोड़का बालाजी आश्रम, रानीखेड़ा चौराहा, तहसील निंबाहेड़ा में अत्यंत श्रद्धा एवं भव्यता के साथ संपन्न होगा।

धार्मिक आयोजन का आध्यात्मिक महत्व

श्रीराम कथा भारतीय संस्कृति और सनातन धर्म का मूल आधार मानी जाती है, जो मर्यादा, सत्य, कर्तव्य और आदर्श जीवन मूल्यों का संदेश देती है। इस कथा के माध्यम से श्रद्धालु भगवान श्रीराम के जीवन प्रसंगों को सुनकर आत्मिक शांति एवं जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का अनुभव करते हैं। इस आयोजन के माध्यम से क्षेत्र में धार्मिक चेतना, सामाजिक समरसता एवं आध्यात्मिक जागरूकता का वातावरण निर्मित होगा, जिससे नई पीढ़ी को भी संस्कारों का अमूल्य संदेश प्राप्त होगा।

प्रख्यात कथा वाचक का सानिध्य

इस नौ दिवसीय कथा का वाचन सुप्रसिद्ध एवं श्रद्धेय कथा वाचक पंडित श्री केदार जी महाराज (आनंद धाम, खामोर, भीलवाड़ा) द्वारा किया जाएगा। उनकी मधुर वाणी, भावपूर्ण शैली और गूढ़ आध्यात्मिक व्याख्या श्रद्धालुओं को भक्ति रस में सराबोर कर देगी।

1 मई (प्रारंभ दिवस) : मंगलाचरण, नाम महिमा एवं भव्य कलश यात्रा प्रातः 8 बजे से प्रारंभ, जिसके साथ कथा का शुभारंभ होगा,2 मईःभगवान शिव के पावन चरित्र का विस्तृत वर्णन,3 मईःभगवान श्रीराम के जन्म का दिव्य प्रसंग एवं भव्य जन्मोत्सव,4 मईःश्रीराम की बाल लीलाएं, माता अहिल्या उद्धार एवं जनकपुर दर्शन,5 मईःपुष्प वाटिका प्रसंग, धनुष भंग एवं श्री सीताराम विवाहोत्सव का उत्सवमय आयोजन,6 मईःश्रीराम का वन गमन एवं केवट प्रसंग की भावपूर्ण प्रस्तुति,7 मई,भरत चरित्र–भक्ति, त्याग और भाईचारे का अद्वितीय उदाहरण,8 मईःशबरी, जटायु सहित अन्य भक्तों की कथाएं, हनुमान चरित्र एवं तुलसी विवाह प्रसंग एवं 9 मई (समापन दिवस)ः पूर्णाहुति, महाप्रसाद वितरण,सीता खोज, रावण वध एवं भगवान श्रीराम का राज्याभिषेक।

समय एवं व्यवस्था

कथा का आयोजन प्रतिदिन दोपहर 11:30 बजे से 3:00 बजे तक किया जाएगा। आयोजन स्थल पर श्रद्धालुओं के बैठने, पेयजल एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं की समुचित तैयारी की जा रही है।

आयोजन समिति की अपील

आयोजन समिति ने क्षेत्र के समस्त धर्मप्रेमी नागरिकों एवं श्रद्धालुओं से इस पावन कथा में अधिक से अधिक संख्या में सहभागिता निभाने, कथा श्रवण कर पुण्य लाभ अर्जित करने तथा धर्म एवं संस्कृति के इस महोत्सव को सफल बनाने की अपील की है।

भक्ति और समरसता का संदेश

यह आयोजन केवल धार्मिक अनुष्ठान ही नहीं, बल्कि समाज में प्रेम, भाईचारे और सांस्कृतिक एकता का संदेश भी देगा। श्रीराम कथा के माध्यम से जीवन में आदर्श, मर्यादा और सेवा भाव को अपनाने की प्रेरणा मिलेगी, जो समाज को सशक्त और संस्कारित बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम सिद्ध होगी।

25 वांछित व वारंटी गिरफ्तार, नाकाबंदी में 94 वाहनों पर गिरी गाज

स्मार्ट हलचल |बालोतरा

जिले में अवैध गतिविधियों, फरार अपराधियों और गिरफ्तारी वारंटियों की धरपकड़ के लिए बालोतरा पुलिस ने एक विशेष महा-अभियान चलाया है। जिला पुलिस अधीक्षक रमेश (आईपीएस) के निर्देशन में 'एरिया डोमिनेशन' और सघन 'नाकाबंदी' के तहत पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए कुल 25 आरोपियों को गिरफ्तार किया है और 94 संदिग्ध वाहनों के खिलाफ कार्रवाई की है।

पुलिस अधीक्षक रमेश ने बताया कि 27 अप्रैल 2026 को अपराधियों की धरपकड़ के लिए कुल 26 पुलिस टीमों का गठन किया गया था। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हरफूलसिंह और सभी वृत्ताधिकारियों के सुपरविजन में इन टीमों ने तकनीकी सहयोग और परम्परागत पुलिसिंग की मदद से अपराधियों के ठिकानों पर दबिश दी। इस 'एरिया डोमिनेशन' अभियान में 10 वांछित आरोपियों और 15 गिरफ्तारी वारंटियों सहित कुल 25 मुलजिमों को गिरफ्तार करने में सफलता मिली है। इसी अभियान के तहत 27 अप्रैल को ही शाम 07:00 बजे से रात 09:30 बजे तक जिले भर में सघन नाकाबंदी की गई। इस दौरान पुलिस ने 24 बिना नंबर वाले वाहनों और 19 काली फिल्म लगे वाहनों सहित कुल 94 वाहनों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की।

जिला कलक्टर एवं जनप्रतिनिधिगणों ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

गांव-गांव पहुंचेंगी राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी, ‘ग्राम रथ’ हुए रवाना

स्मार्ट हलचल| बूंदी

राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं, उपलब्धियों और विकास कार्यों को अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए मंगलवार से ‘ग्राम रथ अभियान’ का आगाज हुआ। सर्किट हाउस परिसर से जिला कलक्टर हरफूल सिंह यादव और पूर्व विधायक अशोक डोगरा ने हरी झंडी दिखाकर तीन ग्राम रथों (एलईडी वैन) को ग्रामीण क्षेत्रों के लिए रवाना किया। ये रथ गांव-गांव जाकर किसानों, पशुपालकों और आमजन को विभिन्न सरकारी योजनाओं के प्रति जागरूक करेंगे। इस दौरान लोक कलाकारों द्वारा योजनाओं पर आधारित आकर्षक प्रस्तुति दी गई।

इस अवसर पर जिला कलक्टर हरफूल सिंह यादव ने बताया कि ये ग्राम रथ जिले की तीन विधानसभा क्षेत्रों की ग्राम पंचायतों में भ्रमण करेंगे। प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र की चार से पांच ग्राम पंचायतों में हर दिन यह रथ पहुंचेंगे। उन्होंने कहा कि रथों पर लगी एलईडी स्क्रीन के माध्यम से योजनाओं से जुड़े वीडियो दिखाए जाएंगे। इससे ग्रामीणों को योजनाओं की पात्रता, आवेदन की प्रक्रिया और फायदों की बिल्कुल स्पष्ट और सरल जानकारी मिल सकेगी, ताकि वे इनका अधिक से अधिक लाभ उठा सकें।

एक ही जगह मिलेगी 13 विभागों की जानकारी

उन्होंने कहा कि इस अभियान का सबसे बड़ा फायदा यह है कि ग्रामीणों को योजनाओं की जानकारी के लिए भटकना नहीं पड़ेगा। ग्राम रथ के माध्यम से 13 प्रमुख विभागों की प्रचार सामग्री भी बांटी जाएगी। इसमें कृषि, पशुपालन, ग्रामीण विकास, उद्योग, मत्स्य, सहकारिता सहित अन्य महत्वपूर्ण विभागों की योजनाएं शामिल हैं। एक ही स्थान पर सभी जानकारी मिलने से ग्रामीणों को सीधा लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि अभियान के तहत चयनित ग्राम पंचायत में प्रतिदिन ‘संध्या चौपाल’ का आयोजन किया जाएगा। इसमें ग्रामीणों से सीधा संवाद कर उनकी समस्याएं सुनी जाएंगी और उनका त्वरित समाधान किया जाएगा। इसके अलावा, रथों के साथ एक ‘सुझाव पेटिका’ भी रखी गई है, जिसमें ग्रामीण बेझिझक अपने लिखित सुझाव दे सकेंगे। अभियान में लोक कलाकारों द्वारा प्रतिदिन फील्ड में प्रस्तुति दी जाएगी।

रथों की रवानगी के दौरान अतिरिक्त जिला कलक्टर रामकिशोर मीणा, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रवि वर्मा, उपखंड अधिकारी लक्ष्मीकांत मीणा, संजय लाठी, नुपूर मालव, निर्मल मालव, मोहन कराड सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी और कई जनप्रतिनिधि मौजूद रहें।

गांजा तस्करी का फरार आरोपी गिरफ्तार, घर से मिला था 10 किलो से ज्यादा गांजा

स्मार्ट हलचल

भवानी मंडी। अवैध मादक पदार्थ तस्करों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत भवानीमंडी पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने गांजा तस्करी के मामले में पिछले 26 दिनों से फरार चल रहे मुख्य आरोपी लालसिंह को गिरफ्तार कर लिया है।

क्या है पूरा मामला

जिला पुलिस अधीक्षक अमित कुमार के निर्देश पर जिले में मादक पदार्थों के खिलाफ अभियान चल रहा है। इसी के तहत 2 अप्रैल 2026 को पिड़ावा थाना पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि खेड़ी गांव निवासी लालसिंह पुत्र नारायण सिंह ने अपने घर में भारी मात्रा में गांजा छिपा रखा है। सूचना पर थानाधिकारी रामपाल के नेतृत्व में टीम ने आरोपी के घर दबिश दी। तलाशी में घर से 10.650 किलोग्राम अवैध गांजा बरामद हुआ। लेकिन पुलिस के पहुंचने से पहले ही आरोपी लालसिंह मौके से फरार हो गया था। इसके बाद पिड़ावा थाने में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया।

ऐसे पकड़ा गया आरोपी

फरार आरोपी की गिरफ्तारी के लिए एसपी अमित कुमार व अतिरिक्त एसपी भागचन्द मीणा के निर्देशन में भवानीमंडी थानाधिकारी प्रमोद कुमार के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। टीम ने आसूचना संकलन और मुखबिरों की मदद से फरार चल रहे 28 वर्षीय लालसिंह को गिरफ्तार कर लिया।

आरोपी का नाम लाल सिंह पिता का नामः नारायण सिंह उम्रः 28 साल पताः खेड़ी, पुलिस थाना पिड़ावा, जिला झालावाड़ है।

पुलिस टीम में शामिल रहे

इस कार्रवाई में थानाधिकारी प्रमोद कुमार के साथ हेड कांस्टेबल सुखदेव सिंह 1103, कांस्टेबल हरिराम 1258 और कांस्टेबल चुरामन सिंह 394 शामिल रहे। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है कि गांजे की इतनी बड़ी खेप कहां से लाई गई थी और इसके तार किन-किन लोगों से जुड़े हैं।

गौसेवकों ने थाने के बाहर अर्धनग्न होकर जताया विरोध

गो-तस्करों की गिरफ्तारी और दोषी पुलिसकर्मियों पर गो-सेवको ने की कार्रवाई की मांग

स्मार्ट हलचल| बूंदी

नैनवां थाना क्षेत्र में कथित गो-तस्करी प्रकरण को लेकर विरोध प्रदर्शन दूसरे दिन भी जारी रहा। बूंदी के नैनवां थाना क्षेत्र में कथित गो-तस्करी प्रकरण को लेकर विरोध प्रदर्शन दूसरे दिन भी जारी रहा। विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के कार्यकर्ता फरार आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर थाने के बाहर धरने पर डटे हुए हैं। प्रदर्शनकारियों ने धरना स्थल पर अर्धनग्न होकर विरोध जताया और पुलिस के खिलाफ नारेबाजी की। अपनी मांगें पूरी नहीं होने पर कार्यकर्ता सोमवार से अनिश्चितकालीन धरने पर बैठे हैं और उन्होंने रात भी धरना स्थल पर ही बिताई बजरंग दल के विभाग सहसंयोजक लक्की चोपड़ा ने कहा कि फरार गो-तस्करों को तुरंत गिरफ्तार किया जाए और दोषी पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई हो। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि ऐसा नहीं किया जाता है, तो सभी कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार कर लिया जाए। कार्यकर्ताओं का आरोप है कि 14 जनवरी की रात एक कंटेनर में 21 गोवंश को कथित रूप से कत्लखाने ले जाया जा रहा था। बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने इन गोवंश को छुड़ाया था। उनका कहना है कि पुलिस की देरी के कारण आरोपी मौके से फरार होने में सफल रहे।

5 पुलिस थानों के 08 प्रकरणों में जब्तशुदा अवैध मादक पदार्थ गांजा व डोडा चूरा व स्मैक को जलाकर किया नष्ट

करीब 118 किलो 678 ग्राम अवैध मादक पदार्थो को जलाकर किया नष्ट

स्मार्ट हलचल|बूंदी

जिला पुलिस अधीक्षक बून्दी अवनीश कुमार शर्मा ने बताया कि पुलिस मुख्यालय व महानिरीक्षक पुलिस कोटा रेंज, कोटा के निर्देशानुसार जिले के 05 पुलिस थानों के 8 प्रकरणों में जब्तशुदा अवैध मादक पदार्थ गांजा व डोडा चुरा व स्मैक को न्यायालय से भौतिक सत्यापन के बाद जिला औषधि व्ययन समिति द्वारा रिजर्व पुलिस लाईन बून्दी के परिसर में जलाकर नष्ट किया गया। पुलिस द्वारा 118 किलो 678 ग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा, डोडा चुरा व स्मैक को किया गया नष्ट।

जिला पुलिस अधीक्षक बून्दी ने बताया की जिले के पुलिस थानों के मालखाना एनडीपीएस एक्ट में जब्तशुदा मादक पदार्थों की वजह से लबालब भरे पड़े थे, जिससे अन्य जब्तशुदा मालों के रखने की समस्या आ रही थी। इसके निस्तारण की कार्यवाही के क्रम में पुलिस अधीक्षक कार्यालय की अपराध शाखा द्वारा संबंधित थानाधिकारियों से माल के निस्तारण के संबंध में प्रस्ताव प्राप्त कर, रिकॉर्ड तैयार किया गया। उक्त कार्यवाही के दौरान जिला पुलिस अधीक्षक बून्दी अवनीश कुमार शर्मा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बून्दी उमा शर्मा सहित संबंधित अधिकारी एवं पुलिस थानो के मालखाना प्रभारी आदि की उपस्थिति में आवश्यक रिकॉर्ड मिलान करने के बाद मादक पदार्थों का वजन किया गया तथा संबंधित मालों के वजन व नष्टीकरण के समय फोटो ग्राफी व विडियो ग्राफी करवाई गई। जिले के थाना सदर, कोतवाली, केशवराय पाटन, हिण्डोली व डाबी मे दर्ज कुल 8 प्रकरणों में सें अवैध मादक पदार्थ 101 किलोग्राम डोडा चुरा, 17 किलो 606 ग्राम गांजा तथा 72 ग्राम स्मैक को जिला पुलिस द्वारा कार्यवाही के दौरान तस्करों के कब्जे से जब्त किया गया था। उक्त सभी प्रकरणों में जब्तशुदा अवैध मादक पदार्थो को जिला औषधि व्ययन समिति बून्दी द्वारा रिजर्व पुलिस लाईन परिसर में जलाकर नष्ट किया गया।

लाइव म्यूजिक कॉन्सर्ट का आयोजन 3 मई को कोटा में

‘सृजन द स्पार्क’ का आयोजन, भव्या पंडित व अनिल श्रीवास्तव देंगे प्रस्तुति

स्मार्ट हलचल| कोटा

शहर के संगीत प्रेमियों के लिए एक यादगार संगीतमय संध्या का आयोजन 3 मई को किया जाएगा। प्रतिभाशाली गायकों को वैश्विक मंच उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सक्रिय संस्था ‘सृजन द स्पार्क’ के तत्वावधान में लाइव म्यूजिक कॉन्सर्ट आयोजित होगा।

मंगलवार को इस कार्यक्रम का पोस्टर विमोचन शहर पुलिस अधीक्षक तेजस्विनी गौत्तम द्वारा किया गया। पोस्टर विमोचन में एडिशनल एसपी प्रवीण जैन, सचिव संजीव अग्रवाल, उपाध्यक्ष अनिमेष जैन, कोषाध्यक्ष विकास जैन अजमेरा तथा प्रोजेक्ट डायरेक्टर विवेक जैन,अलंकार शर्मा,अजय जैन सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे। संस्था के अध्यक्ष डॉ. विजय सरदाना ने जानकारी देते हुए बताया कि कार्यक्रम रोड नंबर-1 स्थित सी.पी. ऑडिटोरियम में सायं 7:15 बजे से प्रारंभ होगा। सचिव संजीव अग्रवाल ने बताया कि कॉन्सर्ट में सुप्रसिद्ध पार्श्व गायिका भव्या पंडित तथा ‘के-किशोर कुमार’ फेम अनिल श्रीवास्तव अपनी प्रस्तुतियों से संगीत प्रेमियों को मंत्रमुग्ध करेंगे। यह आयोजन शहर के सांस्कृतिक परिदृश्य को नई ऊर्जा प्रदान करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है।

वंशराज ने दिल्ली में आयोजित प्रतियोगिता में सिल्वर मेडल प्राप्त किया

स्मार्ट हलचल

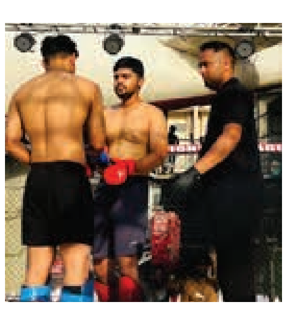

भवानी मंडी। शहर के महाकाल कॉलोनी निवासी वंशराज सिंह कछवाहा आत्मज भवँर सिंह कछवाहा ने देश की राजधानी दिल्ली में आयोजित एमएम ए (मिक्स्ड मार्शल आर्ट) प्रतियोगिता में सिल्वर मेडल प्राप्त किया। इस प्रतियोगिता में वंशराज ने राजस्थान का प्रतिनिधित्व करते हुए सिल्वर मेडल जीता । वंशराज शुरू से एक बॉक्सिंग खिलाड़ी है और कोटा में रहकर बॉक्सिंग एकेडमी में ट्रेनिंग भी ली है लेकिन एमएमए (मिक्स्ड मार्शल आर्ट) जैसी प्रतियोगिता में पहली बार ही भाग लिया वो भी बगैर किसी कोच के। यह प्रतियोगिता डब्लू डब्लू इ की तरह पिंजरे (केज) में आयोजित की जाती है जिसमे दोनों खिलाड़ी और रेफरी के अलावा कोई नहीं रहता।

रानपुर में श्रमिकों का सम्मान, उद्योगों की रीढ़ होते हैं कर्मचारी - गोविंदराम मित्तल

जेवीवीएनएल व रीको कर्मचारियों का सम्मान, रानपुर में श्रमिक दिवस उत्साह से मनाया

स्मार्ट हलचल| कोटा

विश्व श्रमिक शिक्षा एवं स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर लघु उद्योग भारती रानपुर इकाई के स्थापना दिवस पर श्रमिक दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम का आयोजन रानपुर औद्योगिक क्षेत्र में किया गया, जहां उद्योगों को निरंतर संचालित रखने में अहम भूमिका निभाने वाले जेवीवीएनएल एवं रीको के कर्मचारियों का सम्मान एवं अभिनंदन किया गया।

इस अवसर पर लघु उद्योग भारती के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य गोविंद राम मित्तल ने कहा कि औद्योगिक विकास की गति को बनाए रखने में श्रमिकों और विभागीय कर्मचारियों का योगदान आधारशिला के समान है।अध्यक्ष मनोज अग्रवाल ने कहा की कर्मचारियों की निष्ठा, परिश्रम और समर्पण को उद्योगों की सफलता का प्रमुख कारक हैं।

कार्यक्रम में लघु उद्योग भारती के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य गोविंद राम मित्तल, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष महेश गुप्ता, रानपुर इकाई अध्यक्ष मनोज अग्रवाल, सचिव नभ शर्मा, कोषाध्यक्ष पूरण गुप्ता, उपाध्यक्ष रजनीश सिंह चौहान, विकास मोहता, राजकुमार जैन, कार्यकारिणी सदस्य मानवेंद्र काबरा एवं उत्तम मराठा उपस्थित रहे।

इसके साथ ही कोटा इकाई अध्यक्ष अंकुर गुप्ता, सचिव संदीप जांगिड़, कपिल बाहेती, उत्तर इकाई अध्यक्ष संजय शर्मा एवं सचिव पुष्कल जैन सहित अन्य पदाधिकारी भी कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम के अंत में सभी कर्मचारियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भाजपा प्रभारी का पुतला फुंका

स्मार्ट हलचल |बानसूर

कस्बें के हरसोरा चौक पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट को लेकर विवादित टिप्पणी को लेकर भाजपा प्रदेश प्रभारी राधा मोहन दास अग्रवाल का पुतला फुंका। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं नें भाजपा प्रभारी के खिलाफ जमकर नारेबाजी की औंर पुतला दहन कर अपना विरोध जाहिर किया। युवा कांग्रेस के प्रदेश सचिव राजेश बागड़ी ने कहा कि एआईसीसी महासचिव व पूर्व डिप्टी सीएम कों लेकर इस प्रकार की अमर्यादित व अशोभनीय टिप्पणी की कड़ी निंदनीय हैं। बागड़ी नें राधा मोहन अग्रवाल से इस विवादित टिप्पणी के लिए सार्वजनिक माफी मांगने की मांग की। इस दौरान हंसराज योगी,दुलीचंद सोलंकी,रमेश यादव सहित कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहें।

अपना घर सेवा समिति ने एक और प्याऊ का किया शुभारंभ

स्मार्ट हलचल|शशिकांत शर्मा

वैर। भरतपुर राजस्थान में कस्वा वैर प्रेरणादाई पहल करते हुए अपना घर सेवा समिति शाखा वैर के द्वारा भैरव बाबा मंदिर प्रताप फोर्ट के पास वैर में जल मंदिर (प्याऊ)का शुभारंभ किया । जिसका उद्घाटन शिक्षाविद केदारनाथ खूंट वाले के द्वारा किया गया । इस भीषण गर्मी में प्यासे राहगीरों को अपना घर सेवा समिति के सदस्यों ने पानी पिला कर राहत पहुंचाई। इससे पूर्व वैर भुसावर रोड पर अपना घर सेवा समिति ने एक और जल मंदिर का संचालन किया। कार्यक्रम में समिति के सदस्य पुरूषोत्तम शर्मा , घमण्डी लाल मीणा, प्रहलाद सोनी, पदमा प्रजापति, रामप्रताप शास्त्री, योगेश भारद्वाज, सोनू सेन, मुकुट नगाइच, राजीव लोचन, सतीश सेठ, प्रेम सिंह आदि उपस्थित रहे ।

सीसी रोड निर्माण के बाद मुख्य सड़क पर बिखरी मिट्टी बनी मुसीबत, धूल से त्रस्त दुकानदार—कार्रवाई की मांग तेज

छीपाबड़ौद रोड पर सीसी निर्माण बना परेशानी का सबबः धूल, अव्यवस्था और हादसों का खतरा—रहवासियों में आक्रोश

स्मार्ट हलचल

हरनावदाशाहजी। कस्बे के व्यस्त छीपाबड़ौद मार्ग पर हाल ही में हुए सीसी सड़क निर्माण कार्य ने अब आमजन के लिए राहत की बजाय परेशानी खड़ी कर दी है। निर्माण कार्य में बरती गई लापरवाही, सड़क पर छोड़ी गई बारीक गिट्टी और मिट्टी, तथा अधूरी सफाई व्यवस्था के चलते पूरे क्षेत्र में धूल का गुबार बना हुआ है। इससे दुकानदारों, रहवासियों और राहगीरों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

जानकारी के अनुसार पीडब्लूडी विभाग के संवेदक द्वारा सड़क की दोनों साइडों पर सीसी निर्माण तो कर दिया गया, लेकिन कार्य में उपयोग ली गई गिट्टी और मिट्टी को मुख्य सड़क पर ही छोड़ दिया गया। दिनभर वाहनों की आवाजाही से यही सामग्री धूल बनकर उड़ रही है, जो दुकानों और मकानों के अंदर तक पहुंच रही है। व्यापारियों का कहना है कि इससे सामान खराब हो रहा है और ग्राहकी पर भी सीधा असर पड़ रहा है।

स्थानीय निवासी लोकेश गौतम ने आरोप लगाया कि ठेकेदार द्वारा निर्माण कार्य के बाद सफाई के नाम पर केवल लीपापोती की गई। सीसी पर डाले गए मिट्टी के ढेरों को हटाने के बजाय मशीन से इधर-उधर फैला दिया गया, जिससे समस्या और बढ़ गई। उन्होंने बताया कि पुलिस थाने से लेकर विवेकानंद सर्किल तक यही स्थिति बनी हुई है, जहां दिन-रात धूल उड़ती रहती है।

गुफा शिव मंदिर क्षेत्र में रास्ता बंद करने के दौरान डाली गई मिट्टी को नालियों में भर दिया गया, जो आज तक नहीं हटाई गई है। इससे नालियां जाम पड़ी हैं और गंदगी फैलने का खतरा बना हुआ है। वहीं कई स्थानों पर सीसी सड़क के किनारों पर मिट्टी नहीं भरने से सड़क के पास गहरी खाई जैसी स्थिति बन गई है, जिससे दुर्घटनाओं की आशंका बनी हुई है।

रहवासियों का कहना है कि इस संबंध में ठेकेदार को कई बार अवगत कराया जा चुका है, लेकिन हर बार केवल आश्वासन ही मिला। लोगों ने प्रशासन पर भी अनदेखी का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि कई बार शिकायत करने के बावजूद अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है।

वहीं, पीडब्ल्यूडी विभाग के कनिष्ठ अभियंता महावीर गोचर ने बताया कि सीसी रोड निर्माण कार्य के दौरान सड़क पर जमा मिट्टी और गिट्टी को जल्द ही हटवा दिया जाएगा। उन्होंने आश्वासन दिया कि सफाई कार्य शीघ्र कराकर आमजन को हो रही परेशानी से राहत दिलाई जाएगी। कस्बेवासियों ने मांग की है कि छीपाबड़ौद मार्ग की दोनों साइडों पर फैली निर्माण सामग्री को तुरंत हटाया जाए, नालियों की सफाई करवाई जाए और सड़क किनारों को समतल किया जाए, ताकि किसी भी अप्रिय घटना से पहले हालात सुधारे जा सकें। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन का रास्ता अपनाया जाएगा।

वृद्धाश्रम में हरित ऊर्जा की पहल, वृद्धजनों को मिलेगी निर्बाध बिजली

महावीर इंटरनेशनल यूथ की पहल, वृद्धाश्रम में सौर ऊर्जा से उजाला

स्मार्ट हलचल| कोटा

शहर के स्वामी विवेकानंद नगर स्थित सेवाधाम वृद्धाश्रम में सामाजिक सरोकार की दिशा में एक सराहनीय पहल करते हुए महावीर इंटरनेशनल यूथ सेंटर कोटा के सहयोग से सोलर पैनल सिस्टम स्थापित किया गया। इस व्यवस्था से अब वृद्धाश्रम में रह रहे वृद्धजनों को निरंतर एवं निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित हो सकेगी।

संस्था के अध्यक्ष डॉ. सुनील जैन ने बताया कि सोलर पैनल के माध्यम से वृद्धाश्रम की दैनिक आवश्यकताओं—जैसे प्रकाश, पंखे एवं अन्य आवश्यक उपकरणों के संचालन हेतु पर्याप्त बिजली उपलब्ध होगी। इससे न केवल विद्युत समस्या का समाधान होगा, बल्कि बिजली बिल में होने वाली बचत राशि को वृद्धजनों की देखभाल एवं अन्य आवश्यक कार्यों में उपयोग किया जा सकेगा। उन्होंने इसे पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम बताया। वृद्धाश्रम के संचालक मनोज जैन आदिनाथ ने इस पहल पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार के प्रयास समाज में सकारात्मक संदेश देते हैं और अन्य संस्थाओं को भी जनहित में आगे आने के लिए प्रेरित करते हैं।

इस अवसर पर महावीर इंटरनेशनल यूथ के पूर्व अध्यक्ष अंकित जैन, वर्तमान कोषाध्यक्ष कुलदीप जैन सहित सदस्य अंकुर नागर, राहुल जैन, स्वप्निल जैन एवं वत्सल जैन उपस्थित रहे। कार्यक्रम में अमित जैन, सीमा जैन, अनिता, प्रद्युम्न, जयंती, निवेदी, आर्जव एवं चार्वी सहित अन्य गणमान्यजन भी मौजूद रहे।

आखिर दुनिया का 'थानेदार' ट्रंप और उनका अमेरिका खुद इतना असुरक्षित क्यों है?

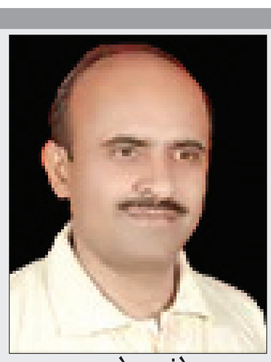

कमलेश पांडेय

अमेरिका लंबे समय से खुद को विश्व नेतृत्व की भूमिका में रखता है। जब कोई देश या नेता इतनी बड़ी जिम्मेदारी उठाता है, तो हर निर्णय पर आलोचना और चुनौती स्वाभाविक होती है-चाहे वह शीत युद्ध के बाद की वैश्विक व्यवस्था हो या आज की बहुध्रुवीय दुनिया, अमेरिका ने हर चुनौतियों से सीखा और बेहतर समाधान देने की कोशिश की।

आखिर दुनिया का 'थानेदार' कहे जाने वाला अमेरिका खुद असुरक्षित क्यों दिखता है? असल में यह एक मिथक औ? हकीकत का मिश्रण है। अमेरिका के नेता, जैसे डोनाल्ड ट्रम्प के 'असुरक्षित' दिखने के पीछे कई परतें होती हैं, क्योंकि उनकी मौजूदगी वाले स्थल पर यह तीसरा बड़ा हमला है। इसलिए यह सिर्फ व्यक्तिगत नहीं, बल्कि राजनीतिक, संस्थागत और वैश्विक कारणों का मिश्रण है।

पहला, वैश्विक नेतृत्व का दबावः अमेरिका लंबे समय से खुद को विश्व नेतृत्व की भूमिका में रखता है। जब कोई देश या नेता इतनी बड़ी जिम्मेदारी उठाता है, तो हर निर्णय पर आलोचना और चुनौती स्वाभाविक होती है-चाहे वह शीत युद्ध के बाद की वैश्विक व्यवस्था हो या आज की बहुध्रुवीय दुनिया, अमेरिका ने हर चुनौतियों से सीखा और बेहतर समाधान देने की कोशिश की।

दूसरा, घरेलू राजनीति की तीखी प्रतिस्पर्धाः डॉनल्ड ट्रंप की राजनीति बहुत ध्रुवीकृत रही है। अमेरिका के अंदर ही डेमोक्रेट और रिपब्लिकन के बीच तीखी टकराहट, मीडिया की आलोचना, और चुनावी दबाव–ये सब किसी भी नेता को 'रक्षात्मक' या असुरक्षित दिखा सकते हैं।

तीसरा, कानूनी और व्यक्तिगत विवादः ट्रंप कई कानूनी मामलों, जांचों और विवादों से घिरे रहे हैं। ऐसी स्थिति में कोई भी नेता अपनी छवि और राजनीतिक भविष्य को लेकर सतर्क–कभी-कभी असुरक्षित–दिख सकता है।

चौथा, बदलती वैश्विक शक्ति-संतुलनः अब दुनिया एकध्रुवीय नहीं रही। चीन, रूस जैसे देश चुनौती दे रहे हैं। इससे अमेरिका की 'थानेदार' वाली स्थिति पहले जैसी निर्विवाद नहीं रही, और यह असुरक्षा की भावना पैदा कर सकता है।

पांचवां, पॉपुलिस्ट (जनप्रिय) राजनीति की शैलीः
ट्रंप की राजनीति में 'हम बनाम वे' का नैरेटिव मजबूत रहा है। इस शैली में नेता अक्सर खतरे को बड़ा दिखाते हैं–चाहे वह बाहरी हो या आंतरिक–ताकि समर्थकों को एकजुट रखा जा सके। इससे भी 'असुरक्षा' का आभास होता है।

छठा, 'असुरक्षा' का एहसास बनाम असली आंकड़े;
अमेरिका में लंबे समय में अपराध दर (crime rate) घटी है, खासकर 1990 के बाद से, लेकिन फिर भी लगभग 46% लोग खुद को असुरक्षित महसूस करते हैं। यानी समस्या सिर्फ

अपराध नहीं, बल्कि डर का माहौल भी है कारण स्पष्ट है कि मीडिया, सोशल मीडिया, और मास शूटिंग जैसी घटनाएं लोगों के दिमाग में डर बढ़ाती हैं।

सातवां, आर्थिक असमानताः अमेरिका दुनिया का सबसे अमीर देशों में है, लेकिन अमीर-गरीब का अंतर बहुत बड़ा है बेरोजगारी, घर विहीनता, opioid crisis जैसी समस्याएं अपराध को बढ़ाती हैं। जहां असमानता ज्यादा होती है, वहां अपराध और असुरक्षा भी ज्यादा होती है।

आठवां, हथियार संस्कृतिः अमेरिका में आम नागरिक के पास बड़ी संख्या में हथियार हैं। इससे छोटी घटनाएं भी घातक बन सकती हैं, जैसे शूटिंग इंसीडेंट्स। यही कारण है कि हिंसात्मक अपराध का डर ज्यादा रहता है।

नौवां, अपराध का 'केंद्रित' होनाः पूरे अमेरिका में समान खतरा नहीं है, बल्कि अपराध कुछ खास शहरों या इलाकों में ज्यादा केंद्रित होता है। इसलिएः कुछ जगह बहुत सुरक्षित है पर कुछ जगह बहुत खतरनाक।

दसवां, मीडिया और राजनीति का प्रभावः लगातार चौबीस घण्टे सातों दिन न्यूज और सोशल मीडिया 'खतरे' को अम्प्लीफाय (amplify) करते हैं। लोग वास्तविकता से ज्यादा डर महसूस करते हैं। 'भय अर्थव्यवस्था' भी एक फैक्टर है।

ग्यारहवां, पुलिस और सिस्टम की सीमाएँः अमेरिका पुलिस और जेल पर बहुत खर्च करता है, फिर भी मूल कारणों, जैसे- गरीबी, मानसिक स्वास्थ्य, नशा आदि पर कम ध्यान दिया जाता है। इसलिए सुरक्षा का ढांचा 'प्रतिक्रियावादी' है, 'सुरक्षात्मक/संरक्षात्मक' कम।

बारहवां, सामाजिक व्यवहार और जीवनशैलीः सड़क हादसे, नशा, मानसिक तनाव–ये भी असुरक्षा के बड़े कारण हैं कई मामलों में व्यवहार भी जिम्मेदार है।

निष्कर्षतः यह कहा जा सकता है कि अमेरिका 'कमजोर' नहीं है, लेकिनःआर्थिक असमानता, हथियार संस्कृति, सामाजिक तनाव और मीडिया द्वारा बढ़ा डर आदि के कारण एक शक्तिशाली देश भी अंदर से असुरक्षित महसूस करता है।

उल्लेखनीय है कि ट्रंप की हालिया सुरक्षा चूक व्हाइट हाउस कॉरेस्पॉन्डेंट्स डिनर (25 अप्रैल 2026) के दौरान हुई, जब एक संदिग्ध ने होटल में घुसकर गोली चलाई। अमेरिकी अधिकारी अभी जांच कर रहे हैं, लेकिन कोई निश्चित समय सारिणी घोषित नहीं की गई है। 25 अप्रैल 2026 को वॉशिंगटन के हिल्टन होटल में डिनर के दौरान एक संदिग्ध (कोल एलन) ने शॉटगन, पिस्तौल और चाकू लहराते हुए सिक्योरिटी चेकपॉइंट तोड़ा और गोली चलाई। सीक्रेट सर्विस ने ट्रंप, मेलानिया ट्रंप, उपराष्ट्रपति जेडी वेंस समेत नेताओं को सुरक्षित निकाला; एक एजेंट को गोली लगी लेकिन बुलेटप्रूफ वेस्ट से बच गया।

बहरहाल, जांच की स्थिति यह है कि FBI की एंटी-टेरर यूनिट जांच लीड कर रही है, जिसमें हथियार, गवाह बयान और संदिग्ध के मैनिफेस्टो की पड़ताल शामिल है। एक्टिंग अटॉर्नी जनरल टॉड ब्लैंच ने कहा कि संदिग्ध ट्रंप व उनकी टीम को टारगेट बना रहा था, लेकिन वो सहयोग नहीं कर रहा। ट्रंप ने इसे सिक्योरिटी सक्सेस बताया, पर सुरक्षा प्रोटोकॉल पर सवाल उठे हैं।

आखिर जवाब कब? तो अधिकारियों ने लाइव अपडेट दिए हैं, लेकिन सुरक्षा चूक के सवालों (जैसे चेकपॉइंट कैसे टूटा) पर कोई अंतिम रिपोर्ट या सुनवाई की तारीख की घोषणा नहीं हुई। जांच जारी है, अतिरिक्त विवरण आने पर बयान संभव। इससे पहले ट्रंप पर 13 जुलाई 2024 के हमले (पेंसिल्वेनिया रैली) की जांच में जुलाई 2025 में जारी अमेरिकी सीनेट रिपोर्ट ने सीक्रेट सर्विस की गंभीर चूक उजागर की। यह 2026 की हालिया घटना से जुड़ी नहीं, बल्कि पुरानी घटना पर आधारित है।

मुख्य निष्कर्ष यह है कि विश्वसनीय खुफिया सूचना के बावजूद सीक्रेट सर्विस ने कोई उचित कार्रवाई नहीं की; खतरे को नजरअंदाज किया। वहीं, स्थानीय पुलिस के साथ समन्वय की कमी, खासकर पास की छत को सुरक्षित न करना। संचार, तकनीकी और मानवीय चूकें; कोई बड़ा अधिकारी बर्खास्त नहीं, सिर्फ 6 पर हल्की कार्रवाई।

इसलिए सिफारिशें की गईं कि जिम्मेदारों को दंडित करने, सुरक्षा सुधार और तालमेल मजबूत करने की मांग की। चेयरमैन रैंड पॉल ने इसे 'पूरी विफलता' बताया। सीक्रेट सर्विस ने स्वीकार किया और सुधार शुरू किए। सीक्रेट सर्विस ने 2024 ट्रंप हमले (पेंसिल्वेनिया रैली) की चूक के बाद कई सुधारात्मक कदम उठाए, जिनमें एजेंटों पर कार्रवाई और प्रक्रियागत बदलाव शामिल हैं। ये कदम सीनेट रिपोर्ट (2025) के बाद तेज हुए।

वहीं, एजेंटों पर कार्रवाई हुई। 6 एजेंटों को सस्पेंड किया, 10-42 दिनों की सैलरी कटौती और गैर-ऑपरेशनल पदों पर स्थानांतरित। पूर्व डायरेक्टर किम्बर्ली चीटल ने इस्तीफा दिया। वहीं, प्रक्रियागत सुधार किए गए। स्थानीय पुलिस/एजेंसियों के साथ समन्वय, संचार और सुरक्षा मैनुअल को संशोधित। हवाई निगरानी के लिए अलग डिवीजन, खतरे मूल्यांकन में स्पष्ट जिम्मेदारियां। कांग्रेस ने राष्ट्रपति उम्मीदवारों के लिए सुरक्षा बढ़ाने वाला विधेयक पारित किया।

संपादकीय

चिट्टे के खिलाफ महिलाएं

आमतौर पर नशाखोरी के खिलाफ जब किसी गांव को ह्यरेड जोनह्व घोषित किया जाता है, तो यह आधिकारिक तौर पर एक सामाजिक चेतावनी होती है। लेकिन शिमला के कुछ हिस्सों में घोषित यह चेतावनी पुलिस या प्रशासन द्वारा नहीं, बल्कि उन महिलाओं द्वारा जारी की गई है जो परिवारों व समाज को नशे के नासूर से बचाना चाहती हैं। पति हो या बेटा, नशे की हर त्रासदी का त्रास महिलाएं ही भुगतती हैं। वह चाहे किसी अपने को असमय खोना हो या आर्थिक रूप से परिवारिक क्षति हो। यही वजह है कि नशे के खिलाफ अभियान को जमीनी हकीकत बनाने के मकसद से माताएं, बहनें और पत्नियां घर की चौखट से बाहर निकलकर सार्वजनिक रूप से मुखर हुई हैं। महिलाओं के नेतृत्व में चलने वाले इस अभियान को गति देने के लिये सतर्कता समूह बनाये गए हैं। जिसमें नशे के कारोबार और संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने के लिये रात्रि गश्त भी शामिल है। साथ ही नशे की लत के शिकार लोगों को नशामुक्ति केंद्रों तक ले जाने में पहल की जा रही है। निस्संदेह, महिलाएं पुरुष व्यवहार को समझने में खासी संवेदनशील होती हैं। वे नशा करने वाले किसी पारिवारिक सदस्य के व्यवहार में बदलाव, भावनात्मक टूटन व नशे के कारण होने वाली आर्थिक तंगी पर पैनी दृष्टि रखती हैं। उनके व्यक्तिगत अनुभवों के फलस्वरूप वे आधिकारिक रिपोर्ट आने से पहले ही नशे की लत में जकड़े लोगों को पहचानने का प्रयास करती हैं।

निस्संदेह, जमीनी स्तर पर चलाए जा रहे इस अभियान के सार्थक परिणाम आने की उम्मीद जगी है। निर्विवाद रूप से पुलिस व प्रशासन की छापेमारी और गिरफ्तारियां नशे की आपूर्ति पर किसी हद तक अंकुश लगा सकती हैं, लेकिन टूट-बिखर रहे घरों को नहीं बचाया जा सकता। निस्संदेह, नशाखोरी के कई सामाजिक आयाम भी हैं, जिसे सामाजिक स्तर पर पहल करके रोका जा सकता है। रचनात्मक पहल से ही उन कारकों को संबोधित किया जा सकता है जो नशीले पदार्थों को बढ़ावा देते हैं। वाकई सामुदायिक स्तर पर सतर्कता बेहद जरूरी है और महिलाएं इसका नेतृत्व करने में सक्षम भूमिका का निर्वहन कर सकती हैं। सही मायनों में हिमाचल सरकार की ह्यचिट्टा विरोधी पदयात्राह्व और ह्यमहिला मंडलोंह्व की सार्थक पहल का स्वागत किया जाना चाहिए। निस्संदेह, इस रचनात्मक पहल को संस्थागत स्तर भी समर्थन देने की जरूरत है क्योंकि नशे के कारोबार में संगठित गिरोह भी गहरे तक जुड़े रहते हैं। ऐसे में मादक पदार्थों के तस्करों का सामना करने वाली महिलाओं को अपराधियों की धमकी आदि जोखिमों का सामना करना पड़ सकता है। जिसके लिये सक्रिय पुलिसिंग, गवाहों को सुरक्षा देने, नशा मुक्ति के लिए पुनर्वास सुविधाएं और लगातार जागरूकता अभियान चलाने की आवश्यकता भी होगी। सेवाभाव के लिये प्रसिद्ध पंजाब के लोगों को भी इस रचनात्मक पहल का अनुकरण करना चाहिए। वाकई पंजाब में नशे की चुनौती खासी बड़ी है। युवाओं को नशे की दलदल से बचाने के लिये एक बड़ी पहल की जरूरत महसूस की जा रही है।

चिंतन-मनन

राजा का खजाना

फारस के शासक साइरस अपनी प्रजा की भलाई में जुटे रहते थे। लेकिन खुद उनका जीवन सादगी से भरा था। वह रियासत की सारी आमदनी व्यापार, उद्योग और खेतीबाड़ी में लगा देते थे। इस कारण शाही खजाना हल्का रहता था। लेकिन प्रजा खुशहाल थी। एक दिन साइरस के दोस्त और पड़ोसी शासक प्रोशियस उनके यहां आए। उनका मिजाज साइरस से बिल्कुल अलग था। उन्हें प्रजा से ज्यादा अपनी खुशहाली की चिंता रहती थी। उनका खजाना हमेशा भरा रहता था। बातों-बातों में जब प्रोशियस को साइरस के खजाने का हाल मालूम हुआ तो उन्होंने साइरस से कहा, अगर आप इसी तरह प्रजा के लिए खजाना लुटाते रहोगे तो एक दिन वह एकदम खाली हो जाएगा। आप कंगाल हो जाओगे।

अगर आप भी मेरी तरह खजाना भरने लगें तो आपकी गिनती मेरी तरह सबसे धनी शासकों में होने लगेगी। साइरस मुस्कराए फिर बोले आप दो दिन ठहरिए मैं इस मामले में लोगों का इम्तिहान लेना चाहता हूं। उन्होंने घोषणा करवा दी कि एक बहुत बड़े काम के लिए साइरस को दौलत की निहायत जरूरत है। उन्हें पूरी उम्मीद है कि प्रजा मदद करेगी। दो दिन पूरा होने से पहले ही शाही महल के बाहर मोहरों, सिक्कों व जेवरों का बड़ा ढेर लग गया। यह देख प्रोशियस हैरत में पड़ गए। साइरस ने कहा, मैंने रियासत का खजाना लोगों की खुशहाली पर खर्च करके एक तरह से उन्हीं को सौंप दिया है। लोग उसमें इजाफा करते रहते हैं। मुझे जब जरूरत होगी वे मुझे लौटा देंगे जबकि तुम्हारा खजाना बांझ है, वह कोई बढ़ोतरी नहीं कर रहा है।

दल-बदल की दस्तक और लोकतंत्र की अग्नि परीक्षा

विनोद कुमार सिंह

वर्तमान के बदलते राजनीतिक परिदृश्य में नैतिकता का प्रश्न – चुनावी सरगर्मियों के बीच सत्ता, सिद्धांत और स्वार्थ की टकराहट, क्या लोकतंत्र का असली 'राजा' अभी भी जागरूक मतदाता है?

वैश्विक राजनीतिक परिदृश्य इस समय अस्थिरताओं, वैचारिक टकरावों और सत्ता-संतुलन के नए समीकरणों से गुजर रहा है। यदि भारतीय लोकतंत्र के भीतर झांका जाए तो यहाँ भी कम उथल-पुथल नहीं दिखती।देश के चार राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश में विधानसभा चुनावों की गहमागहमी ने राजनीतिक तापमान को पहले ही ऊँचाई पर पहुँचा दिया है।इसी बीच आम आदमी पार्टी के सात राज्यसभा सांसदों द्वारा पार्टी छोड़कर भारतीय जनता पार्टी का दामन थाम लेना इस तापमान को भुचाल में बदलता प्रतीत हो रहा है। यह घटनाक्रम केवल एक दल से दूसरे दल में जाने भर का मामला नहीं है। यह भारतीय राजनीति की उस गहराई को उजागर करता है जहाँ सिद्धांत और स्वार्थ के बीच संघर्ष निरंतर जारी है।जब हम इस घटनाक्रम की पृष्ठभूमि में जाते हैं, तो उस आंदोलन की स्मृति ताजा हो उठती है जिसने भारतीय राजनीति को एक नई दिशा देने का दावा किया था।अन्ना हजारे के नेतृत्व में चला जनलोकपाल आंदोलन केवल भ्रष्टाचार के खिलाफ एक आवाज नहीं था। वह एक नैतिक क्रांति का प्रतीक बन गया था।इसी आंदोलन की कोख से अरविन्द केजरीवाल ने एक राजनीतिक दल के रूप में आम आदमी पार्टी का निर्माण किया। यह एक ऐसा प्रयोग था जिसने पारंपरिक राजनीति को चुनौती देते हुए पारदर्शिता, जवाबदेही और जनभागीदारी को अपने मूल सिद्धांतों में शामिल किया। दिल्ली की सत्ता में एक दशक तक बने रहना और राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा हासिल करना इस प्रयोग की सफलता का प्रमाण माना गया।किन्तु समय के साथ यह भी स्पष्ट होता गया कि आदर्शों की जमीन पर खड़ी राजनीति को सत्ता के गलियारों में टिकाए रखना सरल नहीं होता।आज जब उसी पार्टी के सात राज्यसभा सांसद - जिनमें राघव चड्ढा और हरभजन सिंह जैसे चर्चित नाम शामिल हैं–दल बदलते हैं, तो यह केवल एक संगठनात्मक संकट नहीं रह जाता।यह उस वैचारिक प्रतिबद्धता पर भी प्रश्नचिह्न खड़ा करता है जो कभी इस पार्टी की पहचान हुआ करती थी। इस पूरे घटनाक्रम पर अन्ना हजारे की प्रतिक्रिया अत्यंत महत्वपूर्ण और विचारणीय है।उन्होंने जिस स्पष्टता के साथ दलबदल विरोधी कानून को सख्त बनाने की आवश्यकता पर बल दिया,वह केवल एक राजनीतिक टिप्पणी नहीं है। वह लोकतंत्र की आत्मा को बचाने की पुकार है।उनका यह कहना कि वर्तमान व्यवस्था में नेता व्यक्तिगत स्वार्थ के आधार पर पार्टी बदल लेते हैं,भारतीय राजनीति की एक कटु सच्चाई को सामने लाता है। यह सच्चाई किसी एक दल या व्यक्ति तक सीमित नहीं है। यह एक व्यापक प्रवृत्ति बन चुकी है जिसने लोकतांत्रिक मूल्यों को धीरे-धीरे क्षीण किया है।भारतीय संविधान की आत्मा समाज और राष्ट्र के कल्याण में निहित है।यह किसी राजनीतिक दल के हितों की रक्षा के लिए नहीं बना। जब राजनीति का केंद्र बिंदु सेवा से हटकर सत्ता और संसाधनों के नियंत्रण पर केंद्रित हो जाता है, तब ऐसे विचलन स्वाभाविक हो जाते हैं। अन्ना हजारे ने जिस 'सत्ता से पैसा और पैसे से सत्ता' के दुष्चक्र की बात कही,वह आज की राजनीति का यथार्थ चित्रण है। यह दुष्चक्र केवल भ्रष्टाचार को जन्म नहीं देता, बल्कि जनविश्वास को भी गहरी चोट पहुँचाता है।दल-बदल का यह प्रकरण हमें सोचने पर विवश करता है कि क्या हमारे लोकतंत्र में वैचारिक प्रतिबद्धता अब गौण होती जा रही है। क्या राजनीतिक दल केवल अवसरवादिता के मंच बनकर रह गए हैं। जब कोई नेता किसी विचारधारा के आधार पर जनता का समर्थन प्राप्त करता है और बाद में उसी विचारधारा को त्याग देता है, तो यह केवल व्यक्तिगत निर्णय नहीं होता। यह मतदाता के विश्वास के साथ एक प्रकार का विश्वासघात भी है। हालाँकि अन्ना हजारे ने इस घटनाक्रम में सीधे तौर पर सांसदों की आलोचना करने से परहेज किया।उन्होंने अंतिम जिम्मेदारी जनता पर डालते हुए उसे लोकतंत्र का 'राजा' बताया। यह दृष्टिकोण भारतीय लोकतंत्र की मूल भावना को दर्शाता है जहाँ अंतिम शक्ति जनता के हाथ में निहित है। यदि मतदाता जागरूक और विवेकपूर्ण निर्णय ले, तो राजनीति में व्याप्त अनेक विसंगतियों को सुधारा जा सकता है।फिर भी एक महत्वपूर्ण प्रश्न अनुत्तरित नहीं रहना चाहिए।क्या केवल मतदाता की जागरूकता ही पर्याप्त है। क्या राजनीतिक दलों और नेताओं की कोई नैतिक जिम्मेदारी नहीं बनती।लोकतंत्र केवल चुनावों का नाम नहीं है। यह एक सतत प्रक्रिया है जिसमें पारदर्शिता,जवाबदेही और नैतिकता का समावेश अनिवार्य है। यदि इन मूल्यों की अनदेखी होती है,तो लोकतंत्र का ढाँचा भले ही कायम रहे,उसकी आत्मा धीरे-धीरे क्षीण हो जाती है।भारतीय राजनीति में दलबदल की समस्या नई नहीं है। साठ और सत्तर के दशक में यह प्रवृत्ति इतनी बढ़ गई थी कि इसे 'आया राम,गया राम' की संज्ञा दी गई। इसके बाद दलबदल विरोधी कानून लाया गया, लेकिन समय के साथ उसमें कई खामियाँ सामने आईं।आज आवश्यकता इस बात की है कि इस कानून को अधिक प्रभावी बनाया जाए,ताकि कोई भी जनप्रतिनिधि व्यक्तिगत लाभ के लिए अपने जनादेश का दुरुपयोग न कर सके।

वर्तमान घटनाक्रम यह भी संकेत देता है कि आम आदमी पार्टी के भीतर पिछले कुछ समय से मतभेद और टकराव की स्थिति बनी हुई थी। यह दर्शाता है कि किसी भी राजनीतिक दल के भीतर आंतरिक लोकतंत्र का सशक्त होना कितना आवश्यक है।जब संवाद और असहमति के लिए पर्याप्त स्थान नहीं होता,तब असंतोष अंततः विद्रोह का रूप ले लेता है। भारतीय जनता पार्टी द्वारा इन सांसदों का स्वागत किया जाना भी एक राजनीतिक रणनीति का हिस्सा है। हर राजनीतिक दल अपने विस्तार और मजबूती के लिए ऐसे अवसरों का उपयोग करता है। लेकिन यहाँ यह प्रश्न भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि क्या केवल संख्या बल बढ़ाना ही राजनीति का उद्देश्य होना चाहिए, या फिर वैचारिक संगति और नैतिक आधार को भी समान महत्व दिया जाना चाहिए।यह पूरा घटनाक्रम हमें लोकतंत्र के मूल प्रश्नों की ओर वापस ले जाता है। क्या हम केवल सत्ता परिवर्तन को ही लोकतंत्र मानते हैं,या उसके मूल्यों और आदर्शों को भी उतना ही महत्व देते हैं। क्या राजनीति केवल एक पेशा बनकर रह गई है,या यह अभी भी सेवा का माध्यम है।

आज जब देश के विभिन्न हिस्सों में चुनाव हो रहे हैं,ऐसे समय में मतदाताओं के लिए एक महत्वपूर्ण संदेश लेकर आता है। यह संदेश है कि वे केवल वादों और नारों के आधार पर नहीं,बल्कि नेताओं के आचरण और उनकी वैचारिक प्रतिबद्धता के आधार पर अपने प्रतिनिधियों का चयन करें,क्योंकि अंततः वही लोकतंत्र को मजबूत या कमजोर बनाता है।अरविन्द केजरीवाल के नेतृत्व में उभरी राजनीति ने एक समय लोगों को यह विश्वास दिलाया था कि व्यवस्था को बदला जा सकता है। आज उसी व्यवस्था के भीतर इस प्रकार के घटनाक्रम यह संकेत देते हैं कि परिवर्तन की राह आसान नहीं होती। उसे बनाए रखना उससे भी अधिक कठिन होता है।यह समय केवल आलोचना या समर्थन का नहीं है।यह आत्ममंथन का समय है। राजनीतिक दलों को अपने भीतर झांकना होगा और यह देखना होगा कि वे अपने मूल सिद्धांतों से कितनी दूर चले गए हैं। मतदाताओं को भी यह तय करना होगा कि वे किस प्रकार की राजनीति को प्रोत्साहित करना चाहते हैं। अंततः लोकतंत्र की मजबूती किसी एक दल,एक नेता या एक घटना पर निर्भर नहीं करती।यह उस सामूहिक चेतना पर निर्भर करती है जो समाज के प्रत्येक नागरिक में विद्यमान होती है।यदि यह चेतना जागृत और सक्रिय रहती है,तो कोई भी दुष्चक्र अधिक समय तक टिक नहीं सकता। आज जब भारतीय राजनीति एक नए मोड़ पर खड़ी है,तब यह आवश्यक हो जाता है कि हम केवल घटनाओं को देखने तक सीमित न रहें।हमें उनके पीछे छिपे संकेतों को भी समझना होगा। यही समझ हमें एक बेहतर,सशक्त और नैतिक लोकतंत्र की ओर ले जा सकती है जहाँ सत्ता नहीं,बल्कि सिद्धांत सर्वोपरि हों।

बिहार में बीजेपी का अपना मुख्यमंत्री आखिर राज क्या है

संजय गोस्वामी

बिहार में लगता है कहीं फिर होगा सुशासन की जगह कूशासन ना हो जाए क्योंकि नीतीश सरकार सेवामुक्त हो चुकी है और वहाँ की विपक्ष हमलावर दिखाई दे रही है आखिर इसके पीछे की मंशा क्या थी ये सभी को मालूम थी कि बीजेपी अपना मुख्यमंत्री चाहती है मुख्यमंत्री की रेश में नित्यानंद राय का भी नाम था जो अच्छा आदमी है बोलचाल की भाषा में, बिहार में जिस तरह से नीतीश कुमार को मुख्य मंत्री पद से सेवामुक़्त किया गया और राज्यसभा का सांसद के लिए मनाया गया और फिर उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को बनाया गया इससे छोटे दलों में ही नाराजगी नहीं है बल्कि बीजेपी का एक बड़ा वर्ग भी इससे नाराज है इसके पहले पूर्व में ऊर्जा मंत्री रह चूके डॉ आर के सिंह ने सम्राट चौधरी को लेकर सवाल किये वो पार्टी को लेकर बेहद चिंताजनक बात है खासकर बिहार को लेकर बीजेपी कई चेहरा थे जो साफ छवि और पढ़े लिखें थे और वर्षो का तजुर्बा था जैसे श्री नन्द किशोर यादव, वहाँ के बीजेपी के सांसद राजीव प्रताप रूड़ी जो पूर्व में वाजपेयी सरकार में सिविल एविएशन मिनिस्टर थे सम्राट चौधरी को मुख्यमंत्री बनाए जाना समझ से बाहर है क्योंकि उनके बोल चाल की भाषा पढ़े लिखे लोगों को पसंद नहीं आती है और शायद बाद में बिहार में बीजेपी को नुकसान हो सकता है नीतीश कुमार ने जानबूझकर उन्हें बनाने पर जोर दिया ताकि सम्राट चौधरी फिर कोई हरकत करेंगे और इसका खामियाजा बीजेपी को अगले चुनाव में क्या बंगाल के चुनाव में ही देखने को मिलेगा जहाँ ममता दीदी की सरकार पूर्ण बहुमत से बन रही है जिसमें निर्णायक भूमिका महिलाओ की होंगी और बिहार के सीएम नीतीश कुमार जिस तरह बिहार में महिलाओ को एक सम्मान दिया इससे पश्चिम बंगाल में असर दिखेगा क्योंकि बिहार और बंगाल की सीमा सटी है जहाँ तक कुर्मी वोटर का सवाल है वो भी पश्चिम बंगाल में एंटी बीजेपी को गया है जिसकी संख्या काफी अधिक है इसलिए नीतीश कुमार ने बंगाल चुनाव से पहले ही खेल कर दिया और यूपी में भी बाद में असर आएगा आखिर बिहार में नीतीश कुमार को हटाने की जरुरत क्या थी स्वास्थ्य को लेकर जहाँ तक बात है तो राज्यसभा के सांसद भी नहीं बनाना चाहिए और क्या केंद्र में कोई अहम मंत्रालय मिलेगा सब तो भर गए फूड या उससे सम्बंधित मंत्रालय ही मिलेगा जो नीतीश कुमार लेंगे नहीं जहाँ तक बिहार के विकास की बात है तो बुलडोजर से विकास नहीं होगा क्योंकि इससे गरीबो का रोजगार चौपट होता है जब ईरान में घायल मुर्तजा खामनेई बेड पर रहकर भी ईरान की सत्ता चला रहे हैं और आईआरजीसी और वहाँ के मंत्री में टकराव देखने को मिला है उससे ऐ साफ जाहिर है कि देश या राज्य चलाऐ रखने हेतु हेल्थ कोई मुद्दा नहीं होता निर्णय लेना ही महत्वपूर्ण होता है और जिस तरह नीतीश कुमार जब मुख्यमंत्री थे तब बिहार में इन्वेस्टमेंट के कई फाइल को रिजेक्ट किया था जो उनके हिसाब से बिहार जैसे गरीब राज्य में अगर इन्वेस्टमेंट हुआ तो तोड़फोड़ होगा जमीनों पर कब्जा होगा और गरीबों को नुकसान होगा इसलिए बिहार में बीजेपी ने नीतीश कुमार को राज्यसभा में लाकर सेल्फ गोल कर लिया है जोड़ तोड़ की राजनीति ज्यादा दिनों तक नहीं चलती और दूसरे के घर में झंकाना सही नहीं है इससे समय बर्बाद होता है और व्यक्तिगत आरोप लगता है जो राजनीति में गलत है अब आमआदमी पार्टी के 3 राज्यसभा सांसद आम आदमी पार्टी छोड़कर बीजेपी में गए हैं सही नहीं है आपको कभी किसी पार्टी ने विश्वास में लिया है तो धोखा देना सही नहीं है अब केजरीवाल के घर का वीडियो दिखाया जा रहा है और बीजेपी आरोप लगा रही है कि इतना बड़ा महल कैसे बनाया, ये व्यक्तित आरोप है इससे बचना चाहिए क्योंकि जब भी माननीय प्रधानमंत्री श्री मोदीजी के ऊपर जब भी किसी बिपक्षी पार्टी ने व्यक्तित आरोप लगाएं हैं तब तब उस पार्टी का बहुत नुकसान हुआ है अतः राजनीति में व्यक्तित आरोप से बचना चाहिए। दरअसल बिहार में बीजेपी का अपना मुख्यमंत्री ऐसा चाहिए जो बीजेपी के हाई कमान की बात को माने और सही गलत जो भी हो उसकी मयार्दा का पालन करना है।

लटकती त्वचा से पाएं निजात

कई महिलाओं को लगता है कि केवल पार्लर ट्रीटमेंट या महंगे प्रोडक्ट्स ही खूबसूरती निखारते हैं, लेकिन सच्चाई इससे काफी अलग है। कई ऐसे पौधे मौजूद हैं जो स्किन के लिए किसी नेचुरल ब्यूटी प्रोडक्ट से कम नहीं। अगर आप लटकी हुई त्वचा या डल फेस से परेशान हैं, तो एक आसान नुस्खा आपकी स्किन को फिर से टाइट और ग्लोइंग बना सकता है।

सबसे पहले ये समझना जरूरी है कि स्किन का लटकना या ढीलापन सिर्फ उम्र के कारण नहीं होता। आजकल 25-30 साल की उम्र में भी लोग स्किन के लटकने की शिकायत करने लगे हैं। इसका कारण है लगातार स्क्रीन टाइम, नींद की कमी, केमिकल बेस्ड क्रीम्स और खराब खानपा।. जब स्किन के नीचे मौजूद कोलेजन कम होने लगता है, तो चेहरे पर कसावट भी घट जाती है। ऐसे में नेचुरल इंग्रीडिएंट्स से स्किन को अंदर से पोषण देना सबसे बेहतर तरीका है।

स्किन को कसने और ग्लो बढ़ाने के लिए सिर्फ तीन चीजों की जरूरत है। तुलसी की पत्तियां, चावल का आटा और मुल्तानी मिट्टी। ये तीनों चीजें मिलकर स्किन को नेचुरल टाइटनिंग देती हैं, साथ ही डार्क स्पॉट्स और झुर्रियों को भी कम करती हैं।

तुलसी की पत्तियां (सूखी और पाउडर के रूप में)

चावल का आटा

मुल्तानी मिट्टी

कैसे तैयार करें फेस पैक?

1. सबसे पहले तुलसी की ताजी पत्तियों को तोड़कर छांव में सुखा लें।
2. सूख जाने पर इन्हें पीसकर महीन पाउडर बना लें।
3. अब इसमें तुलसी पाउडर की मात्रा से 4 गुना ज्यादा चावल का आटा मिलाएं।
4. फिर इस मिक्स में 4 गुना मुल्तानी मिट्टी डालें और अच्छे से मिक्स कर लें।
5. जब भी लगाना हो, इस पाउडर में कच्चा दूध या एलोवेरा जेल मिलाकर पेस्ट बना लें।.
6. इस पेस्ट को चेहरे और गर्दन पर लगाकर 30 मिनट तक छोड़ दें।
7. समय पूरा होने पर सादे पानी से धो लें।

रोजाना या हफ्ते में 3 बार इसका इस्तेमाल करने से स्किन पर फर्क आने लगेगा।

रील्स से रियल लाइफ तक: मोबाइल की दुनिया में खोती खुशी!

क्या सोशल मीडिया छीन रहा है युवाओं की मुस्कान?

मोबाइल हाथ में आते ही उंगलियां जैसे अपने आप स्क्रीन पर दौड़ने लगती हैं. एक रील खत्म होती है तो दूसरी सामने, फिर स्टोरी, फिर पोस्ट... और देखते-देखते कब एक-दो घंटे निकल जाते हैं, पता ही नहीं चलता. आज के युवाओं के लिए यह सिर्फ टाइमपास नहीं, बल्कि रोज की आदत बन चुकी है, लेकिन इसी आदत के पीछे एक ऐसा सच छिपा है, जो थोड़ा परेशान करने वाला है. हाल ही में आई एक ग्लोबल रिपोर्ट ने इशारा किया है कि ज्यादा सोशल मीडिया इस्तेमाल करने वाले युवाओं की खुशी और संतुष्टि धीरे-धीरे कम हो रही है. खास बात यह है कि इसका असर सबसे ज्यादा किशोर लड़कियों में देखा गया है.

सोशल मीडिया और खुशी का रिश्ता

आज के दौर में सोशल मीडिया सिर्फ बातचीत का जरिया नहीं रहा, बल्कि यह हमारी सोच, भावनाओं और आत्मविश्वास तक को प्रभावित करने लगा है. रिपोर्ट में साफ तौर पर सामने आया है कि जो किशोर ज्यादा समय सोशल मीडिया पर बिताते हैं, उनमें लाइफ सैटिस्फैक्शन कम देखने को मिलता है. यह जरूरी नहीं कि सोशल मीडिया ही इसका सीधा कारण हो, लेकिन दोनों के बीच एक मजबूत कनेक्शन जरूर दिख रहा है. जिन युवाओं का स्क्रीन टाइम सीमित है, वे खुद को ज्यादा खुश और संतुष्ट महसूस करते हैं. वहीं, लंबे समय तक ऑनलाइन रहने वाले युवाओं में यह स्तर गिरता नजर आता है.

किशोर लड़कियों पर ज्यादा असर क्यों?

रिपोर्ट का सबसे चौंकाने वाला हिस्सा यह है कि 15 साल की लड़कियों में यह असर सबसे ज्यादा देखा गया है. इसका एक बड़ा कारण है सोशल मीडिया पर दिखने वाला 'परफेक्ट लाइफ' का भ्रम. आज इंस्टाग्राम और अन्य प्लेटफॉर्म पर हर कोई अपनी जिंदगी का सबसे अच्छा हिस्सा दिखाता है. खूबसूरत तस्वीरें, शानदार लाइफस्टाइल, ट्रैवल, ब्रांडेड कपड़े. यह सब देखकर कई बार किशोर लड़कियां खुद की तुलना करने लगती हैं. यही तुलना धीरे-धीरे आत्मविश्वास को कम कर देती है.

सेहत, रिलेशनशिप, लाइफ या धर्म-ज्योतिष से जुड़ी है कोई निजी उलझन तो हमें करें WhatsApp, आपका नाम गोपनीय रखकर देंगे जानकारी.

आखिर युवा देख क्या रहे हैं?

यह सिर्फ इस बात पर निर्भर नहीं करता कि आप कितना समय सोशल मीडिया पर बिताते हैं, बल्कि यह भी मायने रखता है कि आप वहां क्या देख रहे हैं, अगर कोई यूजर लगातार ऐसे कंटेंट देख रहा है जो दिखावे, ग्लैमर और 'परफेक्ट लाइफ' को बढ़ावा देता है, तो इसका असर मानसिक स्थिति पर पड़ सकता है. वहीं, अगर सोशल मीडिया का इस्तेमाल दोस्तों और परिवार से जुड़ने के लिए किया जाए, तो इसका असर पॉजिटिव भी हो सकता है. आजकल एल्गोरिदम ऐसे कंटेंट को आगे बढ़ाता है, जो ज्यादा एंगेजमेंट लाता है. इसका मतलब है कि यूजर्स को वही चीजें ज्यादा दिखती हैं, जो उन्हें लंबे समय तक स्क्रीन पर रोके रखें. चाहे वह कंटेंट उनके लिए अच्छा हो या नहीं.

किन देशों में दिखा ज्यादा असर?

रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड जैसे अंग्रेजी भाषी देशों में यह गिरावट ज्यादा देखने को मिली है. पिछले करीब एक दशक में इन देशों के युवाओं की लाइफ सैटिस्फैक्शन कम हुई है. इसके पीछे सिर्फ सोशल मीडिया ही नहीं, बल्कि सामाजिक सपोर्ट भी एक बड़ा कारण माना जा रहा है. जिन युवाओं को परिवार और समाज से कम सपोर्ट मिलता है, वे ज्यादा असंतुष्ट महसूस करते हैं. दिलचस्प बात यह है कि बाकी दुनिया के कई हिस्सों में युवाओं की खुशी का स्तर बढ़ा है. इससे यह साफ होता है कि सिर्फ डिजिटल दुनिया ही नहीं, बल्कि असली दुनिया में मिलने वाला सपोर्ट भी उतना ही जरूरी है.

क्या सरकारें उठाने लगी हैं कदम?

इस बढ़ते असर को देखते हुए कई देशों ने बच्चों और किशोरों के सोशल मीडिया इस्तेमाल को लेकर सख्ती पर विचार शुरू कर दिया है. ऑस्ट्रेलिया जैसे देश 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर रोक लगाने की दिशा में कदम उठा रहे हैं. यह कदम इसलिए उठाए जा रहे हैं क्योंकि अब यह सिर्फ एंटरटेनमेंट का मामला नहीं रहा, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ा मुद्दा बन चुका है.

असली समस्या: स्क्रीन टाइम या कंटेंट?

अगर ध्यान से देखें तो मामला सिर्फ स्क्रीन टाइम का नहीं है. असली सवाल यह है कि हम डिजिटल दुनिया में क्या देख रहे हैं और उससे कितना प्रभावित हो रहे हैं. मान लीजिए, एक छात्र रोज घंटों मोटिवेशनल या एजुकेशनल कंटेंट देखता है, तो उसका असर अलग होगा. वहीं, अगर कोई लगातार दूसरों की 'परफेक्ट लाइफ' देखकर खुद को कमतर समझने लगे, तो यह उसकी खुशी को जरूर प्रभावित करेगा.

क्या किया जा सकता है?

इसका हल पूरी तरह सोशल मीडिया छोड़ देना नहीं है, बल्कि इसे समझदारी से इस्तेमाल करना है. कुछ छोटे बदलाव बड़ा फर्क ला सकते हैं-जैसे स्क्रीन टाइम सीमित करना, अपने कंटेंट फीड को कंट्रोल करना और असली दुनिया में ज्यादा समय बिताना. परिवार और दोस्तों के साथ बातचीत, आउटडोर एक्टिविटी और खुद के लिए समय निकालना-ये सब चीजें मानसिक संतुलन बनाए रखने में मदद करती हैं. सोशल मीडिया आज की जरूरत बन चुका है, लेकिन इसका जरूरत से ज्यादा इस्तेमाल धीरे-धीरे युवाओं की खुशी को प्रभावित कर रहा है. खासकर किशोर लड़कियों में इसका असर ज्यादा दिखना चिंता की बात है. ऐसे में जरूरी है कि हम डिजिटल दुनिया और असली जिंदगी के बीच सही संतुलन बनाना सीखें.

रिपोर्ट कार्ड से नहीं खुलेगा राज! पीटीएम में ये सवाल पूछेंगे तो ही समझ आएगी बच्चे की असली ग्रोथ

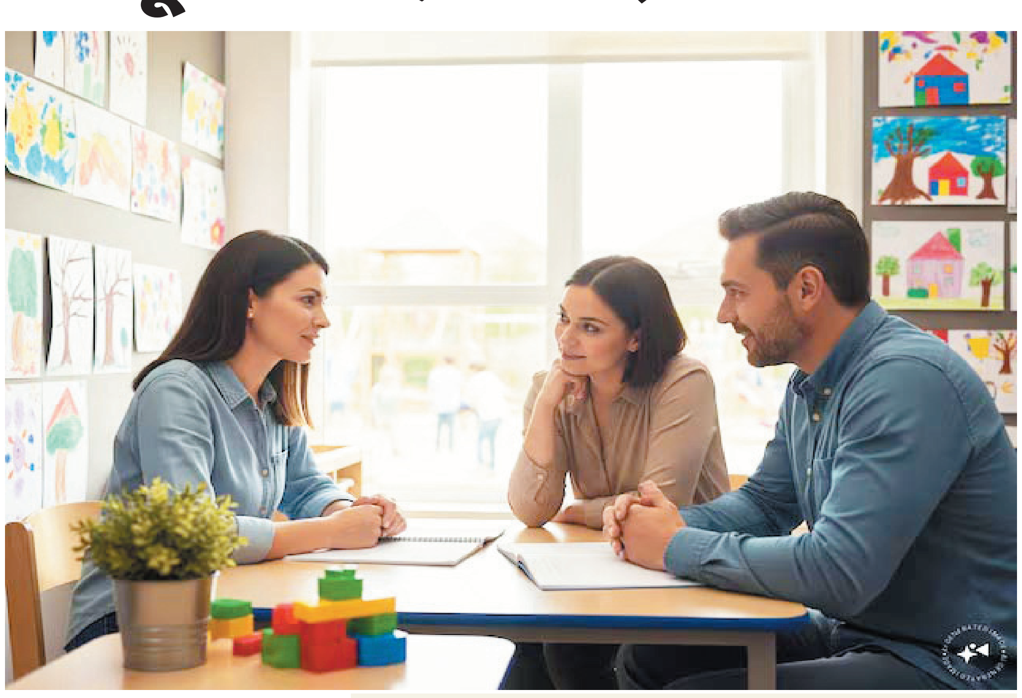

साल के आखिर में होने वाली पीटीएम यानी पेरेंट टीचर ?मीटिंग को अक्सर माता-पिता सिर्फ रिपोर्ट कार्ड देखने तक सीमित कर देते हैं. कुछ मिनट बैठकर नंबर पूछे, 'ठीक है' कहा और घर लौट आए, लेकिन सच कहें तो बच्चे की असली कहानी नंबरों से कहीं ज्यादा बड़ी होती है. उसकी क्लास में मौजूदगी कैसी है, वह दोस्तों के साथ कैसा व्यवहार करता है, छोटी-छोटी हार-जीत को कैसे संभालता है-ये सब बातें उसके भविष्य की नींव तय करती हैं. यही वजह है कि आखिरी पीटीएम सिर्फ एक फॉर्मेलिटी नहीं, बल्कि बच्चे को समझने का मौका होती है, अगर सही सवाल पूछे जाएं, तो आप बच्चे के इमोशनल, सोशल और बिहेवियरल ग्रोथ की असली तस्वीर जान सकते हैं. इस बार पीटीएम में जाएं तो सिर्फ मार्कशीट नहीं, ये 9 जरूरी सवाल जरूर साथ लेकर जाएं.

कौन-कौन से सवाल जरूर पूछें?

1. क्या मेरा बच्चा क्लास में खुश और सहज रहता है?

यह सबसे बुनियादी सवाल है, लेकिन यहीं से सब शुरू होता है, अगर बच्चा क्लास में सहज नहीं है, तो पढ़ाई पर भी असर पड़ेगा. टीचर से जानिए कि वह स्कूल में खुद को कितना सुरक्षित और खुश महसूस करता है.

2. वह दूसरे बच्चों के साथ कैसे घुलता-मिलता है?

दोस्ती करना भी एक स्किल है. कुछ बच्चे जल्दी घुल-मिल जाते हैं, जबकि कुछ को समय लगता है, अगर बच्चा अलग-थलग रहता है, तो इस पर ध्यान देने की जरूरत है.

सेहत, रिलेशनशिप, लाइफ या धर्म-ज्योतिष से जुड़ी है कोई निजी उलझन तो हमें करें WhatsApp, आपका नाम गोपनीय रखकर देंगे जानकारी.

3. क्या वह ग्रुप में खेलता है या अकेले रहना पसंद करता है?

यह सवाल बच्चे की पर्सनालिटी को समझने में मदद करता है. हर बच्चा अलग होता है, लेकिन लगातार अकेलापन कभी-कभी चिंता का संकेत हो सकता है.

पीटीएम में क्यों जरूरी हैं सही सवाल?

पीटीएम सिर्फ एक मीटिंग नहीं, बल्कि स्कूल और घर के बीच पुल की तरह होती है. यहां टीचर वो बातें बता सकते हैं जो बच्चा घर पर नहीं दिखाता. कई बार बच्चे क्लास में अलग व्यवहार करते हैं-कुछ ज्यादा चुप हो जाते हैं, तो कुछ ज्यादा एक्टिव. अगर आप सही सवाल नहीं पूछते, तो ये जरूरी बातें छूट जाती हैं. और फिर हम सोचते रह जाते हैं कि 'बच्चा बदल क्यों रहा है?'

बच्चे की भावनाओं को समझना भी जरूरी

4. जब चीजें उसके मन मुताबिक नहीं होतीं, तो वह कैसे रिएक्ट करता है?

मान लीजिए बच्चा गेम हार गया या उसकी बारी देर से आई-क्या वह गुस्सा करता है या शांत रहता है? यह उसकी इमोशनल कंट्रोल क्षमता दिखाता है.

5. क्या वह क्लास एक्टिविटीज में हिस्सा लेता है?

क्या बच्चा हाथ उठाकर जवाब देता है या पीछे बैठकर चुप रहता है? इससे उसका आत्मविश्वास साफ झलकता है.

6. क्लास में उसके सबसे करीबी दोस्त कौन हैं?

यह जानना जरूरी है कि बच्चा किन बच्चों के साथ ज्यादा समय बिताता है. उसका सर्कल उसके व्यवहार को काफी प्रभावित करता है.

समस्या सुलझाने की क्षमता भी देखें

7. अगर किसी से झगड़ा हो जाए, तो वह क्या करता है?

क्या बच्चा तुरंत शिकायत करता है, रोने लगता है या खुद बात करके सुलझाने की कोशिश करता है? यह उसकी प्रॉब्लम सॉल्विंग स्किल्स का संकेत है.

8. क्या वह दूसरों की मदद करता है?

सहानुभूति एक बड़ी खूबी है, अगर बच्चा दूसरों की मदद करता है या उनके प्रति संवेदनशील है, तो यह उसके अच्छे व्यक्तित्व का संकेत है.

9. क्या जरूरत पड़ने पर वह मदद मांगता है?

कई बच्चे शर्म या डर के कारण मदद नहीं मांगते, अगर बच्चा खुलकर अपनी बात रखता है, तो यह उसके आत्मविश्वास को दिखाता है.

सिर्फ नंबर नहीं, पूरी तस्वीर देखें

आज के समय में सिर्फ अच्छे नंबर ही सफलता की गारंटी नहीं हैं. एक बच्चा जो भावनात्मक रूप से मजबूत है, दूसरों के साथ अच्छा व्यवहार करता है और खुद को समझता है-वही आगे जाकर बेहतर इंसान बनता है.

पीटीएम में सही सवाल पूछकर आप अपने बच्चे को बेहतर समझ सकते हैं. यह न सिर्फ उसकी पढ़ाई, बल्कि उसकी पूरी जिंदगी को दिशा देने में मदद करेगा.

वॉशिंग मशीन में रोज कपड़े धोएं या सप्ताह में, इसका सही तरीका क्या हैं?

आज के समय में वॉशिंग मशीन हर घर की एक बेहद खास ज़रूरत बन चुकी है. लेकिन कई बार एक आम सवाल लोगों के मन में आता है, क्या वॉशिंग मशीन में रोज़ कपड़े धोना चाहिए या सप्ताह में 2 बार धोना बेहतर होता है? इसका सही जवाब आपकी जीवनशैली, कपड़ों की संख्या और मशीन के रख-रखाव पर निर्भर करती है. आइए इसके पीछे के कारणों को विस्तार से समझते हैं.

रोज़ वॉशिंग मशीन चलाने के फायदे

रोज़ कपड़े धोने का सबसे बड़ा लाभ यह है कि कपड़े जमा नहीं होते. जिन परिवारों में बच्चे होते हैं या जिन लोगों को रोज़ ऑफिस जाना होता है, वहां रोज़ धुलाई से कपड़े साफ और ताजे रहते हैं.

इसके अलावा, रोज़ धोने पर कपड़ों पर दाग जमने का खतरा कम रहता है, जिससे कम डिटर्जेंट और कम मेहनत में कपड़े साफ हो जाते हैं. हल्का लोड होने से मशीन पर ज़्यादा ज़ोर नहीं पड़ता और वॉश क्वालिटी भी बेहतर रहती है.

रोज़ धोने के नुकसान

हालांकि रोज़ वॉशिंग मशीन चलाने के कुछ नुकसान भी हैं. सबसे पहला नुकसान है बिजली और पानी की खपत. रोज़ मशीन चलाने से बिजली का बिल और पानी की खपत बढ़ सकती है.

इसके अलावा, कम कपड़ों के साथ मशीन चलाने से ड्रम और मोटर का सही उपयोग नहीं हो पाता, जिससे लंबे समय में मशीन की कार्यक्षमता पर असर पड़ सकता है. कुछ कपड़े बार-बार धोने से जल्दी पुराने भी दिखने लगते हैं.

सप्ताह में 2 बार मशीन में कपड़े धोने के फायदे

सप्ताह में 2 बार कपड़े धोना कई मामलों में ज्यादा व्यावहारिक और सही माना जाता है. इस तरीके से मशीन को फुल या ऑप्टिमल लोड मिलता है, जिससे पानी और बिजली दोनों की बचत होती है. एक साथ ज़्यादा कपड़े धोने से समय की भी बचत होती है और मशीन का उपयोग संतुलित रहता है. साथ ही, यह तरीका पर्यावरण के लिहाज़ से भी बेहतर माना जाता है.

स्वत्वाधिकार प्रकाशन एवं मुद्रक राजकुमार आमेटा के लिए स्मार्ट कम्प्यूटर्स एण्ड प्रिन्टर्स, कोर्ट के सामने, माण्डलगढ़ से प्रकाशित एवं मुद्रित। मो. 9649222850 Email.smarthalchalnews@gmail.com